www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...
पत्र नहीं; मित्र
RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 7 । अंक – 221 । नर्मदापुरम, रविवार 17 नवंबर 2024 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

विरोधी विचारों को भी संयम से सुनना चाहिए : सिकरवार पृष्ठ 3
जर्द पत्तों का बन / एक मच्छर का साहित्यिक निर्वाण यथासम्भव पृष्ठ 4
33 केवी के विद्युत सब स्टेशन से रोशन होंगे गरेठ क्षेत्र के 18 गांव पृष्ठ 6
झांसी मेडिकल कॉलेज हादसा : आग ने बुझा दिए कई घरों के चिराग पृष्ठ 8

मणिपुर के जिरीबाम में फिर हिंसा

3 शव मिले, मैतेई समुदाय ने किया उग्र प्रदर्शन

- 7 जिलों में इंटरनेट बैन, पांच में कर्फ्यू
- इंफाल में विधायकों के घर तोड़फोड़-आगजनी

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में शुक्रवार को एक महिला और दो बच्चों के शव जिरी नदी में बहते मिले थे। इसके बाद से राज्य के कई जिलों में विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ, जो अब हिंसक हो गया है। मैतेई समुदाय के लोगों ने इंफाल में छह विधायकों के घर हमला किया। प्रदर्शनकारियों ने यहां पथराव और आगजनी की। इंफाल में टायर जलाकर सड़कों को ब्लॉक किया। दरअसल, 11 नवम्बर को वर्दी पहने हथियारबंद उग्रवादियों ने बोरोब्रेका थाना परिसर और सीआरपीएफ शिविर पर हमला किया था। इसमें 10 उग्रवादी मारे गए थे। इस दौरान जिरीबाम जिले के बोरोब्रेका थाना परिसर स्थित राहत शिविर से 6 लोगों को अगवा किया गया था। शुक्रवार को मिले तीन शव इन लापता हुए लोगों के बताए जा रहे हैं। विरोध प्रदर्शन के चलते मणिपुर के पांच घाटी जिलों में कर्फ्यू लगाया गया है। जबकि सात जिलों में शनिवार शाम 5:15 बजे से दो दिन के लिए इंटरनेट बैन कर दिया गया है। यह जिले हैं– इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी और चुराचांदपुर। सबसे पहले प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने लामफेल सनाकेथेल इलाके में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री सापम रंजन के आवास पर धावा बोला। यहां पर लोगों ने जमकर नारेबाजी की। इसके बाद लामफेल सनाकेथेल विकास प्राधिकरण के प्रतिनिधि डेविड ने बताया कि मंत्री सापम ने आश्वासन दिया कि तीन लोगों के शव मिलने के मुद्दे पर कैबिनेट बैठक में चर्चा की जाएगी। अगर सरकार लोगों की भावनाओं का सम्मान करने में विफल रही तो वह अपना इस्तीफा दे देंगे।

गृह मंत्रालय पूरी घटनाक्रम पर सख्त

मणिपुर में शांति बहाल करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार को कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। मंत्रालय ने कहा है कि राज्य में हिंसक गतिविधियों में शामिल लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। असम की सीमा से लगे जिरीबाम में सीआरपीएफ की चौकी पर अत्याधुनिक हथियारों से लैस वर्दीधारी उग्रवादियों ने हमला बोला था। जवाबी फायरिंग में 11 उग्रवादी मारे गए थे। अगले ही दिन संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने मैतेई समुदाय के महिला और बच्चों के ग्रुप को अगवा कर लिया था।

आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत पर चुनाव आयोग सख्त

भाजपा-कांग्रेस को भेजा नोटिस

आयोग ने दोनों पार्टी अध्यक्षों से 18 तक मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र और झारखंड में चल रहे विधानसभा चुनावों में भाजपा और कांग्रेस द्वारा एक-दूसरे के खिलाफ शिकायतों को लेकर चुनाव आयोग ने दोनों ही दलों को नोटिस जारी किया है। चुनाव आयोग ने बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अलग-अलग पत्र लिखकर शिकायत पर जवाब देने को कहा है। दूसरा यह कि आयोग ने दोनों पक्षों से प्रतिक्रिया मांगते हुए उनके बीच शिकायतों का आदान-प्रदान किया है। चुनाव आयोग ने दोनों पार्टी अध्यक्षों से 18 नवम्बर दोपहर 1 बजे तक औपचारिक जवाब-तलब किया है जबकि उन्हें लोकसभा चुनाव के दौरान स्टार प्रचारकों और नेताओं को बनाए रखने के लिए 22 मई, 2024 को चुनाव आयोग की पिछली सलाह की याद दिलाया है। ताकि सार्वजनिक नियमों का उल्लंघन न हो और चुनाव प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता का अक्षरशः पालन किया जाए।

कांग्रेस ने लगाए थे यह आरोप

कांग्रेस ने 14 नवम्बर को चुनाव अभियान के दौरान झूठे, विभाजनकारी, दुर्भावनापूर्ण और निंदनीय बयान देने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी। विपक्षी दल ने आयोग से महाराष्ट्र और झारखंड में शेष चुनाव अभियान के लिए पीएम मोदी और शाह को चुनाव संबंधी किसी भी गतिविधि से प्रतिबंधित करने, मामले की गहन जांच कराने की मांग की थी। कांग्रेस ने चुनाव अभियान के दौरान नफरती बयान देने वाले भाजपा में शामिल सभी नेताओं के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की थी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया था कि 8 नवम्बर को पीएम मोदी ने नासिक और महाराष्ट्र के धुले में चुनावी रैलियों के दौरान कांग्रेस और उसके सहयोगियों को निशाना बनाते हुए कई झूठे, दुर्भावनापूर्ण और निंदनीय बयान दिए। उन्होंने अपने बयानों में कांग्रेस के प्रमुख नेताओं और पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी पर आरोप लगाए।

भाजपा ने की थी शिकायत

भाजपा ने 11 नवम्बर को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की शिकायत की थी। भाजपा ने कहा था कि राहुल गांधी ने राज्यों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने का प्रयास किया। उन्होंने संविधान की धज्जियां उड़ाईं और झूठ बोला कि भाजपा संविधान को नष्ट करने वाली है। यह झूठ है। हमने आयोग से कहा है कि इसे रोका जाना चाहिए। हमने आयोग को यह भी बताया कि राहुल गांधी ऐसा करने के आदी हैं और चेतावनी और नोटिस के बाद भी वे ऐसा करने से बाज नहीं आ रहे हैं। मेघवाल ने कहा कि हमने राहुल गांधी के खिलाफ बीएनएस की धारा 353 के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

दूसरी ओर से महाराष्ट्र में कांग्रेस ने भाजपा के राज्यसभा सांसद धनंजय महादिक के चुनाव प्रचार पर रोक लगाने की मांग की है। कांग्रेस ने भाजपा सांसद पर आरोप लगाया है कि उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान कहा कि कांग्रेस को वोट देने वाली महिलाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा। इसे लेकर कांग्रेस चुनाव आयोग पहुंची थी और महादिक पर चुनाव प्रचार की गतिविधियों में शामिल होने से रोक लगाने की मांग की थी। झारखंड में भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस ने वोटिंग से एक दिन पहले यानी साइलेंट पीरियड में मेनिफेस्टो जारी किया था। भाजपा ने इसे आचार संहिता का उल्लंघन बताते हुए आपत्ति जताई थी और राज्य चुनाव आयोग से शिकात की थी। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस ने संविधान और चुनाव के नियमों का उल्लंघन किया है इसलिए उसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

नालंदा मेडिकल कॉलेज में हैवानियत, शव से निकाली आंख

बिहार, एजेंसी। नालंदा जिले के चिकसौरा थाना क्षेत्र के बुराड़ी गांव के रहने वाले फंटूश कुमार को 14 नवम्बर की सुबह सात बजे गोली मारी गई थी। इस घटना में फंटूश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए थे। फंटूश कुमार को लेकर उनके परिजन नालंदा के हिलसा अनुमंडल पहुंचे जहां से उनको बेहतर इलाज के लिए राजधानी के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया।

परिजनों के अनुसार 14 नवम्बर को सुबह नौ बजे फंटूश कुमार को मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया था। जहां पर उनका ऑपरेशन हुआ। ऑपरेशन के बाद डॉक्टर ने बताया कि उनकी हालत में सुधार हो रहा है लेकिन 15 नवम्बर की रात डॉक्टर ने बताया कि फंटूश कुमार की मौत हो गई है। मरीज की मौत की खबर मिलने के बाद जब उनके परिजन उसे देखने के लिए अस्पताल पहुंचे तो फंटूश का शव देखकर उनका दुख गुस्से में तब्दील हो गया। फंटूश कुमार को बेहतर इलाज के लिए एनएमसीएच में भर्ती कराया गया था लेकिन उसकी एक आंख गायब थी। मृतक के परिजनों की माने तो उनकी बाई आंख को निकाल लिया गया है। जब उन्होंने इस संबंध में अस्पताल प्रशासन से बात करने की कोशिश की तो उनको अस्पताल से बाहर कर दिया गया। वहीं एनएमसीएच के डायरेक्टर ने बताया कि मरीज की सर्जरी हुई थी। इलाज के क्रम में उसकी मृत्यु हो गई थी। किस कारण से बाई आंख मिसिंग हुई है। उसकी जांच की जा रही है। पुलिस भी जांच कर रही है। अस्पताल प्रशासन भी जांच कर रहा है। हर लेवल पर इस मामले को देखा जा रहा है। जो भी दोषी पाया जाएगा उसे दंडित किया जाएगा। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अभी प्रारंभिक जांच हुई है। यह बात सच है कि एक आंख मिसिंग है. इस संबंध में एनएमसीएच के डॉक्टर से बात हुई है। एक टीम का गठन किया जा रहा है जिसे जांच की जिम्मेदारी दी जाएगी। हॉस्पिटल के अंदर की सीसीटीवी फुटेज भी चेक की जा रही है जो भी आगे कार्रवाई की जाएगी, उसके बारे में जानकारी दी जाएगी। घटना नालंदा जिले से संबंधित है. लोकल पुलिस जांच कर रही है।

गोली लगने से हुए थे घायल

वहीं दूसरी तरफ फंटूश कुमार को जब गोली मारी गई थी तब उनकी पत्नी के बयान पर मदन प्रसाद, सदन कुमार, अवधेश प्रसाद और मिलन कुमार के खिलाफ प्राथमिक की भी दर्ज की गई है। मृतक के भतीजे अंकित कुमार ने बताया कि छह महीने पहले उनकी शादी हुई थी। वह एक पब्लिकेशन कंपनी में काम करते थे। परिवारिक लड़ाई में उनके चाचा यानी फंटूश को विरोधी पक्ष के लोगों ने गोली मार दी थी।

सौ करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत

तालाबों का सौंदर्यीकरण कर बनायेंगे पर्यटन स्थल

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के नगरीय निकायों में मौजूद तालाबों का सौंदर्यीकरण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि तालाबों को पर्यटन स्थलों के रूप में भी विकसित करेंगे। उन्होंने कहा कि नगरीय विकास एवं आवास विभाग नगरीय क्षेत्रों की झीलों एवं तालाबों के सौंदर्यीकरण के लिये संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य कर रहा है। इसके तहत प्रदेश के 41 नगरीय निकायों में 48 तालाबों की योजनाओं पर 104 करोड़ 46 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

डॉ. यादव ने बताया कि झीलों एवं तालाबों के सौंदर्यीकरण के साथ पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिये चयनित झीलों एवं तालाबों के संरक्षण और सतही पेयजल स्त्रोत निर्मित होंगे। अब तक 28 तालाबों के कार्य पूरे किये जा चुके हैं, शेष 20 तालाबों के कार्य प्रगति पर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल-संरक्षण और संवर्धन की यह योजनाएँ राज्य शासन के दिये जाने वाले अनुदान और निकाय के वित्तीय अंश से संचालित की जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि नगरीय विकास विभाग ने वर्ष 2025-26 से अगले 3 वर्षों में 50 करोड़ रुपये के और कार्य विभाग के बजट प्रावधान में किये जाने के लिये प्रस्तावित किये हैं।

संरक्षण के प्रमुख कार्य

नगरीय निकायों ने जिन तालाबों और झीलों के संरक्षण के कार्य चयनित किये हैं, उनमें प्रमुख रूप से भूमि के कटाव को रोकने संबंधी कार्य, झीलों एवं तालाबों के आसपास बाउण्ड्री बनाना, सघन वृक्षारोपण, लॉन विकसित करना और सौंदर्यीकरण के लिये लैम्प तथा फव्वारों की स्थापना करना प्रमुख है। इसी के साथ अपशिष्ट जल को रोकने, जल-शोधन के लिये रूट-झोन ट्रीटमेंट मैनेजमेंट और सीवर पाइप लाइन द्वारा अपशिष्ट जल को रोकने के लिये निकायों द्वारा ठोस प्रयास किये जा रहे हैं। ये सभी कार्य झीलों एवं तालाबों के किनारे से 100 मीटर की दूरी के अंदर ही प्रस्तावित किये गये हैं। जिन नगरीय निकायों में यह कार्य स्वीकृत किये गये हैं, उनमें नगर निगम द्वारा कुल स्वीकृत राशि में 40 प्रतिशत, नगरपालिका द्वारा 25 प्रतिशत और नगर परिषद द्वारा 10 प्रतिशत की राशि वित्तीय अंशदान के रूप में दी जा रही है।

चंद्रबाबू के भाई राममूर्ति नायडू का निधन

हैदराबाद, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के छोटे भाई और तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के पूर्व विधायक एन. राममूर्ति नायडू का शनिवार दोपहर को एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह हृदय रोग से पीड़ित थे। उन्होंने 72 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। अस्पताल के मुताबिक 14 नवम्बर को राममूर्ति नायडू को हार्ट अटैक पड़ा था। इसके बाद उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह वेंटिलेटर पर थे। राममूर्ति नायडू वर्ष 1994 से 1999 तक आंध्र प्रदेश के चंद्रगिरि से विधायक रहे। इसके अलावा उन्होंने तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) को जमीनी स्तर पर मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। उनके बेटे नारा रोहित एक प्रसिद्ध तेलुगु अभिनेता हैं।

सड़क परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट में खुलासा

देश में रोज 26 बच्चे हो रहे सड़क हादसों का शिकार

- बिना लाइसेंस ड्राइविंग करते 2,537 बच्चों ने गंवाई जान
- हेलमेट न पहनने के कारण हुईं 54 हजार से ज्यादा मौतें

नई दिल्ली, एजेंसी। बिना लाइसेंस 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को वाहन चलाने के लिए थमाने वाले माता-पिता के लिए यह एक खबर नहीं, बल्कि एक अलर्ट है।

2023 के दौरान हुए सड़क हादसों में 18 वर्ष से कम आयु के 9,489 बच्चों की मौत हुई यानी देश ने हर दिन 26 बच्चों को खो दिया। यह साल भर के हादसों में जान गंवाने वाले कुल लोगों का 5.49 प्रतिशत है। दुखद पहलू यह है कि इनमें से 2,537 बच्चों की मौत ड्राइविंग (बिना लाइसेंस) करते हुए हुई यानी हर दिन करीब 7 'नाबालिग चालकों' ने जान गंवाई। हादसों में 4,242 बच्चों की मौत बतौर सवारी हुई, जबकि 2,232 बच्चों को पैदल चलते हुए सड़कों पर रौंद दिया गया। सड़क परिवहन मंत्रालय की रोड एक्सीडेंट्स इन इंडिया-2023 रिपोर्ट के लिए जुटाए गए आंकड़ों में यह तस्वीर सामने आई। रिपोर्ट जल्द ही जारी होने वाली है। आंकड़ों के मुताबिक, 2023 में हेलमेट न पहनने के कारण 54,568 मौतें हुईं। 2022 की तुलना में 2023 में सड़क हादसे 4.2 प्रतिशत और मौतें 2.6 प्रतिशत बढ़ी हैं।

देश में सबसे अधिक 13.7 प्रतिशत मौतें यूपी में हुईं और लगातार छठे वर्ष सड़क हादसों की संख्या में तमिलनाडु नंबर-1 रहा। वर्ष 2023 के दौरान सड़क हादसों में उम्र के हिसाब से देखें तो सबसे अधिक 66.4 प्रतिशत मौतें 18-45 के आयु वर्ग में हुईं। कुल मौतों में 35 वर्ष से कम आयु वाले लोग 50.5 प्रतिशत थे। सड़क हादसों में मारे गए लोगों में 31.5 प्रतिशत शहरी और 68.5 प्रतिशत ग्रामीण थे। 85.8 प्रतिशत पुरुष और 14.2 प्रतिशत महिलाएं थीं।

अब भी हर घंटे हो रहे औसतन 55 सड़क हादसे

देश में अब भी हर घंटे औसतन 55 सड़क हादसे हो रहे हैं। इनमें 20 लोगों की जान जा रही है। सड़क हादसों में बच्चों की मौतों की संख्या 2022 की तुलना में 39 कम है। 2022 के दौरान सड़क हादसों में 9,528 बच्चों की जान चली गई थी। देश में अब भी हर घंटे औसतन 55 सड़क हादसे हो रहे हैं। इनमें 20 लोगों की जान जा रही है।

उत्तरप्रदेश पुलिस को नहीं मिल रहा भोपाल पुलिस का सहयोग

प्रतापगढ़ से 24 लाख का सोना लेकर चंपत हुए भोपाल के ईरानी

भोपाल, देशबन्धु। नकली पुलिस बनकर निशातपुरा थाने की अमन कॉलोनी के चार ईरानी युवक उत्तरप्रदेश के प्रतापगढ़ से 24 लाख रूपये कीमत का सोना लेकर चंपत हो गये। इन्हें पकड़ने प्रतापगढ़ पुलिस की 4 सदस्यीय टीम भोपाल आई है। लेकिन निशातपुरा पुलिस उनका सहयोग नहीं कर रही है। उत्तरप्रदेश पुलिस राजधानी में 2 दिन से डेरा डाले है किन्तु वे ईरानी डेरे में बिना स्थानीय पुलिस की मदद से घुस नहीं पा रही है। टीम लीडर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मिले, किन्तु इसके बाद भी उत्तरप्रदेश पुलिस बदमाशों तक नहीं पहुंच पा रही है।

यह कहना है उत्तरप्रदेश के प्रतापगढ़ जोन के एसीपी शिवनारायण का। उन्होंने बताया कि, प्रतापगढ़ पुलिस अधीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह के निर्देशन में वे टीम के साथ भोपाल आए हैं। उन्होंने बताया कि 13 नवंबर बुधवार को भोपाल के ईरानी डेरा के 4 लोग प्रतापगढ़ पहुंचे थे वे एक कार व दो मोटर साइकल से गए थे। उन्होंने प्रतापगढ़ के मेन मार्केट में घण्टाघर के पास माधव प्रसाद, जगदीशचन्द्र सर्राफ दुकान के सामने एक सोना व्यापारी का रास्ता रोक लिया। उसे बताया कि, वे पुलिस वाले है उन्हें बैग की तलाशी लेनी है। क्योंकि शहर में जहर खुरानी की वारदातें बढ़ रही हैं। यह कहते हुए बदमाश व्यापारी से बैग लेकर तलाशी लेने लगे। इसी दौरान बैग में रखे 250 ग्राम सोने के जेवर लेकर वे मोटर साइकिल से चंपत हो गये। बदमाश जो जेवर ले गए हैं उसकी कीमत 20 लाख रूपये बताई गई है। घटना दुकान में लगे सीसी टीवी कैमरों में कैद हो गई है। इस आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली। यह बदमाश निशातपुरा थाने की अमन कॉलोनी स्थित ईरानी डेरे के रहने वाले हैं। जिन्हें पकड़ने के लिये प्रतापगढ़ कोतवाली थाने के उप निरीक्षक अंकित श्रीवास्तव के नेतृत्व में 4 सदस्यीय टीम भोपाल आई है। टीम के लोग शुक्रवार शाम के वक्त राजधानी आये हैं। उन्होंने निशातपुरा थाने में आमद दर्ज कराकर थाना प्रभारी रूपेश दुबे से सहयोग की अपील की है, किन्तु प्रतापगढ़ पुलिस का कहना है कि, निशातपुरा पुलिस बदमाशों को पकड़ने में सहयोग करने के बजाय उल्टा डरा रही है कि, ईरानी डेरे में घुसे तो वहां की महिलायें मारपीट कर पुलिस से हथियार भी छीन लेगी।

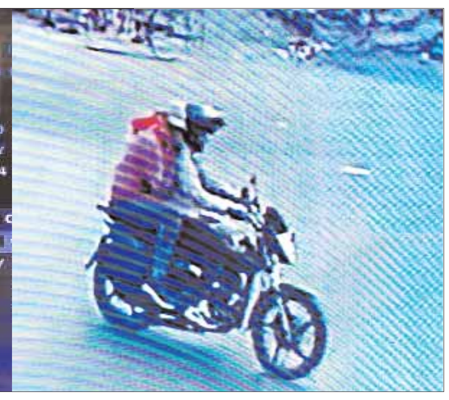

इनका कहना है

प्रतापगढ़ पुलिस भोपाल आई है। वे कुछ अपराधियों को गिरफ्तार करना चाहती है। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

मलकीत सिंह

एडिशनल डीसीपी, जोर-4, भोपाल

वरिष्ठ अधिकारियों से मिले टीम के सदस्य

प्रतापगढ़ पुलिस टीम के सभी चारों सदस्य बीती रात जोन-4 के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मिले, उन्होंने निशातपुरा पुलिस से सहयोग कराने का आश्वासन दिया, किन्तु वह भी ढांक के तीन पात की तरह ही साबित हुआ। थाने से एक सिपाही आज ईरानी डेरे तक गया और इशारों में बदमाशों का पता बताकर चलता बना। बताया गया कि, निशातपुरा पुलिस उ.प्र. पुलिस से वादा कर रही है कि, वह चुराया गया माल बरामद करा देगी।

वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश

करोंद की अमन कॉलोनी में शिया मस्जिद के पीछे रहने वाले 4 ईरानी युवकों ने वारदात को अंजाम दिया था। प्रतापगढ़ एसीपी शिवनारायण के अनुसार अमन कॉलोनी निवासी अब्बासी, गुलाम उर्फ कांकणी, शहादत एवं शालिक हैं। इन चारों के प्रतापगढ़ पुलिस के पास सीसी टीवी फुटेज हैं जिनके आधार पर आरोपियों की पहचान की गई है। बदमाश बाईक से वारदात करने के बाद कार से फरार हो गए थे।

साड़ी के फंदे पर लटकी मिली नवविवाहिता

शव छोड़कर भागे ससुराल वाले

भोपाल,देशबन्धु। बजरिया थाना इलाके में आरपीएफ जवान की नवविवाहिता पत्नी का शव घर में संदिग्ध अवस्था में फंदे पर लटका मिला। महिला के चेहरे पर चोट के निशान थे और उसके पैर में कपड़ा बंधे होने की बात सामने आई है। मृतका के पास से कोई पत्र नहीं मिला है। वहीं महिला के परिजनों का आरोप है कि उसका पति और पूरा ससुराल पक्ष दहेज को लेकर प्रताड़ित करता था। उन्होंने ही महिला की हत्या कर उसका शव फंदे पर टांग दिया था। हालांकि बजरिया थाना पुलिस प्रारंभिक तौर पर इसे खुदकुशी मान रही है। पुलिस का कहना है सभी पहलुओं पर जांच की जाएगी, फिलहाल मर्ग कायम किया गया है।

बजरिया थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि सुशील कुमार मंडराई और कृतिका ग्वाले की शादी इसी वर्ष वैलेंटाइन-डे के दिन 14 फरवरी को हुई थी। सुशील अपने परिवार के साथ राजधानी के द्वारका नगर में रहते हैं, जबकि कृतिका का मायका रत्नागिरी में है। सुशील आरपीएफ में जवान हैं और शादी के पहले से उसकी पदस्थापना मुंबई के पनवेल में हैं। कृतिका ससुराल में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करती थीं। इसी गुरुवार को सुशील मुंबई से अपने घर लौटा था। बताया गया है कि शनिवार रात नौ से दस बजे के बीच उनके घर से शोर सुनाई दे रहा था। इसके बाद सुशील की बहन ने साढ़े दस बजे कृतिका के पिता को फोन कर उसकी खुदकुशी की जानकारी दी। इस पर वे बेटी के ससुराल पहुंचते इससे पहले ही सुशील पति समेत पूरा परिवार फरार हो चुका था। इस बीच मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया और शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। इस मामले में थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि घटना स्थल से कोई पत्र नहीं मिलने से आत्महत्या के सही कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। हालांकि मृतका परिजनों ने दहेज के लिए प्रताड़ित करने के आरोप लगाए। उनके विस्तृत बयानों के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

पिता बोले-दहेज के लिए परेशान करते थे

कृतिका के पिता विश्नुप्रसाद ग्वाले ने बताया कि शादी में बेटी को जरूरत का सभी सामान और दामाद सुशील की पसंद से बुलेट मोटर साइकिल दी थी। इसके बाद भी दामाद शादी के बाद से ही दहेज में कार और महंगा प्लाट देने की मांग को लेकर बेटी को प्रताड़ित करता था। वह मुंबई में पदस्थ था, लेकिन कृतिका को साथ लेकर नहीं जाता था। कृतिका के सास और ससुर भी उसे तानाकशी करते थे। ससुराल वालों का कहना था कि दूसरी लड़की के परिजन शादी के लिए बीस लाख रुपए देने के तैयार थे। इसके बाद भी उन्होंने कृतिका से शादी की। उन्होंने बताया कि शुक्रवार रात को कृतिका की ननद ने उन्हें फोन कर बेटी की खुदकुशी की जानकारी दी थी। जब वह रिश्तेदारों के साथ मौके पर पहुंचे तो घर के दरवाजे खुले थे और बेटी के ससुराल पक्ष से कोई भी वहां मौजूद नहीं था। अंदर बेटी का शव साड़ी से बने फंदे पर लटका हुआ था। इसके बाद हमने ही घटना की जानकारी पुलिस को दी थी।

भाईयों ने ही की थी युवक की हत्या

भोपाल,देशबन्धु। बैरागढ़ इलाके में 9 नवंबर को युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतक की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या की पुष्टि हुई थी। इसके चलते संदेह के आधार पर पुलिस ने उसके दोनों भाईयों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने स्वीकार किया कि भाई खाने के लिए मांस नहीं दे रहा था। इसी बात को लेकर विवाद हुआ। मारपीट हुई और दोनों ने मिलकर उसका गला रस्सी से घोंट दिया। पुलिस ने शनिवार को दोनों आरोपी भाईयों पर हत्या का प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। वहीं हत्याकांड की जानकारी मृतक की मां को भी थी, उन्होंने भी पुलिस से को कुछ नहीं बताया। लिहाजा पुलिस ने मां को भी आरोपी बनाया है। पुलिस बाबूलाल के मुताबिक इंद्रा नगर में रहने वाला अंशुल यादव उम्र 22 वर्ष कपड़े की दुकान पर काम करता था। उसके अलावा परिवार में मां अनीता यादव, बड़ा भाई अमन यादव और छोटा भाई कुलदीप यादव भी साथ रहते थे, जबकि पिता अलग रहता है। 9 नवंबर को भाई और मां उसे लेकर एक निजी अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना के बाद पहुंची पुलिस को परिजनों ने बताया था कि अशुंल रात में खाना खाकर सोया था, लेकिन सुबह नहीं उठा तो वह अस्पताल लेकर आए। यहां चिकित्सकों ने कहा कि उसकी मौत हो चुकी है। पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। चिकित्सकों ने गत दिवस पुलिस को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट देते हुए बताया कि अंशुल की रस्सी से गला दबाकर हत्या की गई है। इसके बाद पुलिस ने मां और उसके बेटों से पूछताछ की तो हत्याकांड का खुलासा हो गया।

सर्द हवाओं ने बढ़ाई सिहरन, मंडला में 10.5 डिग्री पर पहुंचा पारा

राजधानी में रहा इस मौसम का सबसे कम तापमान

__भोपाल,देशबन्धु।__ पिछले दिनों उत्तर भारत के पहाड़ों पर बर्फबारी हुई है। वर्तमान में हवाओं का रुख भी उत्तरी बना हुआ है। ऐसे में सर्द हवाओं के कारण पूरे प्रदेश में सिहरन बढ़ गई है। रात के तापमान में गिरावट का सिलसिला शुरू हो गया है।

मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ पाकिस्तान के आसपास द्रोणिका के रूप में बना हुआ है। देश के पश्चिमोत्तर क्षेत्र में जेट स्ट्रीम (लगभग 13 किलोमीटर की ऊंचाई पर पश्चिम से पूर्व की तरफ 250 किमी. प्रति घंटा की रफ्तार से हवाओं का चलना) बना हुआ है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक पिछले दिनों हुई बर्फबारी के बाद उत्तर भारत के पहाड़ी क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान काफी कम बना हुआ है। वर्तमान में हवाओं का रुख भी उत्तरी बना हुआ है। इस वजह से मध्य प्रदेश में तापमान में गिरावट होने लगी है। हालांकि हवाओं की रफ्तार काफी कम (दो से तीन किमी. प्रति घंटा) बनी रहने से तापमान में धीरे-धीरे गिरावट हो रही है। शनिवार को मैदानी क्षेत्रों में रात का सबसे कम 10.5 डिग्री सेल्सियस तापमान मंडला में दर्ज हुआ, जबकि पहाड़ी क्षेत्र पचमढ़ी में न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं राजधानी भोपाल में पारा 12.6 डिग्री सेल्सियस पर रहा, जो इस मौसम का सबसे कम तापमान है। हालांकि रविवार को पाकिस्तान के आसपास बने पश्चिमी विक्षोभ के आगे बढ़ जाने की संभावना है। उसके बाद दिन और रात के तापमान में और गिरावट होने के आसार हैं।

कालाबाजारी करने वाले व्यापारी पर प्रकरण दर्ज, पुलिस के साए में बंटी खाद

भोपाल,देशबन्धु। मध्यप्रदेश में खाद की किल्लत और हंगामे के बीच भोपाल में जिले के बैरसिया में खाद की कालाबाजारी करने वाले दुकानदार के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। एक दिन पहले उसका गोदाम भी सील कर दिया गया था। इधर, शनिवार को एसडीएम और पुलिस की मौजूदगी में भोपाल के किसानों को खाद बांटा गया।

दरअसल अच्छी बारिश होने के बाद प्रदेश में किसान गेहूं, चने समेत अन्य रबी फसलों की बुआई कर रहे हैं। इस दौरान उन्हें डाई अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की जरूरत रहती है। इसलिए किसान सोसायटियों के अलावा निजी दुकानों से भी खाद खरीद रहे हैं, लेकिन उन्हें इसके बदले ज्यादा कीमत चुकाना पड़ रही है। भोपाल जिले के बैरसिया में ऐसा ही एक मामला शुक्रवार शाम को सामने आने पर एक खाद दुकानदार के बाद गोदाम सील कर दिया गया था। वहीं देर रात उक्त खाद विक्रेता दुकानदार पर प्रकरण दर्ज किया गया। बैरसिया थाने में नरसिंहगढ़ रोड स्थित गौर कृषि सेवा केंद्र के संचालक कमल सिंह गौर के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रक आदेश 1985 के प्रावधानों के तहत धारा 3, 4, 5 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धार 3, 7 के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

इधर, बैरसिया कृषि उपज मंडी में शनिवार को पुलिस की मौजूदगी में किसानों को डीएपी खाद वितरित किया गया। एसडीएम आशुतोषशर्मा ने बताया, व्यवस्था न बिगड़े और किसानों को परेशानी न हो, इसलिए उन्हें टोकन दिए गए हैं। करीब 200 किसानों को टोकन देकर खाद का वितरण कर रहे हैं। प्रत्येक किसान को 5 बोरी डीएपी खाद दे रहे हैं। दिव्यांग किसानों को अलग व्यवस्था कर खाद दी जा रही है। व्यवस्था के लिए पुलिस तैनात की गई है।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर परिचर्चा आयोजित

भोपाल,देशबन्धु। देश में प्रेस के सामने चुनौतियों का पहाड़ अवश्य है, लेकिन इसे फतह भी करना होगा। आज प्रेस की विश्वसनीयता भी खतरे में है और इसकी बाकायदा साजिश की जा रही है। विश्वसनीयता के लिए भी कहीं न कहीं हम जिम्मेदार हैं। क्योंकि जो प्रेस समाज और राजनीति का दिशा दर्शन करता था, आज इस भूमिका में नहीं दिखता। यह निष्कर्ष राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर आयोजित प्रेस के खतरों और चुनौतियों पर केंद्रित परिचर्चा में निकलकर सामने आया।

परिचर्चा की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार संजीव आचार्य ने कहा कि प्रेस को बदनाम करने की साजिश सबसे बड़ी चुनौती है। इसके लिए मीडिया के लोग भी जिम्मेदार हैं। हमें मिलकर इसका विरोध करना होगा। वरिष्ठ पत्रकार अजय बोकिल का कहना था कि आज मीडिया के लिए केवल सोशल मीडिया ही नहीं, एआई भी बड़ी चुनौती है। मूल लेखन खोता जा रहा है। पढ़ने की आदत खत्म होती जा रही है, ये अखबार के लिए ज्यादा घातक है। अखबार पढ़ने वाली ये अंतिम पीढ़ी कह सकते हैं। वरिष्ठ पत्रकार अलीम बज्मी का कहना था कि एआई पर ज्यादा निर्भरता उचित नहीं। ये रिपोर्टिंग में मदद नहीं कर सकती। हमें अपनी स्किल खुद विकसित करके प्रेस की रक्षा करनी होगी। वरिष्ठ पत्रकार सतीश सक्सेना ने पत्रकारों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। प्रेस और पत्रकारों पर लगातार हमले हो रहे हैं। पहले प्रेस सुरक्षा अधिकारी हुआ करता था, अब ऐसी व्यवस्था नहीं है। और भी कई मुद्दे हैं, जो हम उठाते आए हैं और फिर सरकार से चर्चा करेंगे। प्रेस क्लब के अध्यक्ष संजय सक्सेना ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम तमाम मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। इसके लिए मीडिया संगठन यदि एकजुट नहीं हुए तो संकट और गहराना तय है। परिचर्चा में वरिष्ठ पत्रकार अरुण पटेल, नासिर हुसैन, ओपी श्रीवास्तव, विजय शर्मा, ए यू खान, प्रकाश सक्सेना, हाकम सिंह गुर्जर, मो परवेज, अलंकृत दुबे, दीनानाथ पटेल, ज्योति प्रकाश खरे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विशेषज्ञों ने दी निमोनिया से बचने और पीड़ित होने पर उपचार की जानकारी

भोपाल,देशबन्धु। निमोनिया से होने वाली जटिलताओं और बाल मृत्यु दर को कम करने के लिए स्वास्थ्य विभाग भोपाल द्वारा चिरायु मेडिकल कॉलेज में उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। सोशल अवेयरनेस एक्शन टू न्यूट्रलाइज निमोनिया सक्सेसफुली सांस अभियान अंतर्गत आयोजित उन्मुखीकरण कार्यशाला में शामिल विभिन्न स्टेकहोल्डर्स को सांस अभियान की जानकारी दी गई।

उन्मुखीकरण कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक एवं मैदानी कार्यकर्ता, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गांधी मेडिकल कॉलेज, पीपुल्स मेडिकल कॉलेज, चिरायु मेडिकल कॉलेज, एल एन मेडिकल कॉलेज, आरकेडीएफ, महावीर मेडिकल कॉलेज के शिशु रोग विशेषज्ञ और चिकित्सक शामिल हुए। विशेषज्ञों ने चिकित्सकों और मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को विषय विशेषज्ञों द्वारा निमोनिया मेनेजमेंट और ट्रीटमेंट प्रोटोकॉल के संबंध में बताया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी ने कहा कि निमोनिया का सही समय पर उपचार नहीं होने से यह जानलेवा हो सकता है। निमोनिया का उपचार शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में निशुल्क उपलब्ध है। उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर तक जेंटामाइसिन एवं एमॉक्सिसिलिन उपलब्ध कराई है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रितेश रावत ने कहा कि निमोनिया में फेफड़ों में सूजन हो जाती है और बुखार, खांसी एवं सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। तेज सांस चलना या छाती का धंसना, निमोनिया के मुख्य चिन्ह है। बच्चों में निमोनिया से बचाव के लिए नियमित टीकाकरण कार्यक्रम अंतर्गत पीसीवी टीका नि- शुल्क लगाया जाता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के सर्विलेंस मेडिकल ऑफिसर डॉ. एसएम जोशी ने बताया कि अपूर्ण टीकाकरण और कुपोषण होने से भी निमोनिया हो सकता है। निमोनिया से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए टीकाकरण, छह माह तक सिर्फ स्तनपान और उसके बाद उचित पूरक आहार, विटामिन ए का सेवन, साबुन से हाथ धोना, घरेलू वायु प्रदूषण को कम करना आवश्यक है। निमोनिया में स्ट्रैप्टोकोकस बैक्टीरिया, हिमोफिलस इन्फ्लूएंजा बैक्टीरिया टाइप बी ,खसरा, रूबेला, टीबी जैसे कारक शामिल हो जाने से जटिलता और अधिक बढ़ जाती है । वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. शोभा खोत ने निमोनिया के आकलन, निमोनिया का वर्गीकरण, खतरनाक लक्षणों के चिन्हों की पहचान, समुदाय आधारित निमोनिया का प्रबंधन, उपचार एवं रेफरल के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गंभीर अवस्था में उच्च स्वास्थ्य संस्था में रेफर करने के पूर्व इंजेक्शन जेंटामाइसिन एवं एमॉक्सिसिलिन सीरप की खुराक दी जाए। डॉ. इकबाल अंसारी ने बताया कि बच्चों में सांस की गति का ठीक ढंग से आकलन करके निमोनिया को प्रारंभिक अवस्था में ही पहचाना जा सकता है। इसके लिए बच्चों की श्वास को एक मिनट तक निरंतर देखा जाता है। दो माह तक की उम्र के बच्चों की सांस लेने की दर एक मिनट में 60 या उससे अधिक होने पर, 2 माह से एक वर्ष तक की आयु में 50 या उससे अधिक एवं एक वर्ष से 5 वर्ष तक के बच्चों में प्रति मिनट 40 या उससे अधिक सांस की दर होने पर निमोनिया होने की संभावना रहती है।

5 वर्ष तक के 17.5 प्रतिशत बच्चों की मृत्यु निमोनिया से होती है

देश में 5 वर्ष तक की उम्र के बच्चों में 17.5 प्रतिशत मृत्यु निमोनिया के कारण होती है। वर्ष 2025 तक निमोनिया से होने वाली मृत्यु को 3 हजार प्रति जीवित जन्म से कम किया जाना है। निमोनिया की रोकथाम , बचाव, सावधानियों की जागरुकता के लिए 28 फरवरी तक सांस अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान में मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा 5 साल तक की उम्र के बच्चों का घर-घर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। साथ ही निमोनिया के प्रति फैली कुरीतियों एवं अंधविश्वास में कमी ले जाने के संबंध में जानकारी दी जा रही है।

नेत्र रोगों के लक्षणों एवं उपचार की जानकारी दी

भोपाल,देशबन्धु। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा नेत्र रोगों की पहचान, प्रारंभिक लक्षणों एवं उपचार के संबंध में स्वास्थ्य कर्मचारियों एवं अधिकारियों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें आंखों की बीमारियों के प्रारंभिक लक्षण, क्लिनिकल फीचर्स, प्रबंधन एवं रेफरल के बारे में विस्तार से समझाया गया। प्रशिक्षण में नेत्रदान की प्रक्रिया एवं उससे जुड़ी भ्रांतियां के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. मयंक गुप्ता ने आंखों की संरचना एवं देखभाल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्क्रीन टाइम के बढ़ने से बच्चों में निकट दृष्टि दोष (मायोपिया) जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। डिजिटल उपकरणों का उपयोग सीमित करके प्रत्येक 20 मिनट के बाद 20 सेकंड के लिए आंखों को आराम देने की आदत डाली जाए। 3 मीटर दूर एवं 35 सेंटीमीटर से कम की दूरी पर देखने में समस्या होने पर चिकित्सक की सलाह पर चश्मे का उपयोग किया जाना आवश्यक है। लोगों को इस बारे में जागरूक करना जरूरी है कि आंखों में परेशानी होने बिना चिकित्सक की सलाह के आई ड्रॉप का न किया जाए। डॉ. ऐश्वर्या रघुवंशी ने बताया कि समय समय पर आंखों की जांच करवाकर गंभीर नेत्र रोगों से बचाव किया जा सकता है। भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियां, गाजर, खट्टे फल और विटामिन ए, सी, और ई से भरपूर खाद्य पदार्थ नेत्र स्वास्थ्य के लिए जरूरी हैं। नियमित रूप से आंखों का व्यायाम, पर्याप्त नींद और आंखों को आराम देना भी जरूरी है। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि नेत्र रोगों के उपचार एवं देखभाल के लिए संचालित राष्ट्रीय अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत मोतियाबिंद के निःशुल्क ऑपरेशन, कॉर्निया प्रत्यारोपण, स्कूली बच्चों की निःशुल्क आंखों की जांच, निःशुल्क चश्मा वितरण किया जाता है। भोपाल जिले में मोबाइल वैन के माध्यम से समुदाय के बीच में जाकर आंखों की निशुल्क जांच की सुविधा दी जा रही है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत स्कूलों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में चिकित्सकीय दल द्वारा आंखों की जांच की जाती है। कार्यक्रम के तहत जन्मजात दृष्टिदोष जैसे मोतियाबिंद, भेंगापन का उपचार निःशुल्क किया जाता है।

रामायण से सीखे जा सकते है आदर्श प्रबंधन के सूत्रः सौरभ

भोपाल,देशबन्धु। भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने मासिक व्याख्यान श्रंखला के अंतर्गत रामायण के प्रबंधन सूत्र विषय पर प्रेरक वक्ता सौरभ शर्मा ने वेबिनार पर व्याख्यान दिया और रामायण के पत्रों के आधार पर आदर्श प्रबंधन के गुर बताए।

सौरभ शर्मा ने कहा कि समर्पण की भावना प्रबंधन का आधार है, जिसके लिए धैर्य होना भी जरूरी है। राम और लक्ष्मन का चरित्र हमे रामायण में देखने को मिलता है । हमे सहयोगी और मददगार होना चाहिए जो जटायू और केवट के चरित्र से जान सकते है । मित्रता और सहज संबंधों से काम सफल होते है, जो सुग्रीव और राम की मित्रता से सीखा जा सकता है। स्थिति का आंकलन कर निर्णय लेने की क्षमता हनुमान के चरित्र से सीख सकते है। निष्ठा का भाव कुंभकर्ण में था, वह जानता था की रावण गलत है, परंतु वह राम से युद्ध कर अपनी निष्ठा पर अडिग रहा। रामायण में रावण के चरित्र से सबक लेना चाहिए की सत्ता का दुरुपयोग ना करे, शक्ति का घमंड ना करे। उसका अंत नाश ही होता है । इस वेबिनार में ओरिएंटल कॉलेज के प्रबंधन के छात्रों के प्रश्नों का उत्तर भी सौरभ शर्मा ने दिया। वेबिनार के प्रारंभ में एसोसिएशन अध्यक्ष सुनील भार्गव ने सौरभ शर्मा और सदस्यों का स्वागत किया और निरंतर वाख्यानमाला चलते रहने पर सभी को धन्यवाद दिया। आभार प्रदर्शन डॉ निष्ठा त्यागी पचौरी ने किया।

भोजपाल महोत्सव मेले का आगाज

भोपाल,देशबन्धु। भेल दशहरा मैदान पर सुंदरकांड पाठ के साथ रंग-बिरंगे गुब्बारे छोड़कर भोजपाल महोत्सव मेले का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद आलोक शर्मा और विशिष्ट अतिथि मंत्री कृष्णा गौर, महापौर मालती राय के साथ मेला संयोजक विकास विरानी सहित सैकड़ों की संख्या में शहर के नागरिक मौजूद रहे। इस मौके पर सांसद आलोक शर्मा ने फीता काटकर द ग्रेट जैमिनी सर्कस का शुभारंभ किया। मेला अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि मेले में बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं के लिए विभिन्न प्रकार के मनोरंजक और सांस्कृतिक आयोजन किए जाएंगे। मेले में आने वाले आगंतुकों को इस बार बहुत कुछ नया देखने को मिलेगा। मेले में विभिन्न प्रकार की 400 से ज्यादा दुकानें लगाई गई हैं। मेले में रोजाना विभिन्न प्रदेशों के लोक कलाकारों द्वारा नृत्य-गान के साथ ही सूफी नाइट, भोजपुरी सांग्स, बॉलीबुड कलाकार सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक 20 नवंबर को

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नर्मदापुरम संभागायुक्त श्री के जी तिवारी की अध्यक्षता में 20 नवंबर बुधवार को विभिन्न विभागों की संभागीय समीक्षा बैठक दो सत्रों में आयोजित की जाएगी। प्रथम सत्र प्रात: 10 बजे से आयोजित किया जाएगा जिसमें जल संसाधन/तवा परियोजना, लोक निर्माण विभाग, लोक निर्माण विभाग पीआईयू, सेतु विकास, तथा आरईएस की समीक्षा की जाएगी तथा द्वितीय सत्र दोपहर 2:00 बजे से आयोजित किया जाएगा। जिसमें मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, मध्य प्रदेश सड़क विकास प्राधिकरण, मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड गृह निर्माण मंडल, ऊर्जा विभाग तथा अक्षय ऊर्जा इत्यादि विभागों की समीक्षा की जाएगी। सर्व संबंधित अधिकारियों को नियत दिनांक तथा समय पर बैठक में उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया गया है।

गूगल मीट 19 नवंबर को

नर्मदापुरम, देशबन्धु। संभागायुक्त नर्मदापुरम संभाग श्री के जी तिवारी की अध्यक्षता में प्रत्येक सोमवार को प्रात: 9.30 बजे कलेक्टर्स के साथ आयोजित होने वाली गूगल मीट 18 नवंबर सोमवार के स्थान पर 19 नवंबर मंगलवार को प्रात: 9.30 बजे से आयोजित की जावेगी।

68वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ 17 को

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जिला प्रशासन एवं संयुक्त संचालक लोक शिक्षण विभाग नर्मदापुरम संभाग के तत्वाधान में आयोजित 68वीं राष्ट्रीय शालेय बेडमिंटन एवं शतरंज क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ 17 नवंबर को दोपहर 3 बजे से पं. रामलाल शर्मा सी. से. स्कूल बुधावाड़ा नर्मदापुरम में सांसद दर्शन सिंह चौधरी, श्रीमती माया नारोलिया संसद सदस्य (राज्यसभा) के मुख्य आतिथ्य तथा डॉ. सीतासरन शर्मा विधायक नर्मदापुरम, विजयपाल विधायक सोहागपुर,ठाकुरदास नागवंशी विधायक पिपरिया, प्रेमशंकर वर्मा विधायक सिवनी मालवा, श्रीमती राधा पटेल अध्यक्ष जिला पंचायत नर्मदापुरम, श्रीमती नीतू यादव अध्यक्ष नगर पालिका नर्मदापुरम, भूपेंद्र चौकसे अध्यक्ष जनपद पंचायत नर्मदापुरम के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम में विशिष्ट खेल गौरव अतिथि विवेक सागर ओलंपिक हॉकी पदक विजेता भी उपस्थित रहेंगे। आयोजन समिति की अध्यक्षता कलेक्टर नर्मदापुरम द्वारा की जाएगी तथा संयुक्त संचालक लोक शिक्षण विभाग आयोजन समिति के सचिव रहेंगे। मुख्य उद्घाटन समारोह कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत किया जाएगा तत्पश्चात प्रतियोगिताओं में उपस्थित खिलाड़ियों द्वारा मार्च पास्ट किया जाएगा। इसी के साथ मुख्य अतिथियों तथा विशिष्ट अतिथियों द्वारा उद्बोधन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य अतिथि द्वारा कार्यक्रम के उद्घाटन की घोषणा के साथ ही ध्वजारोहण, आतिशबाजी एवं प्रतिभागियों द्वारा शपथ ग्रहण की जाएगी।

मदिरा के अवैध विक्रय व संग्रहण के 20 प्रकरण दर्ज

हरदा , देशबन्धु। कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देश पर आबकारी विभाग के दल ने गुरूवार व शुक्रवार को मदिरा के अवैध निर्माण, संग्रहण व विक्रय के विरूद्ध कार्यवाही की। जिला आबकारी अधिकारी रीतेश कुमार लाल ने बताया कि आबकारी विभाग के दल ने जिले के ग्राम नकवाड़ा, सिरकम्बा, मोहनपुर, रहटगांव, शिवा ढाबा रहटगांव, आलमपुर, कमताड़ा, नीमगांव, गाडरापुर दमामी, टंकी मोहल्ला, खेड़ीपुरा, पीलियाखाल, ग्राम उड़ा, आमासेल, रेहटाकला, कुकड़ापानी, खुदिया व सुल्तानपुर में दबिश दी। दबिश के दौरान कुल 33 पाव देशी शराब, 51 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब व 890 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त कर आबकारी अधिनियम के तहत 20 प्रकरण दर्ज किये। जप्त मुद्देमाल का अनुमानित बाजार मूल्य 101510 रूपये है।

टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता आज से

इटारसी, देशबन्धु। किंग्स इलेवन पंजाब क्लब इटारसी के तत्वावधान में श्री गुरुनानक कप क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 17 दिसंबर, रविवार से होगा। किंग्स इलेवन पंजाब (इटारसी) द्वारा आयोजित टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ कल सुबह 10 बजे से मिनी गांधी स्टेडियम इटारसी में होगा। क्लब के पदाधिकारियों ने खेल प्रेमियों से अनुरोध किया है कि आयोजन में शामिल होकर क्रिकेट का आनंद उठाएं।

आज यहां होगा मेंटेनेंस, नहीं मिलेगी बिजली

इटारसी, देशबन्धु। कल 17 नवंबर दिन रविवार को ट्रैक्टर स्कीम उपकेंद्र से संचालित 11 केवी पुरानी इटारसी फीडर की विद्युत सप्लाई सुबह 11 से 11:30 तक 30 मिनट तक जंपर वर्क के कारण बंद रहेंगे। इस दौरान सनखेड़ा नाका, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, पिंक सिटी, प्रधान मोहल्ला पटेल मोहल्ला पुरानी इटारसी, कावड़ मोहल्ला, प्रजापति मोहल्ला, दक्षिण बंगलिया, श्री राम नगर कालोनी में विद्युत प्रवाह प्रभावित रहेगा। बिजली कंपनी के अनुसार कार्य के दौरान समय को घटाया बढ़ाया भी जा सकता है।

खेत में लगी आग से लाखों रुपए की गन्ने की फसल जलकर राख

चिचोली, देशबन्धु। चिचोली शहरी क्षेत्र से सटे एक किसान के गन्ने के खेत में आग लग गई, जिससे तीन एकड़ की गन्ने की फसल जलकर राख हो गई। घटना शनिवार शाम 4 बजे की है, जब चिचोली निवासी किसान वीरेंद्र आर्य के गन्ने के खेत में आग लग गई। देखते ही देखते आग में विकराल रूप धारण कर लिया और आग तेजी से फैलने लगी।

जिला स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन

विरोधी विचारों को भी संयम से सुनना चाहिए : सिकरवार

हरदा, देशबन्धु। राज्य आनंद संस्था के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र छात्राओं के बीच जिला स्तरीय संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में सर्वप्रथम कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अरुण कुमार सिकरवार, जिला संपर्क अधिकारी मुकेश शर्मा, मास्टर ट्रेनर सतीश शुक्ला, गजानंद मालवीय, प्रीत पटेल और सलमा खान ने सरस्वती पूजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य श्री सिकरवार ने अपने संबोधन में कहा कि आज अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस है और हम सभी को न केवल दूसरों के विचारों का सम्मान करना चाहिए, बल्कि विरोधी विचारों को भी ध्यानपूर्वक, उदारतापूर्ण और संयम से सुनना चाहिए तभी हम एक सामासिक संस्कृति के संरक्षक और संवहक बन सकेंगे। उन्होंने कहा आज समाज में आपसी तनाव लगातार बढ़ रहा है, लोग अपने संवेगों पर नियंत्रण नहीं रख पा रहे हैं, जिसे आनंदम संस्थान नियंत्रित करने के लिए प्रशिक्षण उपलब्ध कराता है और मनुष्य को आनंदित जीवन जीने की कला से भी रू-ब-रू कराता है। मुकेश शर्मा ने भी अपने उद्बोधन में कहा कि आनंदम आज के युवाओं के लिए बेहद जरूरी प्रशिक्षण उपलब्ध करा रहा है, जिससे सभी विद्यार्थियों को जुड़ना चाहिए। प्रशासकीय अधिकारी वीके विछोतिया ने आह्वान किया कि विरोधी विचारों को भी धैर्यपूर्वक सुनने की आदत डालनी चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ सीपी गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब तक हम दूसरों के विचारों को सुनेंगे नहीं तब तक हम अपने ज्ञान, विज्ञान और विचारों में समृद्ध नहीं हो सकेंगे, समाज में वाद संवाद और प्रतिवाद ही विचारों को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। जैसे कि एक गेहूं का दाना हवा मिट्टी पानी से दुश्मनी नहीं करता बल्कि उसके साथ वाद संवाद और प्रतिवाद करके एक दाने से 10 दाने और दस से सौ वृद्धि करते हुए सतत बढ़ता जाता है इसी प्रकार हमें विरोधी विचारों का भी सम्मान करना चाहिए, तभी समाज से हम बैमनुष्यता को दूर कर सकेंगे। उन्होंने कहा अक्सर देखा जाता है कि जब व्यक्ति के पास ज्ञान और तर्क नहीं होता तभी वह दूसरों से लड़ने के लिए तैयार हो जाता है। अन्य वक्ताओं में डॉ जे के कमलपुरिया, आनंदम के जिला प्रशिक्षक सतीश शुक्ला, गजानंद मालवीय, नीता पटेल, सलमा खान और अनेक विद्यार्थियों ने भी संगोष्ठी में अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का सफल संचालन बसंत सिंह राजपूत ने किया।

गन्ने और पटाखे के कवर का कचरा जलाकर कर दिया प्रदूषण

मुख्य नपा अधिकारी ने कहा- नोटिस जारी करके एक दिन का वेतन काटेंगे

इटारसी, देशबन्धु। विभाग के अधिकारियों की अनदेखी के चलते स्वच्छता विभाग के कर्मचारी अपनी मनमानी पर उतारू हैं। प्रदूषण वैसे भी इस ठंड में बड़ी समस्या है, देश की राजधानी दिल्ली तक इससे अछूती नहीं है, ऐसे में नगर पालिका के स्वच्छता कर्मचारी मेहनत से बचने कचरे में आग लगाने से बाज नहीं आ रहे हैं। दीवाली और एकादशी का बाजार नगर पालिका और राजस्व प्रशासन ने लाल ग्राउंड में लगवाया था। अधिकारियों ने बाजार लगा दिया, इसके बाद पलटकर नहीं देखा कि मैदान की सफाई कैसे हो रही है। नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों ने मैदान का कचरा मैदान में ही कई जगह कचरे के ढेर लगाकर आग लगा दी। कचरे से उठे धुएं ने आसपास रहने वालों की मुश्किल कर दी। सुबह-सुबह जब मानव को स्वच्छ वायु की जरूरत होती है, बैंक कालोनी और आसपास के लोगों को प्रदूषित वायु में सांस लेना पड़ा। खास बात यह है कि कर्मचारियों के इस काम पर किसी अधिकारी का कोई खौफ नहीं है, वे मनमानी करते रहते हैं, इससे पहले भी इस तरह की कई घटनाएं हुई हैं, लेकिन जिम्मेदार हमेशा चेतावनी जारी करके औपचारिकताएं पूरी करते हैं। पूर्व में यहां कार्यरत स्वच्छता निरीक्षक आरके तिवारी को तो लोगों ने फील्ड में लगभग रोज ही देखा है, वर्तमान में इस विभाग का प्रभारी कौन है, कब आता-जाता है, किसी को पता नहीं। इस विभाग का प्रभारी अधिकारी केवल कुर्सी पर बैठकर अपनी ड्यूटी निभा रहा है, मैदानी अमला क्या कर रहा है, उनको यह देखने की कोई जरूरत नहीं महसूस हो रही है।

इनका कहना है...

इस मामले में वार्ड के मुकद्दम को नोटिस जारी किया जाएगा। स्वच्छता विभाग के अधिकारियों को भी निर्देश देंगे कि वह फील्ड में जाकर देखें। ऐसे लापरवाह कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने की कार्रवाई की जाएगी।

-ऋतु मेहरा, सीएमओ

3 तस्करों से सवा दो लाख रुपए का गांजा जब्त

इटारसी, देशबन्धु। सिटी पुलिस ने अलग-अलग छापेमारी करके तीन तस्करों से 11 किलो अवैध गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत 2 लाख 20 हजार रुपए बतायी जा रही है। अवैध मादक पदार्थ पर अंकुश लगाने हेतु पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्र व अनविभागीय अधिकारी (पुलिस) इटारसी महेन्द्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी इटारसी गौरव सिंह बुंदेला के नेतृत्व में तीन टीम गठित कर अवैध मादक पदार्थ गांजा की धरपकड़ हेतु विशेष अभियान चलाया गया। तीनों टीम को उनके विश्वस्त मुखबिर से प्राप्त सूचना पर कार्यवाही करते हुए तीन अलग अलग टीम द्वारा इटारसी शहर के तीन अलग अलग स्थानों पर दबिश देकर 3 आरोपियों से कुल 11 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती करीब 2 लाख 20 हजार रुपए का जब्त करने व आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। उल्लेखनीय है कि थाना इटारसी क्षेत्र में लगातार अवैध मादक पदार्थ गांजा के विक्रय की सूचना प्राप्त हो रही थी, जिसपर पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस इटारसी द्वारा थाना प्रभारी इटारसी को तत्परता से कार्यवाही करने निर्देशित किया था। थाना प्रभारी इटारसी द्वारा थाना स्टाफ की तीन अलग अलग टीम बनाई गई। तीनों टीम द्वारा सघन अभियान चलाकर इटारसी शहर के नाला मोहल्ला निवासी भूपेंद्र उर्फ लालू आसरे के कब्जे से 6.520 किलोग्राम गांजा, अर्जुन पिता शंकर कुचबंदिया के कब्जे से 4.155 किलो ग्राम, तथा ईरानी डेरा निवासी हसीना बी नामक महिला के कब्जे से 470 ग्राम अविध गांजा जब्त किया है। कार्रवाई में निरीक्षक गौरव सिंह बुंदेला, उपनिरीक्षक अरविन्द बेले, श्रद्धा राजपूत, सहायक उपनिरीक्षक संजय रघुवंशी, रीना खरे, प्रधान आरक्षक पुष्पेन्द्र भदोरिया, अबरार खान, हेमंत तिवारी, भागवेंद्र सिंह, भूपेश मिश्रा, अशोक चौहान, प्रदीप चौधरी, बबीता परते, नर्मदा प्रसाद, आरक्षक हरीश डिगरसे, राजेश पवार, अविनाश हारोड़े की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नर्मदा अपना अस्पताल ने लगाया बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर

इटारसी, देशबन्धु। नर्मदा अपना अस्पताल, नर्मदा जीवन दायिनी एवं बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन बाइक ऑफ इंडिया शाखा इटारसी में किया गया। इस शिविर में खाता धारक व बैंक स्टाफ का नि:शुल्क बीपी, शुगर व परामर्श दिया। शिविर में लगभग 80 मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। इस शिविर में नर्मदा अपना अस्पताल से डॉ, सत्येन्द्र परमार, अनिल गौर, इरशाद खान, अंकिता जोठे, गोविन्द, व बैंक प्रबंधक मीनाक्षी बिजनोरिया, सुमित, प्रदीप तिवारी, अनिल गोमकले उपस्थिति थे। ऐसे स्वास्थ्य शिविर लगाने के लिए बैंक प्रबंधक ने नर्मदा अपना अस्पताल का आभार व्यक्त किया।

जय और ऋचा ने शहर को गौरवान्वित किया

इटारसी, देशबन्धु। यूनिवर्सिटी इंटर कॉलेज पॉवरलिफ्टिंग प्रतियोगिता, शासकीय महाविद्यालय भोपाल में हुई। प्रतियोगिता में इटारसी के जय जुनानिया ने पुरुष वर्ग में 66 केजी वेट ग्रुप में 435 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक हासिल किया। महिला वर्ग 63 किलो वेट ग्रुप में ऋचा मेहरा ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर शहर एवं नर्मदांचल को गौरान्वित किया। उनकी इस उपलब्धि पर समस्त जिम संचालकों एवं कॉलेज के गुरुजनों व शहर के सभी खेल प्रेमियों ने बधाईयां प्रेषित की। उक्त प्रतियोगिता की जानकारी, जगदीश जुनानिया (सचिव जिला पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन) ने दी। बरकतुल्लाह यूनिवर्सिटी में आने वाले संभाग के सभी कॉलेज से कुल 150 पुरुष खिलाड़ी एवं 35 से 40 महिला खिलाड़ियों ने सहभागिता की।

वीर सावरकर स्टेडियम निर्माण की गति तेज करने के निर्देश

इटारसी, देशबन्धु। नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने आज पुरानी इटारसी में बन रहे वीर सावरकर स्टेडियम निर्माण की गति को तेज करने के निर्देश निरीक्षण के दौरान दिए। वे यहां दोपहर में निरीक्षण के लिए पहुंचे थे, अभी यहां पर स्टेडियम की बैठक व्यवस्था का निर्माण कार्य चल रहा है। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री आदित्य पांडे, कॉन्टैक्टर दीपू अग्रवाल सहित अन्य मौजूद थे। इसी तरह सुबह वार्ड 25 और 26 का सघन निरीक्षण नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने किया। निरीक्षण के दौरान वार्ड के पार्षद शुभम गौर और कुंदन गौर मौजूद थे। यहां सफाई व्यवस्था के अलावा वार्ड क्रमांक 25 में पानी की समस्या उत्पन्न थी। जिसे ठीक करने के निर्देश नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने दिए हैं। यहां एक टेबल खराब हो गया है। और एक से गंदा पानी आ रहा है। अभी अन्य ट्यूबवेल से पाइपलाइन के जरिए समस्या ग्रस्त एरिया में पानी दिया जाएगा।

साधु बाबा समाधि स्थल मेला पर उमडा आस्था का जनसैलाब

चिचोली, देशबन्धु। कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष की बैकुंठ चौदस को संत चिध्या साधु बाबा समाधि स्थल दो दीवसीय मेले का आयोजन हुआ। मेले भक्ति व आस्था का जन सैलाब उमङपडा। जिले ही नहीं बल्कि अन्य राज्यों से भी श्रद्धालु यहां बाबा की समाधि स्थल पर पूजा

अर्चना करने पहुंचे। संत साधु बाबा ने 1912 मे जीवित समाधि ली थी । कालांतर से चमत्कारी गुणो के कारण साधु बाबा के नाम से विख्यात हुए । तभी से ही यहां पर बैकुंठ चौदस को दो दिन का मेला का आयोजन होता है । बैकुंठ चौदस को गुरु सहाब बाबा के महंत चंद्र सिंह की उपस्थिति में मेले का शुभारंभ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने निशान धर्म ध्वजा चढाकर आरती पूजा अर्चना की। इसके बाद भंडारे प्रसादी का आयोजन हुआ। यहाँ हजारों की संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। किशन महाराज, हरि महाराज बली महाराज ने बताया कि बैकुंठ चौदस पर मेले में 10,000 से अधिक श्रद्धालु समाधि स्थल पर पूजा अर्चना करने पहुंचे।

शासकीय एमजीएम कॉलेज इटारसी में अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस मनाया

इटारसी, देशबन्धु। शासकीय महात्मा गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय इटारसी में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस के अवसर पर मानव श्रृंखला बनाकर सहिष्णुता का संदेश प्रेषित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ राकेश मेहता ने कहा कि आज हम जिस दौर से गुजर रहे हैं, हमें सहिष्णुता की आवश्यकता दिन पर दिन महसूस की जा रही है। भारतीय सांस्कृतिक मान्य मूल्य में सहिष्णुता को भारतीय संस्कृति का आधार माना गया है। क्योंकि भारत में कई सारी जातियां और धर्म के मानने वाले लोग रहते हैं, उनमें आपसी भाईचारा, मैत्री भाव, बना रहे मिलजुल कर देश हित में काम करें इसी सोच के साथ सहिष्णुता का भाव निहित है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों में डॉ अरविंद शर्मा, डॉ ओपी शर्मा, डॉ कुजूर, डॉ संतोष कुमार अहिरवार ,डॉ मनीष कुमार चौरे, संजीव कैथवास, डॉ सौरभ, कार्तिकेय पटेल आदि प्राध्यापक एवं एनसीसी एवं एन एस एस के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

तवा के विस्थापित ग्रामों में हुआ खाद का वितरण

नर्मदापुरम, देशबन्धु। विस्थापित ग्राम नया चूरना एवं रोरी घाट में पैक्स संस्था बागरा तवा द्वारा शनिवार को डबल लॉक से 90 बोरी यूरिया का उठाव कर विस्थापित ग्राम के 25 ग्रामीणों को उपायुक्त सहकारिता जिला नर्मदापुरम द्वारा का खाद का वितरण कराया गया। उपायुक्त सहकारिता श्री शिवम मिश्रा द्वारा बताया गया कि विस्थापित ग्राम नया चूरना एवं रोरी घाट में 40 बोरी तथा नया माना एवं झालनी में 50 बोरी यूरिया वितरण कराया गया। उपायुक्त सहकारिता द्वारा सायं 6 बजे स्वयं खाद वितरण व्यवस्था का अवलोकन किया गया। खाद वितरण व्यवस्था विधिवत संचालित हो रही थी। सभी उपस्थित ग्रामीणों द्वारा विधायक श्री विजयपाल सिंह एवं कलेक्टर सोनिया मीना का आभार व्यक्त किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम में प्रथम बार ऐसी खाद वितरण व्यवस्था की गई है। पूर्व में 15-20 किमी दूर से एक-एक बोरी खाद लाना पड़ता था उक्त व्यवस्था के चलते ग्रामीणों को सुविधा उपलब्ध हुई है। ग्रामीणों द्वारा खाद वितरण की इस व्यवस्था के लिए प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

लायंस क्लब ने निशुल्क डायबिटीज जांच शिविर लगाया

इटारसी, देशबन्धु। लायंस क्लब इटासी ने डायबिटीज अवेयरनेस के अंतर्गत श्री हनुमानधाम मंदिर में डायबिटीज जांच शिविर का आयोजन किया। क्लब अध्यक्ष लायन श्रद्धा अग्रवाल ने बताया कि क्लब द्वारा लायंस इंटरनेशनल की ग्लोबल गतिविधि डायबिटीज अवेयरनेस के अंतर्गत डिस्ट्रिक्ट 3233 जी 2 के गवर्नर पीएमजेएफ लायन मनीष शाह के निर्देशानुसार विश्व डायबिटीज दिवस के अवसर पर क्लब द्वारा डायबिटीज जांच शिविर का आयोजन श्री हनुमान धाम मंदिर में किया।

डायबिटीज जांच शिविर के आरंभ होने से पूर्व से ही कतार बद्ध होकर व्यक्ति अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, फिर डायबिटीज जांच का कार्य आरंभ हुआ जिसमें डॉ लायन विजयंत बड़कुल और डॉ लायन संजय गुप्ता द्वारा 84 व्यक्तियों का जांच की, जिसमें 21 व्यक्तियों की डायबिटीज सामान्य से अधिक होने पर उन्हें सलाह दी गई। योग इंस्ट्रक्टर लायन श्रद्धा अग्रवाल ने बताया कि खानपान में कोल्ड्रिंक्स, चीनी, आइसक्रीम, टॉफी जंक फूड या ऑयली फूड से भी शुगर लेवल के बढ़ने का काफी खतरा रहता है। ऐसे में डायबिटिक पेशेंट्स को इन सभी चीजों से परहेज करना चाहिए तथाअपने भोजन में मिलेट का प्रयोग करना चाहिए जिन लोगों को डायबिटीज होती है, उन्हें डाइट का ख्याल रखने के साथ-साथ रोजाना योग और एक्सरसाइज करना भी जरूरी होता है। कार्यक्रम में मंदिर के प्रबंधक पंडित नरेंद्र तिवारी और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मंजुला तिवारी और समिति सदस्यों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। शिविर में डॉ विजयंत बड़कुल डॉ संजय गुप्ता क्लब सचिव लायन शिल्पी सराठे, पूर्व कोषाध्यक्ष लायन संजय अग्रवाल, लायन काजल साहू ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अध्यक्ष लायन श्रद्धा अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कार्यालय रिटर्निंग अधिकारी

संध्या भारती प्राथमिक उपभोक्ता भण्डार सह. मर्या. इटारसी

वार्ड नं. 22, नाला मोहल्ला, इटारसी

(पंजीयन क्र. 2440, दिनांक 06.10.1994)

आमसभा एवं निर्वाचन कार्यक्रम सूचना

क्रमांक/निर्वा./20/24/ इटारसी, दिनांक 14.11.2024

संध्या भारती प्राथमिक उपभोक्ता भण्डार सह. मर्या. इटारसी, वार्ड क्रमांक-22, नाला मोहल्ला इटारसी के संचालक मण्डल के निर्वाचन हेतु नामांकन पत्र दिनांक 21.11.2024 को समय 01 बजे से 03 बजे तक संस्था कार्यालय इटारसी पर प्राप्त किए जावेगे । तथा संस्था का विशेष साधारण सम्मेलन दिनांक 28.11.2024 को समय 01 बजे से सम्पन्न होगा । जिसकी सूचना समस्त सदस्यों को डाक द्वारा प्रेषित कर दी गई है यदि किसी सदस्यों को सूचना प्राप्त नहीं हुई हो, तो वह सूचना मान्य की जावे ।

प्रमोद राय
रिटर्निंग अधिकारी
उपभोक्ता भंडार मर्या. इटारसी

साहित्य

पाकिस्तानी कहानी

ज़र्द पत्तों का बन

■ आबिदा रहमान

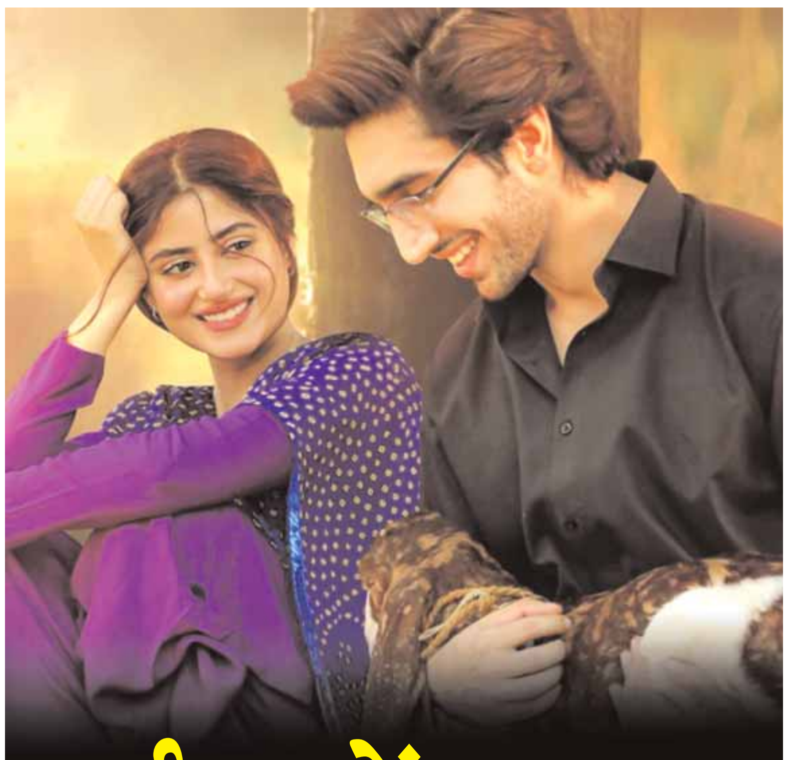

एक तंग-ओ-तारीक गली के एक कोठरीनुमा घर में कि जहाँ सालों से कभी धूप नहीं पड़ी थी, मासूम सिद्दीक़ा की लाश मिली थी। सिद्दीक़ा जिसे ज़्यादती के बाद-ए-क़त्ल कर दिया गया था और टीवी, रेडियो पर हमेशा की तरह बड़े ज़ोर-ओ-शोर से ख़बर जारी थी। अख़बार में तसवीर के साथ शहा सुर्ख़ी दी गई थी कि गवर्नर और वज़ीर-ए-आला ने सिद्दीक़ा के क़तल की शदीद मुज़म्मत करते हुए कहा है कि क़ातिलों को जल्द ही गिरफ़्तार कर के सज़ा दी जाएगी।

सर ताहिर की क्लास में बच्चों के साथ ज़्यादती और क़तल पर बात हो रही थी। बकवास है सब सर, कोई क़ातिल नहीं पकड़ा जाएगा कोई सज़ा नहीं दी जाएगी। हमेशा ऐसा ही होता है। असावर ने ग़ुस्से से कहा।

बात सिद्दीक़ा के क़तल की हो रही थी कि ना जाने कैसे हलाल-ओ-हराम की जानिब मुड़ गई। बहस काफ़ी संजीदा थी लेकिन हराम नसल पर बात करते हुए एक शरारती ग्रुप ने जो हँसना शुरू कर दिया तो वहाज ने एकदम से क्लास छोड़ दी और क्लास में एक अजीब सी ख़ामोशी छा गई।

वहाज, सनोबर के दरख़्तों में दूर तक चलता चला गया। सोचों में गुम्मा से असावर और जमशेद की आवाज़ें भी ना आएँ जो उसे बुलाते हुए चले आ रहे थे। जमशेद ने आगे बढ़कर उसे रोका। वो ख़ाली ख़ाली नज़रों से उसे देखने लगा। ख़ामोशी से वो तीनों ज़र्द ख़ुश्क पत्तों से भरे लॉन की जानिब बढ़कर बैंच पर बैठ गए।

क्या हो जाता है तुम्हें? जमशेद ने पूछा।

पता नहीं। वहाज ने दूसरी तरफ़ देखते हुए कहा।

कुछ देर ख़ामोशी रही और फिर वहाज इन दोनों को वहीं छोड़कर हॉस्टल की तरफ़ चल पड़ा।

अपने कमरे की बड़ी सी खिड़की से वहाज लम्हे लम्हे में दरख़्तों से ज़र्द पत्तों को गिरते हुए देखता रहा। एकदम से उसके चारों तरफ़ ख़िज़ाँ छा गई। नमी उसकी आँखों में तैरने लगी। उसने एकदम से पर्दे खींच लिए और बैड पर लेट कर तकिया आँखों पर रख लिया।

वहाज यूँ ही कैंटीन की तरफ़ मुड़ने लगा कि सर ताहिर की आवाज़ आई। वो रुक गया।

मेरा भी चाय का मूड था। चलो अच्छा हुआ तुम मिल गए, कुछ गपशप ही हो जाएगी। सर ताहिर ने कहा।

काउंटर पर चाय का कहते हुए कोने वाली मेज़ पर खिड़की के पास दोनों बैठ गए।

उधर उधर की बातें करते हुए सर ने कहा, मेरी हमेशा से आदत है वहाज कि मेरे स्टूडेंट्स मेरे दोस्त होते हैं और मैं उनसे दुनिया जहाँ की बातें करता हूँ।

जवाब में वहाज बड़ी मुश्किल से मुस्कुराते हुए खिड़की से बाहर देखने लगा, जहाँ ख़िज़ाँ की बारिश छमछम बरसने लगी।

सर बारिश से दरख़्त, पौधे, इमारतें सब कुछ धुल जाता है... साफ़ हो जाता है... कोई दाग़, कोई धब्बा... बाक़ी नहीं रहता? क्या वाक़ई ये सारे दाग़ धो देती है सर...? उसकी नज़रें सर ताहिर के चेहरे का अहाता किए हुए थीं।

कल क्लास क्यों छोड़ दी थी? सर ताहिर ने चाय का कप उठाते हुए पूछा जो कुछ ही देर पहले बैरा रखकर गया था।

वहाज काफ़ी देर चुप-चाप दरख़्तों पर लरज़ते ज़र्द पत्तों को तकता रहा, फिर सोचों में गुम बोला, सर, ज़र्द पत्तों की मंज़िल बस ख़ाक होती है? पाँव में रौंद दिया जाना...?

ख़ाक से तो नई ज़िंदगी फूटती है वहाज।

मैं सात साल का था सर। दूसरे बच्चों के साथ खेल रहा था, खेल खेल में हमारी लड़ाई हो गई। दिलबर ने मुझे चीख़ते हुए कहा था, तुम हरामी हो, तुम्हें अब्दुल चाचा ने कचरे के ढेर से उठाया था। मैं ये लफ़्ज़ सुनकर हैरान हुआ था। मुझे उसके मानी मालूम नहीं थे। दिलबर की बात सुनकर सारे बच्चे ज़ोर ज़ोर से क़हक़हे लगाने लगे।

लेकिन फिर ये अक्सर होने लगा कि जब हमारी लड़ाई होती तो मुझे हरामी कहा जाता। मैं नहीं जानता था कि हरामी किसे कहते हैं लेकिन इन लड़कों की नज़रों की नागवारियत और तम्सख़ुर मुझे एहसास दिलाता था कि मैं वो नहीं कि जो वो हैं... आख़िर में क्या हूँ जो वो नहीं हैं...?

किसी अनजानी सी तकलीफ़ ने मेरे अंदर घर कर लिया था सर।

वहाज चुप हो गया। सर ताहिर की नज़रें वहाज के उदास चेहरे पर थीं। कुछ देर ख़ामोशी रही और वहाज दुबारा बोलने लगा, मैंने एक दिन बाबा से पूछ लिया, बाबा हरामी किसको कहते हैं? बाबा तो हैरत के मारे कुछ बोल ही ना सके। बस मुझे देखते रहे। मेरे दुबारा पूछने पर कहने लगे हरामी कुछ नहीं होता बेटा, और जो कुछ नहीं होता इस पर नहीं सोचा करते, बाबा ने वापिस अपना काम शुरू कर दिया।

तो मैं कुछ नहीं हूँ, मेरे दिल में ख़्याल आया।

बार-बार मुझे हरामी कहा जाने लगा तो मैंने बाबा को तंग करना शुरू कर दिया मुझे बताओ बाबा, मैं हरामी कैसे हूँ? क्या वाक़ई तुमने मुझे कचरे से उठाया था? बाबा को मुझे बताना पड़ा कि हाँ मुझे उसने रात के अँधेरे में कचरे से उठाया था जहाँ क़रीब ही कुत्ते भोंक रहे थे।

वहाज ख़ामोश हो गया। एक गहरी ख़ामोशी छा गई। बारिश की आवाज़ अंदर तक आ रही थी... चाय ठंडी यख़ हो चुकी थी... वहाज की आँखों में नमी तैरने लगी... उसने एक ठंडी साँस ली...!

इतने बरस बीत गए सर लेकिन मुझे उसके बाद से अपना आप ग़लाज़त का ढेर लगता है... इक नागवारियत सी मेरी नथनों में घुस रही है... मेरे दिमाग़ को जलाए दे रही है... दूर तक एक गाढ़ा अँधेरा... जहाँ हाथ को हाथ सुझाई ना दे... इक तवील ख़ामोशी... इक सुकूत... ऐसा कि अपने दिल की धड़कन गूँज बन कर सुनाई देती है...।

वहाज ने सर झुका लिया। बाहर से बारिश की हल्की हल्की आवाज़ आती रही। सर ताहिर उसे गहरी नज़रों से देखते रहे।

मैं बड़ा होता गया, ग़लाज़त मेरे साथ बड़ी होती गई... इतनी बड़ी सर कि ...मैं अपनी ग़लाज़त में छिप गया... हरामी था... हरामी ही रहा...! वहाज ने पलकें उठाते हुए कहा।

वहाज! हरामी तो समाज की वो बंधनें हैं जिससे हराम सोचें निकलती हैं जो गुनाह की राह हैं... जिससे तम्सख़ुर निकलता है... जिससे बदबू... ग़लाज़त निकलती है। वहाज ने सर की तरफ़ देखा।

हाँ वहाज! रवैय्ये हराम होते हैं, इनसान भला कैसे हराम हो सकता है? हरामी तो समाज है! पूरे मुआशरे की रगों में हराम ख़ून दौड़ रहा है। पूरा सिस्टम ही हरामी है। दफ़्तरों को ही ले लू, पूरे दिन में दो घंटों के लिए आकर चाय का दौर चलाने वाले, तुम क्या समझते हो हलाली हैं? भूख, अफ़्लास, ग़ुर्बत, बेरोज़गारी से तंग आकर जिस मुआशरे में इनसान अपनी औलाद को बेचता है, क़तल करता है, क्या ये सिस्टम हरामी नहीं? हरामी मुआशरा नहीं? सर ताहिर बड़े पुरसुकून अंदाज़ में बोल रहे थे और वहाज सुनता रहा।

वहाज तुम बताओ! आए दिन जब नन्हीं बच्चियों के साथ ज़्यादती की जाती है, उन्हें क़तल कर दिया जाता है, तुम्हारा क्या ख़्याल है कि वो एक फ़र्द या... वो चंद अफ़राद ही नफ़सियाती मरीज़ हैं? भूख, ग़ुर्बत, दौलत का ये ग़ैर मुतवाज़िन मुआशरा जहाँ एक तरफ़ कुत्तों की तरह कचरे के ढेर पर रिज़्क़ तलाश किया जाता है और दूसरी तरफ़ कुत्तों को भी आला ख़ुराक दी जाती है, क्या ये सब एक हराम मुआशरे की निशानी नहीं? ज़ुलम, जबर, ग़ुर्बत, भूख, इस्तिहसाल ने पूरे मुआशरे को नफ़सियाती मरीज़ बना दिया है, सर इस सब पर कभी सोचा ही नहीं था वहाज ने कहा।

सोचो बेटा, सोचो... यूँ तो हमारे मुआशरे में ही ये सब हो रहा है लेकिन... ये भी सोचो कि एक ज़मीन पर... एक ही मुल्क में... क्यों कुछ हिस्से सरमाया-दारी निज़ाम की हरामकारी का शिकार हैं? वहाज ने सर ताहिर का हाथ पकड़ा तो इन्होंने वहाज का हाथ दबाते हुए कहा, वहाज तुम जाने किस हलाल-ओ-हराम के चक्कर में पड़े हो... अपने इर्द-गिर्द देखो सब बावले हो गए हैं। जब तक ये बीमारियाँ ख़त्म नहीं होंगी तब तक हम तंदरुस्त कैसे हो सकते हैं?

असावर जो ना जाने कब से वहाँ आकर खड़ी हो गई थी, वहाज के हाथ पर हाथ रखते हुए बोली, शहर के मुज़ाफ़ात में एक और बच्ची की लाश मिली है...!

(अनुवाद : ख़ालिद फ़रहाद धारीवाल)

कविताएं

■ शंकरानंद

1. याद की जगह

भूलने की आदतों के बीच
याद की जगह
पेड़ पर एक चिड़िया का घोंसला
जितनी है
उतनी ही छोटी
उतनी ही कमजोर
उतनी ही नाजुक

एक पत्थर की चोट भी
उसके लिए असहनीय है

जरा-सी तेज हवा में भी
यादें कांपने लगती हैं
जैसे चिड़िया का घोंसला
आंधियों में डरते हुए कांपता है।

2. छूटने पर

रंगों के नहीं होने का दु:ख
उसके उड़ने के बाद
पता चलता है

साथ से अलग होने के बाद
खाली जगह
एक कोटर में बदल जाती है
जहाँ कोई नहीं रह सकता

एक बदरंग दिन
एक उजाड़ शाम
खाली खंडहर
या मरी हुई चिड़ियाँ
जिसकी उड़ान का
अंत हो चुका है

सब एक जैसे हो जाते हैं
रंगों की तरह
अपनी जगह से छूटने के बाद!

3. घर की कीमत

बेघरों के पास
सिर्फ एक आशा है कि
वे छिप सकते हैं कहीं भी
सिर टिका कर

किसी पेड़ किसी दीवार
किसी सामान से सट कर
इस बारिश में
कोई दरवाजा नहीं खोलेगा

उनकी चीख का कोई मूल्य नहीं
वे अज्ञात दुनिया के बासिन्दे हैं
एक अपराधी
जिस पर हर किसी को संदेह है

उन्हें देखने भर से
लोग कल्पना कर लेते हैं कि
यह कोई भी गुनाह कर सकता है

एक घर की कीमत
आप घर बैठे नहीं समझ सकते

बेघरों से पूछो
जो अपना सब कुछ बेच कर भी
एक घर बनाना चाहते हैं एक दिन
इसी इच्छा के साथ
वे भटकते हैं पूरी पृथ्वी

फिर एक दिन
कटे हुए मिलते हैं वे
रेल की पटरियों के किनारे!

4. हासिल करने में

कुछ भी बना बनाया मिलना
हासिल करने जैसा नहीं होता

वही पुरानी आवाजें गूंजती है
वही पुराने रंग रास्ता रोकते हैं

थकने का स्वांग एक धीमी मौत है

जब कुछ काम नहीं रहता तो
बेचैनी रहती है अक्सर

हासिल करने के लिए
पहाड़ चढ़ने की सुंदरता को
छूना पड़ता है

जो मिलता है बना बनाया
वह और कुछ नहीं
बीते हुए की राख मिलती है।

बोध कथा

आनंद दो!

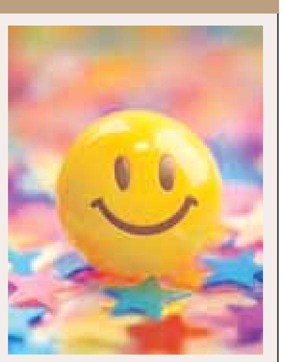

एक सूफी फकीर की ख्याति सुनकर एक व्यक्ति ज्ञान-प्राप्ति के लिए उसके पास पहुंचा. वहां उसने देखा कि एक हाथ में टोकरी उठाये संत दूसरे हाथ में पक्षियों को दाना चुगाने में व्यस्त थे. वह मजे से चुगा रहे थे, पक्षी मजे से चुग रहे थे. व्यक्ति ने देखा, दाना चुगाते हुए संत बच्चों की तरह खुश हो रहे थे. संत पक्षियों को दाना चुगाते रहे. वह व्यक्ति देखता रहा. बहुत देर तक संत ने उसकी तरफ देखा ही नहीं. परेशान होकर वह व्यक्ति संत के निकट पहुंचा. संत ने बिना उसकी ओर देखे, टोकरी उसे थमा दी और कहा, 'अब तुम पक्षियों के साथ आनंद लो.' आध्यात्मिक साधना का रहस्य जानने के लिए संत के पास आया व्यक्ति हैरान था. संत उसकी परेशानी समझ गये. बोले, 'स्वयं की परेशानियों को भुलाकर जीव मात्र को आनंद पहुंचाने का प्रयत्न ही जीवन के आनंद का रहस्य है, और हर सिद्धि का भी. यदि तुम स्वयं आनंद पाना चाहते हो तो दूसरों को आनंद देना सीखो. यह साध लोगे तो समझ लो साधना पूरी हो गयी. आध्यात्मिक जीवन का अर्थ ही दूसरों का सुख बांटना है. तभी परमात्मा का वैभव बरसता है!'

एक ही प्रभु की देन

ज्ञान का सूर्य जिनके हृदय में चमक रहा हो, वे वाद और वितंडा में पड़ना पसंद नहीं करते. पहाड़ की चोटी पर खड़े मनुष्य को नीचे के सभी पेड़-पौधे एक-से ही नजर आते हैं. ब्राह्म समाज के प्रसिद्ध उपदेशक प्रतापचंद्र मजूमदार एक दिन महर्षि देवेंद्रनाथ ठाकुर के यहां गये. महर्षि की मेज पर उन्होंने ईसाई धर्म की अनेक पुस्तकें रखी देखीं. उनका खयाल था कि ईसाइयत के प्रति महर्षि के मन में तिस्कार है. अत: वे बहुत विस्मित हुए और उन्होंने पुस्तकों की ओर इशारा करके महर्षि से पूछा- 'ये आपकी मेज पर कैसे आयीं?'

उत्तर मिला- 'जब मैं नीचाई पर घूम रहा था, तब मुझे जगह-जगह टेकरियां और ऊंची-नीची जमीन दिखती थी. परंतु अब मैं कुछ ऊपर चढ़ गया हूं, इसलिए नीचे का क्षेत्र मुझे एक समतल मैदान जैसा दिखाई देता है और एक ही मालिक की देन-जैसा लगता है.'

एक मच्छर का साहित्यिक निर्वाण यथासम्भव

■ कमलानाथ

शरद जोशी के व्यंग्य संग्रह 'यथासम्भव' के पेज 258 और 259 के बीच मुझे एक मच्छर का पार्थिव शरीर दिखाई दिया जो लगभग जीवाश्म (फ़ॉसिल) की स्थिति में पहुँच चुका था। एक लंबे समय तक पुस्तक के पहले 258 पेजों के भार में दबे रहने के बावजूद मच्छर के भूतपूर्व अंगों की बनावट काफ़ी हद तक समझी जा सकती थी। उसके पंख, शरीर और अन्य पूर्व कर्मेन्द्रियाँ रक्तपान के यंत्रों का उपयोग होजाने के बाद पलायन की प्रक्रिया का पूरा आभास दे रही थीं।

पर यह सब गौण है। मुख्य बात यह है कि साहित्य के क्षेत्र में यह एक बहुत बड़ी घटना थी, जिसका उल्लेख किया जाना अत्यंत आवश्यक है। अक्सर होता यह है कि किसी भी मौत को सबसे पहले एक स्वाभाविक मृत्यु या आत्महत्या की श्रेणी में रख कर कोई तफ़्तीश नहीं होती। पर धीरे धीरे जब कुछ नए सूत्र हाथ लगते हैं तब लगने लगता है कि वह साधारण मौत नहीं थी। यह साज़िश या हत्या भी हो सकती थी। यदि मैं भी पुलिस की तरह ही इस हृदय विदारक दुर्घटना को वैसे ही आम बात मान कर रफ़ादफ़ा कर दूं तो यह निश्चित है कि आगे चल कर साहित्य, साहित्यकारों की नई पीढ़ियाँ और इतिहास, तीनों मुझे माफ़ नहीं करेंगे। इसके कई कारण हैं। पहला तो यह कि यह मच्छर केवल शरद जोशी का व्यंग्यसंग्रह पढ़ते हुए ही नहीं मरा है, बल्कि बृहत् परिप्रेक्ष्य में देखें तो कहा जा सकता है कि वह हिंदी साहित्य को पढ़ते हुए मरा है। मैं क्षमा चाहूँगा मच्छर के लिए 'मरा' शब्द इस्तेमाल करने के लिए। वास्तव में उसने साहित्य की सेवा में बलिदान दिया है। दूसरे, इस पुस्तक में उसकी मौजूदगी इस बात का द्योतक है कि वह व्यंग्य विधा का रसिक था जो केवल स्तरीय व्यंग्य ही पढ़ा करता था। हालिया स्थिति यह है कि यदि वह मेरी या आजकल के किसी ख्यातनामा या सम्मानयाफ़्ता व्यंग्य लेखक तक की पुस्तक पढ़ते हुए शहीद होता तो उसे मैं आत्महत्या भी मान सकता था, पर इस मामले में ऐसा हर्गिज़ नहीं है।

इस मौत को मच्छर की मौत कहना नितांत अपमानजनक होगा। यह एक साहित्य प्रेमी मच्छर था जिसने सबसे बड़ा बलिदान साहित्य का रसास्वादन करते समय साहित्य की पुस्तकाकार बलिवेदी पर ही दिया जिसे शरद जोशी ने बनाया था। मेरा सुझाव है कि उसे एक हिंदी पाठक के रूप में भी याद किया जाय।

यह भी हो सकता है कि वह व्यंग्य-प्रिय मच्छर पुस्तक पर बैठा बैठा आजकल के व्यंग्यकारों की रचनाओं का शरद जोशी की रचनाओं के साथ तुलनात्मक अध्ययन करने में इतना मशगूल रहा हो कि उसने अपने जीवन तक की परवाह नहीं की। शायद वह सोच रहा हो – जब कि आज के व्यंग्यकार शरद जोशी के नाम के पुरस्कार अपने नाम से बटोर रहे हैं, एक दूसरे की पीठ खुजला रहे हैं और पत्रिकाओं में अपनी प्रशस्ति के विशेषांक प्रायोजित करवा रहे हैं, फिर भी क्या वे उस मौलिक व्यक्ति के व्यंग्यों के निकट आ पाएँगे? फिर यह भी संभव है कि उसमें हिंदी साहित्य के किसी ईमानदार समीक्षक की आत्मा रही हो जो काट कर भाग जाने की प्रवृत्ति और मौक़ापरस्ती को छोड़ कर केवल प्रसिद्ध लेखकों की रचनाओं की ही समीक्षा करने के अलावा अच्छे साहित्य की ओर भी देखना चाहता हो और जो मकड़ी को मकड़ी ही कहने की सोच में डूबा हुआ कूच कर गया। जो भी हो, सारे साक्ष्य, यहाँ तक कि मौक़ा-ए-वारदात पर मौजूद उसकी मृत देह भी कह रहे हैं कि उसने शरद जोशी की पुस्तक को पढ़ते समय ही इहलोक से प्रस्थान किया था।

इस मौत को मच्छर की मौत कहना नितांत अपमानजनक होगा। यह एक साहित्य प्रेमी मच्छर था जिसने सबसे बड़ा बलिदान साहित्य का रसास्वादन करते समय साहित्य की पुस्तकाकार बलिवेदी पर ही दिया जिसे शरद जोशी ने बनाया था। मेरा सुझाव है कि उसे एक हिंदी पाठक के रूप में भी याद किया जाय।

मैं जोशीजी पर कोई इल्ज़ाम नहीं लगा रहा हूँ और न इसमें उनकी किसी तरह की किसी ग़लती की ओर संकेत कर रहा हूँ। मैं तो यह मान रहा हूँ कि यह साहित्य के लिए अब तक दिए गए किसी भी बलिदान का चर्मोत्कर्ष था। अभी तक आम मच्छर अपनी मर्ज़ी के ख़िलाफ़ अक्सर या तो मानव शरीर के किसी अंग पर, या दो हथेलियों के बीच ही मृत पाए गए हैं। इसीलिए पुस्तक के एक पृष्ठ पर उसके स्वैच्छिक उत्सर्ग के इस उदाहरण को एक अपवाद भी माना जा सकता है, जिसे सामान्य रूप से साहित्य से, और विशेष रूप से व्यंग्य-विधा से, मच्छर के प्रेम के इज़हार के रूप में देखा जाना चाहिए। जयपुर के तत्कालीन राजा सवाई मानसिंह-द्वितीय पोलो के बेहतरीन खिलाड़ी थे। उन्होंने पोलो के मैदान में ही देहत्याग किया। इसीलिए कि, ज़ाहिर है, पोलो का खेल उनको अत्यंत प्रिय था।

यह आम मच्छर नहीं था यह इस बात से भी सिद्ध होता है कि उसने ऐसी पुस्तक पढ़ते हुए साहित्य की बलि पर प्राण न्योछावर किये जिसका शीर्षक था 'यथासम्भव'। यदि तफ़्तीश सही ढंग से की जाए तो कई और भी संभावनाएं दिखाई पड़ती हैं। हो सकता है इस मच्छर में किसी लेखक की आत्मा हो, जिसका खून भी पिछले जन्म में प्रकाशकों ने लगातार चूसा हो। उसका बदला लेने के लिए सम्भव है, अंत तक उसके मन में बदले की भावना रही हो और उसी इच्छा में सतत आसक्ति के कारण कदाचित उसे यह जन्म मच्छर के रूप में मिला हो, जो आगे चल कर उसकी साहित्यिक मौत का सबब बना। एक हिरण के बच्चे में अंतिम समय तक आसक्ति होने के कारण ऋषि जड़भरत तक का भी तो अगला जन्म हिरण के रूप में हुआ था! दूसरे, चूंकि यथासम्भव का यह संस्करण एक प्रसिद्ध प्रकाशन द्वारा छापा गया था, सम्भव है, उस साहित्यकार या लेखक की आत्मा अब भी क्षुब्ध हो कि यह प्रकाशन केवल प्रसिद्ध लेखकों की पुस्तकें ही क्यों छापता है, भले ही वे कैसी भी हों। 'व्यस्तता' का बहाना करके पूर्व जन्म में इस प्रकाशन ने उसकी कोई अच्छी पुस्तक भी क्यों नहीं छापी?

तफ़्तीश का अंतिम पहलू यह कि मैंने यह पुस्तक एक प्रख्यात कवि से पढ़ने के लिए उधार मांगी थी। सम्भव है, जिस तरह भोजन के बाद आराम से कवि महोदय यह पुस्तक पढ़ने बैठे होंगे, उसी समय इस मच्छर ने भी उनका रक्तपान कर लेने के बाद उनके साथ ही पुस्तक का आनंद उठाने का सोचा होगा। अगर मच्छरावशेष का डीएनए टैस्ट कराया जाय तो सम्भव है उसकी रगों में मच्छरीय गुणों के साथ कवि के खून का अंश भी मौजूद हो। शायद इसीलिए उसे साहित्य में डुबकी लगाने की प्रेरणा मिली। इससे भी मेरी इस बात की पुष्टि हो सकती है कि वह पूर्णत: साहित्य और साहित्यकारों को समर्पित व्यक्तित्व था जिसने अंतिम साँसें इस पुस्तक पर गिनीं। उस स्थिति में परिस्थिति-जन्य साक्ष्यों यानी सर्कमस्टान्शियल एविडेंस के मद्देनज़र मच्छर को मुक्ति दिलाने का श्रेय कवि महोदय को दिया जा सकता है, जिनसे जल्दबाज़ी या भावावेश में मच्छर का साहित्य प्रेम नज़रअंदाज़ हो गया और उसकी क़ब्रगाह इसी पुस्तक में बन कर रह गयी।

जो भी हो, भले ही नाना पाटेकर के अनुसार एक मच्छर आदमी को कुछ भी बना देता हो, मेरे अनुसार यह एक असाधारण मच्छरश्री स्वयं हिंदी साहित्य के क्षेत्र में नाम कमा कर अमर हो गया।

मेरी श्रद्धांजलि!

ज़माँ मकाँ थे मिरे सामने बिखरते हुए

■ राजेन्द्र मनचंदा बानी

ज़माँ मकाँ थे मिरे सामने बिखरते हुए

मैं ढेर हो गया तूल-ए-सफ़र से डरते हुए
दिखा के लम्हा-ए-ख़ाली का अक्स-ए-ला-तफ़सीर

ये मुझ में कौन है मुझ से फ़रार करते हुए
बस एक ज़ख़्म था दिल में जगह बनाता हुआ

हज़ार ग़म थे मगर भूलते-बिसरते हुए
वो टूटते हुए रिश्तों का हुस्न-ए-आख़िर था

कि चुप सी लग गई दोनों को बात करते हुए
अजब नज़ारा था बस्ती का उस किनारे पर

सभी बिछड़ गए दरिया से पार उतरते हुए
मैं एक हादसा बन कर खड़ा था रस्ते में

अजब ज़माने मिरे सर से थे गुज़रते हुए
वही हुआ कि तकल्लुफ़ का हुस्न बीच में था

बदन थे क़ुर्ब-ए-तही-लम्स से बिखरते हुए

खेल जगत

टीम इंडिया की सबसे बड़ी टेंशन कोच को शांत रखना : टिम पेन

नई दिल्ली। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लेकर भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें एक्शन मोड में हैं और तीखी बयानबाजी का दौर भी शुरू हो चुका है। इस बीच पूर्व ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान टिम पेन ने टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। टिम पेन ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की रिकी पोंटिंग के प्रति हालिया टिप्पणियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में मेहमान टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता दबाव में शांत नहीं रह पाना हो सकता है। पोंटिंग ने कहा था कि वह विराट कोहली के फॉर्म को लेकर चिंतित हैं। पिछले पांच वर्षों में उन्होंने दो टेस्ट शतक बनाए हैं। लेकिन गंभीर ने इसके जवाब में प्रेस कॉन्फ्रेंस में पलटवार करते हुए कहा कि पोंटिंग का भारतीय क्रिकेट से क्या लेना-देना है? उन्हें ऑस्ट्रेलिया के बारे में बात करनी चाहिए।

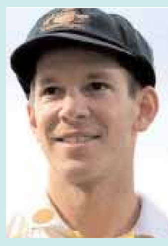

भारत की मार से दक्षिण अफ्रीका तबाह

तिलक वर्मा और संजू सैमसन के शतक, सबसे बड़ी जीत

सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 16 नवम्बर (देशबन्धु)। बेशक भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को पहली ही गेंद और तीन दिन में लगातार दूसरा शतक जड़ने वाले बाएं हाथ के तिलक वर्मा को जोहानिसबर्ग में शुक्रवार रात सीरीज के चौथे और आखिरी टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दो जीवनदान मिले और पहले मैच में शतक जड़ने के बाद अगले दो मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद सीरीज का अपना दूसरा शतक जड़ने वाले भारत के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन पहली से आखिरी गेंद तक क्रिकेट के इस सबसे छोटे फॉर्मेट में दक्षिण अफ्रीकी गेंदों की जमकर धुलाई करते नजर आए। इस बात से कोई भी इनकार नहीं कर सकता था कि भारत ने सीरीज के चौथे और आखिरी टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी 20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट का पांचवां सबसे स्कोर बडा स्कोर 20 ओवर में एक विकेट पर 283 रन अपने बल्लेबाजों के विलक्षण बल्लेबाजी कौशल के बूते बनाया। भारत का यह टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है । भारत का टी 20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपना सर्वोच्च स्कोर पिछले महीने हैदराबाद में बांग्लादेश के खिलाफ छह विकेट पर 297 रन था। भारत के अब सबसे ज्यादा 23 बल्लेबाजों ने टी 20 अतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में शतक जड़े हैं जबकि भारत के बाद न्यूजीलैंड के 12 और ऑस्ट्रेलिया के 23 बल्लेबाजों के नाम शतक हैं। संजू सैमसन एक कैलंडर बरस में तीन टी 20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए। भारत के तिलक वर्मा दो शतक जड़ कुल 280 रन बना चार टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज में मैन ऑफ दॅ सीरीज बने जबकि मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने दूसरे मैच में पांच विकेट चटकाने सहित सबसे ज्यादा कुल 12 विकेट चटकाए।

जोहानिसबर्ग में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (3/20) ने बेहतरीन स्विंग और सीम गेंदबाजी की मिसाल पेश कर दक्षिण अफ्रीका को चौथे व आखिरी मैच में मात्र 18.2 ओवर में ट्रस्टन स्टब्ज (43), डेविड मिलर (36) और येनसन (अविजित 29) की उपयोगी पारियों 143 रन पर समेट भारत को 135 रन से जीत दिला सीरीज भी 3-1से जिता दी। संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने दो दो शतक जड़ भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज 3-1 से जिता कर बताया कि आने वाला कल उनका है। भारतीय टीम ने अपने कप्तान सूर्य कुमार यादव की शुरू से दे दना की क्रिकेट खेल बताया टी 20 के लिए यही शैली सर्वश्रेष्ठ है। भारत ने इस साल वेस्ट इंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी हुए टी 20 विश्व कप में फाइनल सहित आठ मैचो सहित भारत ने इस साल खेले 26 मैचों में कुल 24 मैच जीते हैं औा मात्र दो एक जिम्बाब्वे में उसके खिलाफ अपनी दूसरी दर्जे की टीम भेजने के रूप एक मैच हारा है। भारत ने टी 20 विश्व कप तो जीता ही साथ ही 2024 में अब तक खेली बाकी पांचों ही सीरीज जीती।

सूर्य कुमार यादव की अगुआई में 22 बरस के तिलक वर्मा (120* रन, 47 गेंद, 10 छक्के, नौ चौके) और सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन (109*रन, 56 गेंद, 9 छक्के , छह चौके) की दूसरे विकेट की रिकॉर्ड 210 रन की भागीदारी और इससे पहले अभिषेक शर्मा (36 रन, 18 गेंद, चार छक्के, 2 दो चौके) व संजू की सलामी जोड़ी ने मात्र 5.5 ओवर में 73 रन जोड़ कर दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों के हौसले पस्त कर दिए थे। रोचक बात यह है कि भारतीय बल्लेबाजों ने 23 छक्के और 17 चौके जड़े। दक्षिण अफ्रीका के लिए अभिषेक शर्मा का एकमात्र विकेट सिपमला को मिला।

द.अफ्रीका के खिलाफ यह टी-20 सीरीज जीतना खास: सूर्य कुमार

हमारे गेंदबाजों ने सही लाइन लेंथ के साथ गेंदबाजी की और इसका नतीजा हमारे सामने है : सूर्य कुमार

नई दिल्ली, 16 नवम्बर (देशबन्धु)। भारत के कप्तान सूर्य कुमार यादव ने कहा, 'यह कोई रहस्य नहीं है कि हमने खुद को हालात के मुताबिक ढाला। हमारी योजना एकदम साफ थी।जब हम पिछली बार जब हम दक्षिण अफ्रीका में उसके खिलाफ खेलने गए थे तो भी हमने इसी तरह की आक्रामक क्रिकेट खेली और हम इसे जारी रखना चाहते थे। हमारे लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार मैचों की यह टी 20 सीरीज जीतना खास है और यह हमेशा मेरी यादों रहेगी। शुक्रवार का मैच की बाबत हमने बात की और अच्छी आदतें जारी रखने को कहा। हमने नतीजे की बाबत नहीं सोचा और यह स्वत: अच्छा रहा। संजू और तिलक की बल्लेबाजी की बाबत क्या कहूं इनमें किसकी बल्लेबाजी सबसे बढ़िया रही मेरे लिए यह चुनना मुश्किल है। अभिषेक, संजू और तिलक ने गजब का बल्लेबाजी कौशल दिखाया। जहां तक हमारी गेंदबाजी की बात है तो हमें मालूम था कि एक बार लाइट जलने और तापमान गिरने पर पिच में गेंदबाजों के लिए कुछ मदद जरू थी। हमारे गेंदबाजों ने सही लाइन लेंग्थ के साथ गेंदबाजी और इसका नतीजा हमारे सामने है। टी 20 विश्व कप जीतने से हमें बड़ा हौसला मिला। जहां दक्षिण अफ्रीका के घर में उसके खिलाफ सीरीज खेलने की बात है तो यह हमेशा ही चुनौतीपूर्ण होता है। दक्षिण अफ्रीका से उसके घर में सीरीज जीत कर घर वापस लौटना भी चुनौतीपूर्ण होता है। हमारे लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार मैचों की यह टी 20 सीरीज जीतना खास है और यह हमेशा मेरी यादों रहेगी। जहां तक सपोर्ट स्टाफ की बात उन्होंने इस सीरीज का पहले ही दिन से पूरा लुत्फ उठाया।

मेरा शतक भारतीय टीम और सीरीज के नजरिए से खास है : तिलक वर्मा

मैन ऑफ दॅ सीरीज रहे भारत के तिलक वर्मा ने कहा, 'पिछली बार जब मैं जोहानिसबर्ग में खेला था तो पहली ही गेंद पर आउट हो गया था। जहां तक मेरे शुक्रवार को जड़े शतक की बात है तो यह हमारी भारतीय टीम और सीरीज के नजरिए से खास था। मैंने खुद और बेसिक्स पर भरोसा किया। मैं एकदम शांत था और मेरी कोशिश अपनी बेसिक्स पर काबिज रहने की थी। यह गजब का अहसास है। मैंने कभी सोचा नहीं था मैं इस टी 20 सीरीज में दो शतक जड़ दूंगा और भी वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसके घर में और इस पर अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर सकता। मैं भगवान और अपने कप्तान सूर्य कुमार यादव का आभारी हूं। पिछले कुछ महीनों में चोटिल था और मेरे प्रोसेस पर भरोसा किया। जब मैंने अपना शतक पूरा तो मैंने अपने दोनों हाथ उठाकर भगवान को धन्यवाद।

नंबर-3 के लिए तिलक वर्मा पूरी तरह तैयार : सूर्यकुमार

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने टी20 मैच में लगातार दो शतक जड़े। उन्होंने नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए मेजबान टीम के गेंदबाजों की बखिया उधेड़ दी। तिलक की बल्लेबाजी की सराहना करते हुए भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने यह कहा कि वह अब 'नंबर-3' के लिए पूरी तरह तैयार हैं। तिलक वर्मा ने नाबाद 120 रनों की अविश्वसनीय पारी खेली और लगातार दो टी20 शतक लगाने वाले पांचवें खिलाड़ी बन गए। उनका पूरा साथ संजू सैमसन ने दिया, जिन्होंने नाबाद 109 रन बनाए। इन पारियों की बदौलत भारत ने 283/1 का विशाल स्कोर बनाया।

एक कैलेंडर वर्ष में तीन टी-20 शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने सैमसन

जोहान्सबर्ग, 16 नवम्बर (एजेंसियां)। संजू सैमसन ने शुक्रवार को यहां वांडरर्स स्टेडियम में शानदार बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के चौथे मैच में अपना तीसरा टी20 शतक जड़ा। सैमसन ने महज 56 गेंदों पर नाबाद 109 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें नौ गगनचुंबी छक्के और छह चौके शामिल थे, उन्होंने कई टी20 अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियां हासिल करते हुए अपना नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज करा लिया। इस पारी के साथ, सैमसन एक कैलेंडर वर्ष में तीन शतक बनाने वाले टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास के पहले बल्लेबाज बन गए और इंग्लैंड के फिल साल्ट के बाद द्विपक्षीय टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में दो शतक बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए। सैमसन ने डरबन में सीरीज के पहले मैच में 107 रन बनाने के बाद नाबाद शतक जड़ा, जिससे भारत के सबसे गतिशील टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में से एक के रूप में उनकी प्रतिष्ठा और मजबूत हुई। पुरुषों के टी20 क्रिकेट इतिहास में यह पहला मौका था जब पूर्ण आईसीसी सदस्यों के बीच मैच में दो खिलाड़ियों ने एक ही पारी में शतक बनाए। सैमसन अब केएल राहुल के दो शतकों को पीछे छोड़ते हुए किसी भारतीय द्वारा टी20 शतक (तीन) बनाने का गौरव प्राप्त कर चुके हैं। केवल रोहित शर्मा (चार) और सूर्यकुमार यादव (तीन) ही इस प्रारूप में समान ऊंचाइयों तक पहुंच पाए हैं। उनका प्रदर्शन शानदार दौर में आया है, जिसमें उनके तीनों शतक उनकी पिछली पांच टी20 पारियों में आए हैं।

- सैमसन ने महज 56 गेंदों पर नाबाद 109 रन की शानदार पारी खेली
- तिलक वर्मा ने केवल 50 गेंदों पर 102 रनों की विस्फोटक पारी खेली

2025 पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी टूर इस्लामाबाद से शुरू होगा : आईसीसी

दुबई, 16 नवम्बर (एजेंसियां) अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने घोषणा की कि 2025 पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी टूर शनिवार को इस्लामाबाद से शुरू होगा। ट्रॉफी को शहर के प्रसिद्ध स्थलों जैसे दमन-ए-कोह, फैसल मस्जिद और पाकिस्तान स्मारक में भी प्रदर्शित किया जाएगा, जिसमें दिग्गज तेज गेंदबाज शोएब अख्तर भी मौजूद रहेंगे। ट्रॉफी टूर हर बड़े आईसीसी इवेंट से पहले एक प्रमोशनल इवेंट होता है, लेकिन गुरुवार को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा घोषणा किए जाने के बाद यह एक बड़े विवाद में फंस गया कि स्कार्दू, मुरी, हुंजा और मुजफ्फराबाद जैसे स्थान - जिनमें से तीन पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आते हैं - ट्रॉफी टूर सूची में होंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा शुक्रवार को कड़ी आपत्ति जताए जाने के बाद आईसीसी द्वारा घोषित ट्रॉफी टूर कार्यक्रम में केवल मुरी को ही रखा गया है, जबकि 25 नवंबर तक पाकिस्तान संस्करण की यात्रा के लिए तक्षशिला, खानपुर, एबटाबाद, नथिया गली और कराची जैसे स्थानों को सूची में रखा गया है। आईसीसी के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी अनुराग दहिया ने कहा कि सभी भाग लेने वाले देशों में प्रदर्शित किए जाने वाली विजेता ट्रॉफी से खेल के उत्साही प्रशंसकों को प्रतिष्ठित ट्रॉफी के करीब होने का अविस्मरणीय अनुभव मिलेगा। ट्रॉफी 26-28 नवंबर तक अफगानिस्तान का दौरा करेगी, फिर 10-13 दिसंबर तक बांग्लादेश जाएगी और 15-22 दिसंबर तक दक्षिण अफ्रीका में रहेगी। इसके बाद यह 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक ऑस्ट्रेलिया में रहेगी और उसके बाद 6-11 जनवरी तक न्यूजीलैंड जाएगी। 12-14 जनवरी तक इंग्लैंड का दौरा करने के बाद, ट्रॉफी 15-26 जनवरी तक भारत में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगी, उसके बाद 27 जनवरी को पाकिस्तान वापस आएगी। पुरुषों की चैंपियंस ट्रॉफी आखिरी बार 2017 में इंग्लैंड में आयोजित की गई थी और पाकिस्तान ने जीती थी। लेकिन आठ टीमों के इस टूर्नामेंट का औपचारिक कार्यक्रम अधर में लटका हुआ है, क्योंकि बीसीसीआई ने सुरक्षा चिंताओं के कारण पाकिस्तान की यात्रा करने से इनकार कर दिया है, लेकिन पीसीबी ने अभी तक हाइब्रिड मॉडल के तहत इसकी मेजबानी करने पर सहमति नहीं जताई है।

सार संक्षेप

दिल्ली प्रीमियर लीगः रॉयल रेंजर्स की संघर्षपूर्ण जीत

नई दिल्ली। रॉयल रेंजर्स और यूनाइटेड भारत फुटबाल क्लब ने यहां अम्बेडकर स्टेडियम मैदान पर खेली जा रही डीएसए प्रीमियर लीग के कड़े मुकाबलों में शनिवार को क्रमशः तरुण संघा और नेशनल यूनाइटेड स्पोर्ट्स क्लब को 2-0 और 2-1 से हरा कर पूरे अंक अर्जित किए। दूसरे मैच में यूनाइटेड भारत के गोल सुमन डोलूई ने जमाए लेकिन मिलोन सरदार ने आत्मघाती गोल कर नेशनल स्पोर्ट्स क्लब की हार का अंतर कम कर दिया। लीग की दो कमजोर टीमों के मध्य खेला गया मैच ऊंचाई नहीं छू पाया। अंततः मार पीट के चलते टीमों ने मैदान छोड़ा। खिताब के प्रबल दावेदार में शामिल रॉयल रेंजर्स और तरुण संघा के बीच खेला गया मैच उतार चढ़ाव वाला रहा लेकिन रॉयल रेंजर्स ने आसान मौके गंवाए वरना जीत का अंतर बड़ा हो सकता था। रॉयल रेंजर्स ने तरुण संघा के अविजीत नस्कर के आत्मघाती गोल से बढ़त बनाई। आदित्य तोमर ने लम्बी सीटी से चंद सेकंड पहले टीम का दूसरा गोल जमाया। विजेता टीम के डेविड मोटला को प्लेयर ऑफ़ द मैच आंका गया।

चोट के कारण डब्ल्यूबीबीएल से बाहर एलिसा हीली

नई दिल्ली। विकेटकीपर-बल्लेबाज एलिसा हीली बाएं घुटने की चोट के कारण मौजूदा महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के बाकी बचे मैचों से बाहर हो गई हैं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा का भारत के खिलाफ अगले महीने होने वाली वनडे सीरीज में खेलना भी संदिग्ध है, जो डब्ल्यूबीबीएल खत्म होने के चार दिन बाद शुरू होगी। एलिसा की डब्ल्यूबीबीएल फ्रेंचाइजी सिडनी सिक्सर्स ने रविवार दोपहर ड्रमॉयने ओवल में सिडनी थंडर के खिलाफ होने वाले मैच के लिए 13 सदस्यीय टीम की घोषणा करते हुए कहा कि वह सीएनएसडब्ल्यू और सीए के मेडिकल स्टाफ की देखरेख में अपना पुनर्वास जारी रखेगी। क्लब ने अपनी टीम में एलिसा की जगह स्थानीय खिलाड़ी के तौर पर फ्रेंकी निकलिन को शामिल किया है। एलिसा बॉडी मैनेजमेंट की वजह से ब्रिसबेन हीट से सिक्सर्स की हार में विकेटकीपर नहीं थीं।

संतोष ट्रॉफीः बंगाल, बिहार ने अपने शुरुआती मैच जीते

कल्याणी (पश्चिम बंगाल)। 32 बार के चैंपियन पश्चिम बंगाल ने शनिवार को यहां संतोष ट्रॉफी के लिए राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप के 78वें संस्करण में अपना झारखंड को 4-0 से हरा कर शुरु किया। कल्याणी स्टेडियम में ग्रुप सी मैच में मेजबान टीम को संभलने में समय लगा और हाफ टाइम से कुछ मिनट पहले मनोतोस माजी ने बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में 65वें और 66वें मिनट में रोबी हांसदा के लगातार दो गोल ने झारखंड की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। अनुभवी नारो हरि श्रेष्ठ ने निर्धारित समय से छह मिनट पहले ही गिनती पूरी कर ली। इसी ग्रुप के दूसरे मैच में बिहार ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए उत्तर प्रदेश को 2-1 से हरा दिया।

पर्थ टेस्ट से पहले मैच सिमुलेशन के दौरान चोटिल हुए गिल

पर्थ, 16 नवम्बर (एजेंसियां)। वाका में मैच सिमुलेशन के दूसरे दिन स्लिप में फील्डिंग के दौरान शुभमन गिल को हाथ में चोट लगने के बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच में भारतीय शीर्ष क्रम को लेकर असमंजस की स्थिति बढ़ती जा रही है। गिल को बाएं हाथ में चोट लग गई जिसके बाद वह पूरे दिन फील्डिंग के लिए नहीं आए। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या यह चोट गिल को पहला टेस्ट खेलने से वंचित कर सकती है। 22 नवंबर से पहला टेस्ट मैच शुरू होना है। गिल नंबर तीन पर बल्लेबाज़ी कर रहे हैं लेकिन दूसरे बच्चे के जन्म के चलते रोहित शर्मा की संभावित अनुपस्थिति को देखते हुए वह भी यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत करने के दावेदार माने जा रहे हैं। पारी की शुरुआत करने के एक अन्य दावेदार केएल राहुल को मैच सिमुलेशन के पहले दिन शॉर्ट गेंद पर कोहनी पर चोट लग गई थी। वह इसके बाद बल्लेबाज़ी करने नहीं आए। वहीं शनिवार को उन्होंने फ़ील्डिंग भी नहीं की। भारतीय टीम के पास शीर्ष क्रम में अभिमन्यु ईश्वरन के रूप में भी एक विकल्प मौजूद है।

भारत के खिलाफ मिली एकतरफा हार से निराश हैं प्रोटियाज हेड कोच रॉब वाल्टर

जोहान्सबर्ग, 16 नवम्बर (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने चौथे और आखिरी टी20 मैच में 135 रन से जीत दर्ज की और 4 मैचों की सीरीज को 3-1 से अपने नाम की। इस हार पर दक्षिण अफ्रीका के सीमित ओवरों के कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि हार के लिए कोई बहाना बनाने का फायदा नहीं, लेकिन हम रणनीतियों में बदलाव करेंगे और एक मजबूत प्लेइंग-11 तैयार करने की कोशिश करेंगे। वांडरर्स में चौथे टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका की 135 रन से करारी हार के बाद बोलते हुए वाल्टर ने टीम के प्रदर्शन की जिम्मेदारी ली, लेकिन साथ ही युवा खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर के क्रिकेट में मौका देने की रणनीति का बचाव भी किया। वाल्टर ने कहा कि वरिष्ठ खिलाड़ियों को आराम देना और नए खिलाड़ियों को शामिल करना आवश्यक है, लेकिन इससे इन परिणाम को उचित नहीं ठहराया जा सकता। वाल्टर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हमें अभी भी बेहतर होने की जरूरत है, और इसकी शुरुआत टीम के मुख्य कोच के रूप में मुझसे होती है। बेंच स्ट्रैंथ बढ़ाने के लिए हमें युवा खिलाड़ियों को खिलाना पड़ता है, यहां तक कि अच्छी टीमों के खिलाफ बड़ी सीरीज में भी हमें उन्हें मौका देना होगाा।

हमें अभी भी बेहतर होने की जरूरत है, और इसकी शुरुआत टीम के मुख्य कोच के रूप में मुझसे होती है। बेंच स्ट्रैंथ बढ़ाने के लिए हमें युवा खिलाड़ियों को खिलाना पड़ता है, यहां तक कि अच्छी टीमों के खिलाफ बड़ी सीरीज में भी हमें उन्हें मौका देना होगाा : रॉब वाल्टर

हम टीम के रूप में बढ़िया नहीं खेल पाएः मरक्रम

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडन मरक्रम ने कहा,' शुक्रवार की हार को किस तरह बयां करूं। भारत ने हमें बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में पूरी तरह धो दिया। हम चौथा व आखिरी टी 20 मैच जीत सीरीज बराबरी पर समाप्त कराना चाहते थे लेकिन हम टीम के रूप में बढ़िया नहीं खेल पाए। भारत ने बल्ले और गेंद से हम पर दबाव बनाया। आज आप बतौर गेंदबाज केवल स्टंप को निशाना बना गेंदबाजी नहीं कर सकते और कई बाहर आपको कुछ उससे बाहर भी गेंदबाजी करनी पड़ती है।

रोहित शर्मा दूसरी बार बने पिता, सूर्या, संजू और तिलक ने दी बधाई

न्जोहान्सबर्ग, 16 नवम्बर (एजेंसियां)। भारत के टी20 स्टार सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा को उनके परिवार में एक नए सदस्य के जुड़ने पर शुभकामनाएं दीं। रोहित की पत्नी रितिका सजदेह ने बेटे को जन्म दिया है। हालांकि, इस जोड़े ने अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। बीसीसीआई की वेबसाइट को दिए इंटरव्यू पर तिलक ने कहा कि रोहित भाई, आपके लिए वास्तव में बहुत खुश हूं। हम इस पल का इंतजार कर रहे थे और अगर यह एक-दो दिन बाद होता तो मैं वहां आपके साथ होता। मैं जल्द ही आ रहा हूं। सैमसन ने कहा कि चेता और उनके परिवार के लिए बहुत खुश हूं। अब हमें छोटे साइड आर्म और छोटे पैड के साथ तैयार रहना होगा क्योंकि नया क्रिकेटर आ गया है।रोहित ने निजी कारणों का हवाला देते हुए बीसीसीआई से एक या दो टेस्ट मैचों के लिए समय मांगा था, जिसके बाद वे अभी तक पर्थ में अपने साथियों के साथ नहीं जुड़े हैं।

- रोहित की पत्नी रितिका सजदेह ने बेटे को जन्म दिया है

चीन की 'दीवार तोड़ भारत जीत के 'चौके के साथ शीर्ष पर पहुंचा

नई दिल्ली, 16 नवम्बर (देशबन्धु)। टीम की दूसरी सबसे कम उम्र की स्ट्राइकर झारखंड की संगीता कुमारी और कप्तान आक्रामक सेंटर हाफ सलीमा टेटे के तीसरे क्वॉर्टर के शुरू के छह मिनट के भीतर दागे एक एक मैदानी तथा ऑलराउंडर दीपिका सहारावत आखिरी मिनट में छठे और आखिरी पेनल्टी कॉर्नर पर दागे गोल की बदौलत मौजूदा चैंपियन भारत ने 2024 ओलंपिक की रजत पदक विजेता चीन की 'अभेद्य' दीवार तोड़ उसे शनिवार को 3-0 से हराकर राजगीर(बिहार) में चल रही बिहार महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी, राजगीर 2024 में जीत के 'चौके' के साथ शीर्ष पर पहुंच सेमीफाइनल में स्थान पक्का कर लिया। भले ही चीन की टीम यहा पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता टीम में शामिल दो खिलाड़ियों -फान युनजिया और तान जिनजुहांग के साथ आई है लेकिन बावजूद इसके उसकी 'दूसरी' पंक्ति की कही जाने वाली टीम में कई अनुभवी खिलाड़ी शामिल थीं। इस मैच में चीन की खिलाड़ियों से मजबूत टक्कर की आस की जा रही थी। भारत ने हाफ टाइम के बाद अपनी बदली रणनीति से चीन की मजबूत दीवार ढहा दी। भारत की रक्षापंक्ति में उदिता दुहान, सुशीला चानू और ज्योति ने भारत के किले की मजबूत चौकसी की और उसे अपनी डी मे घुसने का मौका ही नहीं दिया। साथ भारतीय स्ट्राइकरों के दोनों छोर से हमलों से चीन की टीम अपना किला बचाती ही नजर आई। भारत अपने आखिरी पूल मैच में रविवार को जापान से भिड़ेगा जबकि चीन का मुकाबला दक्षिण कोरिया से होगा। भारत के दोनों छोर से दीपिका, संगीता कुमारी, नवनीत कौर के लहरों की तरह हमलें के सामने चीन की टीम अपने गोल को बचाती ही नजर आई।

- संगीता, सलीमा और दीपिका ने एक एक गोल कर भारत को 3-0 से जिताया
- भारत ने हाफ टाइम के बाद अपनी बदली रणनीति से चीन की मजबूत दीवार ढहा दी

हमारी शुरुआत बहुत अच्छी शुरुआत रही। हमारा ध्यान शनिवार को चीन के खिलाफ अहम मैच को जीतने पर था और हम इसमें कामयाब रहे। अब हमारा ध्यान जापान के खिलाफ अगला मैच जीतने पर है : सलीमा टेटे

मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भारत की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा,' हमारी शुरुआत बहुत अच्छी शुरुआत रही। हमारा ध्यान शनिवार को चीन के खिलाफ अहम मैच को जीतने पर था और हम इसमें कामयाब रहे। अब हमारा ध्यान जापान के खिलाफ अगला मैच जीतने पर है। हमारी मौजूदा टीम में पांच छह जूनियर खिलाड़ी हैं और वह पूरे तालमेल से खेल रही हैं। हम आगे भी इन जूनियर खिलाड़ियों के साथ पूरे तालमेल से खेलना जारी रखेंगे। आप इसी तरह राजगीर में हमारी महिला हॉकी टीम का हौसला बढ़ाने के लिए आते रहे। आपका हमारा हौसलाअफजाई के लिए राजगीर के मैदान पर आने के लिए शुक्रिया।

ओबेड मैककॉय वेस्टइंडीज टीम में शामिल

ग्रॉस आइलेट (सेंट लूसिया), 16 नवम्बर (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के बाकी बचे मैचों के लिए मैथ्यू फोर्ड की जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ओबेड मैकॉय को टीम में शामिल किया है। फोर्ड को तीसरे टी20 मैच से पहले ट्रेनिंग के दौरान जांघ में खिंचाव आ गया था। दौरे के वनडे चरण में प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए फोर्ड को बुधवार को डैरेन सैमी क्रिकेट स्टेडियम में प्रशिक्षण के दौरान बाएं जांघ में चोट लग गई। 22 वर्षीय फोर्ड की मेडिकल टीम द्वारा निगरानी जारी रहेगी, क्योंकि वह पूरी तरह से ठीक होने की कोशिश कर रहे हैं। फोर्ड को शुरू में निलंबित अल्जारी जोसेफ के कवर के रूप में लाया गया था और वह बारबाडोस में श्रृंखला के दूसरे मैच में खेले थे। हालांकि, सेंट लूसिया में खेल के लिए उन्हें जोसेफ की जगह प्लेइंग-11 में शामिल किया गया, जहां वेस्टइंडीज को 0-3 से पिछड़ने के बाद श्रृंखला हार का सामना करना पड़ा था। मैककॉय कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के दौरान लगी चोट के कारण शुरू में अनुपलब्ध थे।

- फोर्ड को शुरू में निलंबित अल्जारी जोसेफ के कवर के रूप में लाया गया था

सार समाचार

पर्यावरण के लिए जागरूकता दौड़ आज

विदिशा, देशबन्धु। पर्यावरण संरक्षण, धरती के इकोसिस्टम तथा विलुप्त होती प्रजातियों को बचाने तथा वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य और एवं योग के प्रति जागरूकता के लिए हार्टफूलनेस इंस्टीट्यूट द्वारा आज रविवार 17 नवंबर को 100 से अधिक शहरों में हार्टफुलनेस ग्रीन रन का आयोजन किया जा रहा है। हार्टफुलनेस श्री रामचंद्र मिशन केंद्र विदिशा से प्राप्त जानकारी के अनुसार विदिशा शहर में यह दौड़ प्रात: 8 बजे अहमदपुर चौराहा से प्रारंभ होकर इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में से होते हुए श्री रामचंद्र मिशन हार्टफुलनेस मेडिटेशन सेंटर पर समाप्त होगी। इस दौड़ में किसी भी उम्र का कोई भी महिला एवं पुरुष धावक भाग ले सकता है। इसी सिलसिले में हार्टफुलनेस ग्रीन रन टीम द्वारा सांसद प्रतिनिधि राकेश शर्मा को आमंत्रित किया गया।

सड़क हादसा: कार की टक्कर से बाईक सवार 2 युवकों की मौत

विदिशा, देशबन्धु। शुक्रवार की देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। जिसमें दो युवकों की मौत हो गई। यह हादसा काली जी के मंदिर के पास देर रात 11 बजे के करीब हुआ। एक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। जिसमें दो युवक सवार थे। दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान 17 वर्षीय आदित्य और 18 वर्षीय रोहित के रूप में हुई है। दोनों पढ़ाई करते थे और रात को अपनी मौसी के यहां सांची जा रहे थे। इसी दौरान वह हादसे का शिकार हो गए। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया और कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस कार चालक की तलाश कर रही है। मृतक के भाई रोहित महावर ने बताया कि हादसे में 17 वर्षीय आदित्य और 18 वर्षीय रोहित की मौत हो गई है। एडिशनल एसपी प्रशांत चौबे ने बताया कि देर रात घटना की सूचना मिली थी। आरोपी की गाड़ी को जब्त कर लिया है और आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। वैधानिक कार्रवाईकी जा रही है।

खेत में काम करते समय युवती को सांप ने काटा, अस्पताल में भर्ती

विदिशा, देशबन्धु। ग्राम अटारीखेजड़ा में धान के खेत में काम कर रही युवती को सांप ने काट लिया। जिसे उपचार के लिए परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां पर डॉक्टरों ने उसका उपचार शुरू कर दिया है और हालात में सुधार बताया जा रहा है। ग्राम अटारीखेजड़ा निवासी देवी सिंह कुशवाह की बेटी 17 वर्षीय राधिका कुशवाहा को धान के खेत में काम करते वक्त सांप ने काट लिया। देवी सिंह कुशवाह ने बताया कि धान की फसल की कटाई के बाद फसल को इकट्ठा किया जा रहा था तभी शनिवार की दोपहर में करीब 3 बजे के आसपास राधिका को पैर में सांप द्वारा काट लिया गया था। तुरंत ही उसे अपने निजी वाहन से लेकर जिला अस्पताल पहुंचे और भर्ती कराया गया। डॉक्टर ने बताया कि राधिका को सांप ने काट लिया था, उनके परिजन जिसने काटा था वह सांप को भी साथ में लेकर आए हैं।

33 केवी के विद्युत सब स्टेशन से रोशन होंगे गरेंठा क्षेत्र के 18 गांव

▸ **विधायक उमाकांत शर्मा ने दी 3 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात**

सिरोंज, देशबन्धु। गरेंठा क्षेत्र के करीब डेढ़ दर्जन से अधिक गांवों के किसानों को अब खेती के लिए वोल्टेज के साथ पर्याप्त बिजली आपूर्ति एवं चौबीस घंटे घरेलू बिजली का भरपूर लाभ मिल सकेगा। शनिवार को विधायक उमाकांत शर्मा ने ग्राम गरेंठा में करीब दो करोड़ 93 लाख की लागत से बनकर तैयार हुए 33 /11 केव्ही के विद्युत सब स्टेशन का लोकार्पण करते हुए जनता को समर्पित किया। इसके अलावा गरेंठा पंचायत की चार सीसी सड़कों का भी भूमिपूजन किया। गरेंठा क्षेत्र को विधायक उमाकांत शर्मा ने तीन करोड़ चार लाख के विकास कार्यों की सौगात प्रदान की। गरेंठा गांव में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि विधानसभा चुनाव के पहले हमने इस सब स्टेशन की नींव रखी थी। इसके अलावा सिरोंज लटेरी में और भी सब स्टेशन बनाने का काम चल रहा है। मैने सिरोंज लटेरी क्षेत्र को स्वर्णिम बनाने का लक्ष्य लिया है इस दिशा में हम लगातार काम कर रहें हैं। आज गरेंठा में तैंतीस केव्ही के विद्युत सब स्टेशन बन जाने से इस क्षेत्र के अठारह से अधिक गांवों के किसान और निवास करने वाली ग्रामीण जनता को पर्याप्त वोल्टेज के साथ आए दिन होने वाली बिजली संबंधी समस्याओं का स्थाई रूप से निराकरण हो सकेगा। इसके पूर्व बिजली विभाग के डीई राजू भागौर ने सिरोंज लटेरी क्षेत्र में विधायक उमाकांत शर्मा के प्रयासों से बिजली के क्षेत्र में किए जा रहे कामों की जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान इस मौके पर उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को भी सुना और उनके उचित निराकरण के निर्देश मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों को दिए। कायक्र म को वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश शर्मा,मंडल अध्यक्ष झारसिंह दांगी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला पंचायत उपाध्यक्ष दरयाब सिंह कुर्मी,जनपद के पूर्व अध्यक्ष एवं विधायक प्रतिनिधि हमीर सिंह यादव,किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष जितेंद्र बघेल,जनपद सदस्य कलेक्टर सिंह यादव, हीराबाई वंशकार, एई राजीव रंजन, सरपंच आदि के साथ भाजपा के मंडल पदाधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहें। गरेंठा में 33/ 11 केव्ही के सब स्टेशन बन जाने से क्षेत्र के अठारह से अधिक गांव के किसान लाभान्वित होंगे। इसके अलावा आए दिन तार टूटने की समस्या, कम वोल्टेज की समस्या के साथ अन्य सभी समस्याओं से भी निजात मिल सकेगी। वहीं किसानों को खेती के लिए पर्याप्त मात्रा में सुगमता के साथ बिजली मिल सकेगी। गरेंठा के विद्युत सबस्टेशन से लाभान्वित होने वाले गांवों में गरेन्ठा, सुगन्याई, पारधा, पठेरा, साँझर, अमीरगढ़, मिर्जापुर, पैकोली, अजीमाबाद, नाऊखेड़ा, भूकरी, हैवतगंज, मुजफ्फरगढ़, बांसखेड़ी, कोरवासा, विशनपुर, ओखलीखेड़ा, सालपुरखुर्द आदि शामिल हैं।

नपती के दौरान हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया पटवारी, करंट से झूलसा

विदिशा, देशबन्धु। नटेरन में नपती सीमांकन करने के दौरान एक पटवारी हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगने से वह झुलस गया, हालांकि घटना के दौरान मौजूद चौकीदार की वजह से उनकी जान बच गई। नटेरन के हल्का पटवारी मोती सिंह रघुवंशी नपती सीमांकन का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान वहां से गुजर रही 11 केव्ही लाइन की चपेट में वह आ गए। गनीमत यह रही कि पास में ही खड़े चौकीदार को जैसे ही पटवारी के पैरों से धुआं उठते देखा तो चौकीदार ने पैर से धक्का दे दिया। जिससे पटवारी तार से दूर जा गिरे और उनकी जान बच गई। पटवारी के हाथ और पैर में कई जख्म तक हो गए है। तहसीलदार आनंद जैन ने पटवारी का प्राथमिक उपचार नटेरन अस्पताल में कराकर विदिशा लेकर आए। जहां उनका इलाज चल रहा है। उल्लेखनीय बात है कि यहां हाईटेंशन लाइन खेतों के बीचोंबीच से निकली है और उनके तार काफी नीचे हैं। जिससे आए दिन दुर्घटना का भय बना रहता है।

अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस पर महाविद्यालय में हुई प्रतियोगिताएं

सिरोंज, देशबन्धु। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ द्वारा त्रैमासिक गतिविधियों के अंतर्गत शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में रिशिता साहू बी.ए. तृतीय वर्ष, डॉली पंथी बी.ए. प्रथम वर्ष, संजय मालवीय एम. ए. हिंदी साहित्य ने प्राचीन भारत सहिष्णुता की प्रतिमूर्ति विषय पर प्रतिभागिता करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में सहिष्णुता से संबंधित स्वामी विवेकानंद के विचारों का लघु वीडियो का प्रदर्शन भी किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. लाल चंद्र राजपूत ने सहिष्णुता के महत्व और अवश्यकता के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया। सहिष्णुता से समाज में एकता की भावना आती है, जो राष्ट्र को विकसित बनाने में सहायता करती है। अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस के कार्यक्रम आयोजन में मंच पर प्राचार्य डॉ.लाल चंद्र राजपूत, डॉ. रूबी ताम्रकर, प्रो. दीपक सोलंकी की गरिमामयी उपस्थिति रही। डॉ.अभिषेक चौहान, डॉ. समृथ निनामा,प्रो. रजनी चौहान, प्रो. संघप्रिय गौतम, प्रो. संजय वर्मा और विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव ने अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस पर स्टाफ एवं विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर भगवत सिंह पाल एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफ़ेसर दीपक सोलंकी ने किया। इस अवसर पर स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

बाल मेला बच्चों के लिए व्यापार तंत्र सीखने का सुअवसर: नपाध्यक्ष

▸ **सैण्ट एसआरएस स्कूल में लगा बाल मेला**

गंजबासौदा, देशबन्धु। स्थानीय सैण्टएसआरएस पब्लिक हायर सैकण्डरी स्कूल परिसर में एनएसएस के तत्वावधान में शनिवार को बाल दिवस सप्ताह अंतर्गत चल रहे बच्चों के कार्यक्रमों के तहत बाल मेले का आयोजन किया गया। बाल मेला विज्ञान प्रदर्शनी के आयोजन में नगरपालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव, बीईओ परता अहिरवार, बीआरसी ब्रजेन्द्र सिंह रघुवंशी, पार्षद नीलू अहिरवा, पार्षद प्रतिनिधि मणि अहिरवार, समाजसेवी श्याम सिंह यादव, संस्था डायरेक्टर केएस यादव, प्राचार्य उमेशचंद्र यादव ने मेले का फीता काटकर शुभारंभ किया।

इस दौरान नपाध्यक्ष शशि अनिल यादव ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह सुअवसर मिला है कि हम समाज के व्यापार जगत के संचालन का सही ढंग से उपयोग करने का तरीका सीखें, वहीं विज्ञान प्रदर्शनी के माध्यम से अपने शहर का नाम प्रदेश और देश स्तर पर रोशन करें। संस्था द्वारा स्कूल के बच्चों को उच्च शिक्षण के अलावा लगातार बच्चों के सर्वागीण विकास और सामाजिक सरोकार के कार्य कराए जाते हैं। जिससे बच्चों का सर्वागीण विकास संभव होता है। बीईओ परता अहिरवार एवं बीआरसी ब्रजेन्द्र रघुवंशी द्वारा संस्था के गैर शैक्षणिक गतिविधि अन्तर्गत लगाए गए बाल मेले और विज्ञान प्रदर्शनी के लिए जमकर सराहना की। ज्ञात हो कि संस्था परिसर में लगाए गए भव्य मेले में देश के सभी प्रदेशों के स्वादिष्ट व्यंजनों की दुकानें सजाई गईं। भारतीय व्यंजनों के अलावा मेले में चाइनीज आइटमों ने बच्चों को जमकर लुभाया। इस दौरान परिसर में करीब दो दर्जन व्यंजन काउंटर लगाए गए। व्यापार काऊंटरों पर सुबह 10 बजे से खरीदी बिक्री शुरू हुई वह शाम पांच बजे तक स्टाल व्यापारिक केन्द्र बने दिखाई दिए। विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी में स्कूल के बच्चों ने नवीन विज्ञान की संकल्पनाओं से भरे मॉडल सजाए, इसके अलावा बाल वैज्ञानिकों ने मॉडलों के माध्यम से विज्ञान की नई कल्पनाओं की आकर्षक प्रस्तुति देकर विज्ञान की संभावनाओं को साकार कर दिया।

खुला चैंबर दे रहा दुर्घटना को आमंत्रण

विदिशा, देशबन्धु। कलेक्टोरेट कार्यालय को जाने वाले रास्ते पर एक चेंबर का ढक्कन टूट जाने के कारण वह पिछले कई दिनों से खुला पड़ा हुआ है। यह चैंबर कलेक्टोरेट से मेडिकल की रोड आने-वाले मोड़ पर बना हुआ है। यहां सैकड़ों वाहनों का रोजाना आना-जाना होता है ऐसे में कोई बड़ी घटना घटित हो सकती है। कलेक्ट्रेट से मेडिकल कॉलेज आने वाले रास्ते पर विद्युत विभाग के सब स्टेशन के पास में नगर पालिका द्वारा सिविल लाइन डाली गई थी। इस सिविल लाइन का चैंबर कलेक्टोरेट से मेडिकल कॉलेज जाने वाले रास्ते पर मोड़ पर बनाया गया है। इस चेंबर का ढक्कन टूट जाने के कारण वह पिछले कई दिनों से खुला पड़ा हुआ है। ऐसे में इस रास्ते पर बड़ी संख्या में वाहनों का आना-जाना लगा रहता है। मोड़ के कारण चेंबर दिखाई नहीं देता है, जिसके कारण कभी भी कोई बड़ी घटना घटित हो सकती है। नगरपालिका को इस और ध्यान देकर इस चैंबर की मरम्मत कराकर ढक्कन लगाना चाहिए। जिससे कि यहां से निकलने वाले लोगों की जान से खिलवाड़ न हो सके। लोगों ने बताया कि हम पर पिछले कई दिनों से टूटा पड़ा हुआ है। इस चैंबर की गहराई करीब 15 फिट बताई जा रही है। ऐसे में अगर कोई दो पहिया वाहन चालक इसकी चपेट में आ जाता है तो बड़ी घटना घटित हो सकती है। लोगों का कहना है कि नगर पालिका को चेंबर की मरम्मत कराकर इस पर ढक्कन लगाना चाहिए। जिससे कि राहगीरों को आने-जाने में सुविधा हो सके। साथ ही यहां से अधिकारी कर्मचारियों का भी निकलना रहता है, लेकिन अब तक किसी अधिकारी कर्मचारी का इस पर ध्यान नहीं गया है। इसी का नतीजा है कि वह पिछले कई दिनों से खुला पड़ा हुआ है।

राज्य स्तरीय शालेय हॉकी प्रतियोगिता में मेडल जीतकर लौटे सीएम राइज स्कूल के खिलाड़ी

सिरोंज, देशबन्धु। अंडर 17 वर्ष जूनियर बालक-बालिका एवं अंडर 14 बालक राज्य स्तरीय शालेय हॉकी प्रतियोगिता 11 से 14 नंवबर तक भोपाल में आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में में शासकीय सीएम राइज स्कूल सिरोंज के तुलसी राम सेन, अनमोल अहिरवार रितिक अहिरवार आदर्श पंथी, तमन्ना यादव, ऋषिका दांगी, राधिका सेन सम्मिलित हुए। इन खिलाड़ियों ने अंडर 17 वर्ष बालक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक एवं 17 वर्ष बालिका प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज़ मेडल और 14 वर्ष बालक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इस अवसर पर सी.एम .राइस स्कूल के प्राचार्य श्री महेश कुमार ताम्रकार, खेल शिक्षक शान मियां , खेल शिक्षक जमशेद खान खेल समन्वयक केशव शर्मा ने खिलाड़ियों को फूल माला पहनकर स्वागत किया । छात्र-छात्राओं की इस उपलब्धि पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री उमेश कुमार सोनी ,प्राचार्य महेश कुमार ताम्रकार , प्राचार्य मनोज शर्मा संजीव माथुर,खेल शिक्षक शान मिया, खेल शिक्षक जमशेद खान, केशव शर्मा, सत्यनारायण शर्मा करन विश्वकर्मा मुकेश राठौर, रितेश केवट, मनोज कुशवाहा, कुमारी प्रगति केवट एवं सी.एम.राइज स्कूल के समस्त स्टाफ के सदस्यों ने छात्र छात्राओं की इस उपलब्धि पर बधाई दी एवं छात्र ,छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की।

मीडिया को लोगों के जीवन में शांति और मार्गदर्शन के लिए आगे आना होगा: खुशबू दीदी

▸ **राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस पर मीडिया सम्मेलन का**

गंजबासौदा, देशबन्धु। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय चर्च वाली गली बरेठ रोड स्थित सेवा केंद्र द्वारा राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस पर मीडिया सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें स्वस्थ एवं सुखी समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण में मीडिया की भूमिका विषय पर जोर दिया गया। भोपाल से आई ब्रह्मकुमारी खुशबू दीदी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि शांति स्थापना करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आपात स्थिति में मीडिया ने सद्भाव का संदेश दिया है। सोशल मीडिया से समाज में अशांति का माहौल बन रहा है, आज से 40-50 साल पहले लोगों का जीवन बहुत सुख में था, हम सीधे तौर पर लोगों से कनेक्ट होते थे, अब फिर समय आ गया है कि मीडिया को लोगों के जीवन में शांति और मार्गदर्शन के लिए आगे आना होगा। हम उस श्रेणी व संस्कृति से आते हैं, जहां कभी देवी देवताओं की दुनिया थी फिर से वही दुनिया लाने के लिए हमें आध्यात्मिक की ओर बढ़ना होगा। इस दौरान विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने कहा कि ब्रह्मकुमारी परिवार द्वारा भारत सहित पूरे विश्व में सकारात्मक और विश्व शांति के लिए प्रयास किया जा रहा है। संस्था का एक ही उद्देश्य है विश्व शांति अब इसमें मीडिया को भी आगे आना होगा। किसी युद्ध में जब मीडिया की भूमिका पॉजिटिव होती है तो वह युद्ध भी समाप्त हो जाते हैं। ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने बताया कि हमारे लोकशाही के तीन स्तंभ की हालत बहुत ही नाजुक है, ऐसे में मीडिया को सजग रहने की जरूरत है। आज वैश्विक स्तर पर तनाव का माहौल है, ऐसे में मीडिया पर ही सभी की आशा भरी नजरे हैं। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव, जिला पंचायत सदस्य गायत्री सहित बड़ी संख्या में पत्रकारगण मौजूद रहे।

अभिभाषक स्व. जैन की पुण्यतिथि पर आयोजित विधिक संगोष्ठी में शामिल हुए उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

अपराध को रोकने के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण : कैत

विदिशा, देशबन्धु। अभिभाषक, रंगमर्मी और कवि स्व. राजकुमार जैन की 34वीं पुण्यतिथि के मौके पर शनिवार को स्व. राजकुमार जैन स्मृति न्यास द्वारा रविन्द्रनाथ टैगोर सभागार में विधिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य न्यायाधीश मप्र उच्च न्यायालय न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत ने अपने विचार प्रकट करते हुए अपराध को रोकने के लिए शिक्षा को सबसे महत्वपूर्ण बताया। साथ ही आपने शहर के लोगों से शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों के सहयोग की बात कहकर अपने सामाजिक उत्तरदायित्व को पूर्ण करने की बात भी कही।

न्यायमूर्ति आनंद पाठक जो कि मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर में न्यायाधीश हैं ने अपने विचारों में संवेदनशीलता को जीवन में सबसे महत्वपूर्ण होने की बात कही। उन्होंने कहा कि हम किसी भी केस को एक फ़ाइल या एक यूनिट न देखकर संवेदनशीलता के साथ एक पीड़ित व्यक्ति के जीवन को देखें। यह संवेदनशीलता पुलिस विभाग से लेकर न्यायालय तक होनी चाहिए। इसी प्रकार सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार माहेश्वरी द्वारा हमारे धर्म में वर्णित यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता के उदाहरण से लेकर आज महिलाओं की स्थिति पर अपने विचार कानूनी और सामाजिक दृष्टि को सामने रखकर ट्रिपल तलाक जैसे कुछ उदाहरणों के द्वारा स्पष्ट किया। उन्होंने यह भी कहा कि संवैधानिक प्रावधान सभी समस्याओं के समाधान के लिए मौजूद हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन सही तरह से हो नहीं पा रहा है। साथ ही समयानुसार कानूनों में बदलाव और संशोधन की बात भी उन्होंने कही। कार्यक्रम के शुभारंभ मौके पर अतिथियों का पुष्प मालाओं से स्वागत जिला न्यायाधीश जाकिर हुसैन, मुख्य न्यायाधीश अपर्णा राजेश शर्मा, जीसी शर्मा रायसेन के जिला जज सुहाने तथा न्यास के पदाधिकारियों ने किया। अतिथि परिचय एवं मंच संचालन गोविन्द देवलिया ने किया। न्यास परिचय चक्रवर्ती जैन ने दिया और विषय प्रस्तावना बसन्त महेश्वरी ने प्रस्तुत की।

वहीं कार्यक्रम में विदिशा के वरिष्ठ अभिभाषक सुरेश चन्द जैन, केजी कटारे, तुलसीराम मैना, देवेंद्र श्रीवास्तव, रमेश शर्मा, कैलाश माहेश्वरी तथा बासौदा के मदनमोहन तिवारी, सत्यकुमार शर्मा, महेन्द तोमर, डीपी श्रीवास्तव और लटेरी के कृष्णमोहन शर्मा, कैलाश नारायण सक्सेना, कुरवाई के कदीर पठान आदि को 50 वर्ष से अधिक विधि व्यवसाय में संलग्न होने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर रोशनकुमार सिंह, एसपी रोहित काशवानी, एडीसनल कलेक्टर अनिल डामोर, एडिशनल एसपी डॉ. प्रशांत चौबे सहित राजकुमार जैन स्मृति ट्रस्ट के अध्यक्ष डोंगर सिंह, कोषाध्यक्ष जीके महेश्वरी एवं सह सचिव चक्रवर्ती जैन सहित नगर के प्रबुद्ध जन मौजूद थे।

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

बिरसा मुंडा का 150 वीं जयंती मनाया

चिचोली, देशबन्धु। ब्लांक के ग्राम पंचायत आलमपुर में पंचायत भवन में बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर मालार्पण जयंती मनाया। कार्यक्रम में सरपंच श्रीमती सुलन्ती परतें, पूर्व उपसरपंच जितेंद्र सिंह चौहान, डोमा सिंह कुमरे, जयस जिला प्रवक्ता नोडल अधिकारी प्रदीप मिश्रा, पंच श्रीमती रामरती उइके, रोजगार सहायक रतिराम पन्द्राम, मोबिलाइजर पालवंती धुर्वे, फुलवंती वाडिवा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कलावती वरकड़े, सरजेराम चन्देलकर, रामा परतें मानकाराम उइके, गांव कोटवार श्रीराम चन्देलकर एवं समस्त ग्रामवासी मौजूद थे।

भारतीय बौद्ध महासभा की बैठक आज

बैतूल, देशबन्धु। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया भारतीय बौद्ध महासभा की बैठक पंचशील बुद्ध विहार सदर में रविवार सुबह 11 बजे आयोजित की गई है। जिला अध्यक्ष संदीप पाटिल के नेतृत्व में आयोजित बैठक में माह दिसंबर 2024 में होने जा रहे प्रदेश स्तरीय युवक युवती परिचय सम्मेलन एवं परिवारिक मिलन समारोह की रूप रेखा पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। जिसमें भारतीय बौद्ध महासभा के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। साथ ही सभी विकास खंड के सामाजिक संगठन एवं विहारों के प्रबंधन समिति के पदाधिकारी भी शामिल रहेंगे। इस बैठक में सभी सदस्यों को जिम्मेदारियों एवं जवाबदारियों के साथ सम्मेलन को भव्य रूप देने पर चर्चा की जाएगी। सभी सदस्यों को इस बैठक में अपनी सहभागिता देने का आग्रह किया है।

बैतूल में अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस का आयोजन आज

बैतूल, देशबन्धु। अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस के अवसर पर एसआईएफ बैतूल द्वारा 17 नवंबर को होटल आईसीइन में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलेगा।

एसआईएफ बैतूल के प्रभारी डॉ. संदीप गोहे ने बताया कि लगातार तीसरे वर्ष आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में पुरुषों के योगदान को मान्यता देना और झूठे मामलों में फंसे पुरुषों और उनके परिवारों को मानसिक व कानूनी सहायता प्रदान करना है। एसआईएफ एक समर्पित एनजीओ है, जो उन पुरुषों की सहायता करता है जो झूठे आरोपों का सामना कर रहे हैं। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में मानसिक स्वास्थ्य और कानूनी उपायों पर विशेषज्ञों द्वारा चर्चा शामिल है। विशेषज्ञ झूठे आरोपों के प्रभाव, उनसे निपटने के तरीके, और कानूनी सहायता के विकल्पों पर जानकारी साझा करेंगे। इसके साथ ही, पीड़ित पुरुषों और उनके परिवारों की कहानियां और अनुभव भी प्रस्तुत किए जाएंगे, जिससे समाज में जागरूकता बढ़ेगी। कार्यक्रम के दौरान डॉ. संदीप गोहे झूठे आरोपों से जूझ रहे पुरुषों और उनके परिवारों की मदद के लिए एनजीओ की सेवाओं और उद्देश्य पर प्रकाश डालेंगे। एसआईएफ बिना किसी शुल्क के पीड़ितों को मानसिक और कानूनी सहायता प्रदान करता है।

जनजाति गौरव दिवस के उपलक्ष्य स्कूली बच्चों ने निकाली रैली

भैसदेही, देशबन्धु। जनजाति गौरव दिवस को लेकर पी एम श्री स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा ग्राम स्तर रैली निकाली गई रैली के माध्यम से ग्राम का भ्रमण करते हुए स्कूली विद्यर्थियों द्वारा बिरसा मुंडा अमर रहे,धरती आबा जिंदाबाद जैसे नारे लगाए गए। प्राचार्य मंजुला बौरासी द्वारा बताया गया कि जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत 15 से 26 नवम्बर तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाना है जिसमे रैली प्रभात फेरी,पेंटिंग निबंध प्रतियोगिता,फ़िल्म प्रदर्शन ,लोक कथाओं का पाठ,स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर जागरूकता शिविर एवं संविधान दिवस का आयोजन आदि रहेंगे। इस अवसर पर शिक्षक संदीप आहाके,माधुरी सावरकर,अंशलता कनाथे, गजानन ठाकरे,सौरभ धोटे, अमित श्रीवास्तव सहित स्कूली छात्र-छात्राये सम्मिलित रहे।

नशा मुक्ति के क्षेत्र में पुरस्कार के लिए आवेदन 18 दिसंबर तक आमंत्रित

बैतूल, देशबन्धु। राज्य में नशा मुक्ति के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजसेवियों और स्वैच्छिक संगठनों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय विवेकानंद नशा मुक्ति पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसमें राज्य स्तरीय पुरस्कार के रूप में 1 लाख रुपये के दो पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र दिए जाएंगे, जबकि प्रत्येक जिले में तीन पुरस्कार 10 हजार रुपये के होंगे। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने इसके लिए योग्य संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 18 दिसंबर है। इसे संचालनालय के पते या ई-मेल पर जमा कराया जा सकता है। जिला स्तरीय पुरस्कार के लिए आवेदन जिला कार्यालय में जमा किए जाएंगे। अधिक जानकारी कार्यालयीन समय में संबंधित कार्यालयों या विभागीय वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

दिवाली मिलन में बुजुर्गों-रैली का स्वागत करने वालों का सम्मान

स्पर्धाओं के विजेताओं को भी किया पुरस्कृत

बैतूल, देशबन्धु। स्वर्णकार समाज का दिवाली मिलन पिछले दिनों शहर के सिविल लाइन स्थित केशर बाग मैरिज लॉन में आयोजित किया गया। समारोह की खासियत थी कि समाज के बुजुर्ग महिला-पुरूषों का उनके योगदान को देखते हुए शॉल और श्रीफल से सम्मानित किया। अपने सम्मान से अभिभूत बुजुर्गों की आंखे डबडबा गई। कार्यक्रम के दौरान अजमीढ़ देव जयंती समारोह में शोभायात्रा का स्वागत करने वाले दर्जनों लोगों का भी मंच से सम्मानित किया गया। महिलाओं और बच्चों की कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को मंच से पुरुस्कृत किया गया।

आदर्श स्वर्णकार समाज सेवा समिति के बैनर तले आयोजित दिवाली मिलन समारोह कई मायनों में अमिट छाप छोड़ गया। मैरिज लॉन में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत भगवान अजमीढ़ देव के छायाचित्र पर दीप प्रज्जवलन और पूजा-अर्चना के बाद हुई। शुरुआत में समाज के बच्चों ने सरस्वती वंदना कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद समिति के अध्यक्ष संजय सोनी, कमल सोनी, आतिश सोनी, हरिओम रायपुरे, देवीराम सोनी, विनोद सोनी, तरूण सोनी, मनोज सोनी, गणेश सोनी, नीलेश सोनी, प्रदीप सोनी ने बारी-बारी से समाज के लगभग तीन दर्जन महिलाओं और पुरूषों का श्रीफल और माला पहनाकर स्वागत किया तो उनकी आंखों से खुशी के आंसु छलक पड़े। सभी वृद्धों ने युवा टीम को आशीर्वाद देकर समाजोत्थान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका जारी रखने के लिए कहा।

इस दौरान महिलाओं और बच्चों की कुर्सी दौड़, लेमन स्पून प्रतियोगिता ने जमकर उत्साह दिखाया। करीब एक घंटे तक चली इस प्रतियोगिता में आधा सैकड़ा से अधिक महिलाओं और बच्चों ने हिस्सा लिया। अंत में लेमन स्पून प्रतियोगिता के बालक वर्ग में धैर्य ने प्रथम, दर्शना ने द्वितीय, हनी सोनी ने तीसरा स्थान, बालिका वर्ग में खुशी प्रथम, संचिता द्वितीय और रिधिमा सोनी तीसरे स्थान पर रही। बच्चों की कुर्सी प्रतियोगिता राउंड-1 में नमन प्रथम, दर्शना द्वितीय, रजत सोनी तृतीय, राउंड-2 में अविका प्रथम, प्राची द्वितीय, रिधिमा सोनी तृतीय स्थान पर रही। इसी तरह महिलाओं की कुर्सी स्पर्धा में पहले राउंड में भारती सोनी प्रथम, ऋचा सोनी द्वितीय, राउंड-2 में रीता भूपेश सोनी प्रथम, रानू सोनी द्वितीय, संगीता कमल सोनी और तीसरे राउंड में राजबाला भूषण सोनी प्रथम,चंदा सोनी द्वितीय और श्रीमती सिक्केवाल तृतीय स्थान पर रही। सभी विजेताओं को इस दौरान पुरुस्कृत किया गया।

समारोह में अजमीढ़ देव जयंती के दौरान शहर में निकली शोभायात्रा में दो दर्जन से अधिक सामाजिक एवं अन्य संगठन ने शोभायात्रा का फूल वर्षा से जगह-जगह स्वागत किया था। सभी को इस दौरान प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनमें पवन यादव एवं साथी, डॉ नरेश सरदार, शारिक खान, तुलसी मालवी, अनिल यादव, डॉ अरूण जयसिंगपुरे, रजनीश आर्य, हेमंत वागद्रे, सुनील शर्मा, आनंद प्रजापति, नंदराम जौंजारे, दिलीप सराठे, प्रमेश राजपूत, निखिल अग्रवाल, राजेश आहूजा, मंजीत सिंह साहनी, लीलेश कपूर, मुकेश गुप्ता, कुशकुंज अरोरा, सुनील सलुजा, विजय सलुजा, विश्वकर्मा बढ़ई समाज आदि शामिल हैं। इसके अलावा विशेष सहयोग के लिए बैतूल नागरिक बैंक के पूर्व अध्यक्ष अतीत पवार, केशर बाग के संचालक दिलीप सोनी को विशेष सम्मान दिया गया। वहीं बैतूल के अलावा आमला, सारणी, आठनेर, चिचोली संगठन के पदाधिकारियों का सांझवरी टाईम्स परिवार की ओर से सामाजिक गतिविधयों सक्रिय रहने पर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सहयोग के लिए तीन दर्जन से अधिक मीडियाकर्मियों का भी सम्मान किया गया। अपने स्वागत से अभिभूत औषधि विक्रेता संघ के अध्यक्ष मंजीत सिंह साहनी ने कहा कि इस तरह का आयोजन पहली बार देखा गया। ऐसे कार्यक्रमों से समाज में जागरूक आती है और प्रतिभाएं सामने आती है। वरिष्ठ पत्रकार मयंक भार्गव ने कहा कि अजमीढ़ देव की शोभायात्रा और समाज के अन्य कार्यक्रम बेहद प्रभावशाली रहे, इससे समाज की धार्मिक आस्थाओं का भी सार्वजनिक प्रदर्शन हुआ। ऐसे अच्छे आयोजन के लिए समाज के सभी लोगों को बधाई देते हुए उन्होंने सम्मान के लिए स्वर्णकार समाज को बड़े दिलवाला कहा।

समाज के चुनाव शीघ्र होंगे - स्वर्णकार समाज का दिवाली मिलन समारोह एक तरह से अमिट छाप छोड़ गया। इस दौरान आदर्श स्वर्णकार समाज सेवा समिति के अध्यक्ष संजय सोनी ने कहा कि अजमीढ़ देव जयंती के बाद दिवाली मिलन समारोह में बड़ी संख्या में जिले भर से समाज के लोग एकत्रित हुए। उन्होंने कहा कि समाज को उन्नति के पद पर ले जाना उनका लक्ष्य है, इसके लिए बुजुर्गों का आशीर्वाद और युवा साथियों के सहयोग की जरूरत है। सोनी ने कहा कि शीघ्र ही समाज को एकजुट करने के लिए चुनाव की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। चुनाव के लिए समाज के मतदाताओं के नाम जोड़ने समेत निर्वाचन अधिकारी नियम से चुनाव प्रक्रिया पूरी कराएंगे। इसका सभी ने स्वागत किया।

जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन में उमड़ा जनसैलाब

बैतूल, देशबन्धु। पुलिस ग्राउंड पर सर्व जनजातीय समाज द्वारा जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के दूर-दराज के गांवों से जनजातीय समाज का विशाल जनसमूह उमड़ा। आयोजन में जनजातीय समाज की संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें डंडार नृत्य, गदली नृत्य, गोंडी और कोरकू गीतों पर बाल कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां दी गईं। भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित नाट्य मंचन का निर्देशन सोनू ने किया, जो कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा।

कार्यक्रम में प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें जनजातीय समाज के क्रांतिकारियों के जीवन और उनके योगदान को विस्तार से दर्शाया गया। प्रदर्शनी ने जनजातीय समाज के इतिहास और संस्कृति को उजागर किया। कार्यक्रम में जनजातीय मंत्रणा परिषद के सदस्य डॉ. रूपनारायण मांडावे, लोक निर्माण विभाग से सेवानिवृत्त सचिव पीसी बारस्कर और समाजसेवी नन्हे सिंह उईके विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समिति द्वारा पिछले दो महीनों से जनजागरण अभियान चलाया जा रहा था, जिसमें भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और उनके राष्ट्र, धर्म और संस्कृति के लिए किए गए संघर्ष को जन-जन तक पहुंचाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय समाज को उनकी सनातन संस्कृति से जोड़ना, राष्ट्रीय अखंडता और सामाजिक समरसता बनाए रखना और जनजातीय समाज के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को स्मरण कराना है।

एक मासीय साधना की पूर्णाहुति गायत्री यज्ञ के साथ संपन्न

बैतूल, देशबन्धु। गायत्री परिवार शाखा बडोरा, बैतूल में कार्तिक मास के दौरान प्रतिदिन अलग-अलग घरों में सामूहिक साधना का आयोजन किया गया। इस क्रम में प्रतिदिन एक घंटे तक गायत्री महामंत्र जप और साधना का आयोजन हुआ, जिसका नेतृत्व गायत्री परिवार के वरिष्ठ कार्यकर्ता पांडुरंग चिल्हाटे और महिला मंडल बडोरा की अरुणा देशमुख, सरिता सोलंकी, सुमित्रा चिल्हाटे और संगीता पवार ने किया। एक मासीय साधना का समापन गायत्री महायज्ञ के साथ शिवचरण गडेकर के निवास पर किया गया। साधकों ने राष्ट्र निर्माण, सुख-शांति और समृद्धि की कामना के साथ गायत्री महामंत्र और महामृत्युंजय मंत्र के माध्यम से यज्ञ भगवान को आहुतियां समर्पित कीं। इस एक मासीय साधना शिविर में गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं, महिला मंडल की बहनों और स्थानीय परिजनों का विशेष योगदान रहा। प्रतिदिन 30-40 साधक नियमित रूप से साधना में उपस्थित रहे।

दही लाई इक्का के साथ अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण

बैतूल, देशबन्धु। प्रभातपट्टन विकासखंड के ग्राम सोमगढ़ में मेहरा समाज की ओर से भव्य दही लाई इक्का कार्यक्रम और डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा अनावरण समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम ने सामाजिक समरसता और एकता का उदाहरण प्रस्तुत किया। आयोजक समिति और उपस्थित सामाजिक बंधुओं ने अपनी सहभागिता से इसे सफल बनाया।

कार्यक्रम में मेहरा समाज समिति जिला अध्यक्ष संतु सूर्यवंशी ने बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा अनावरण के साथ दही लाई, मटकी फोड़ी। सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर के विचार हमारे जीवन को दिशा देते हैं। उनकी प्रतिमा का अनावरण समाज को एक नई प्रेरणा देगा। हमें उनकी शिक्षाओं को अपनाकर समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना है। पूर्व कैबिनेट मंत्री सुखदेव पांसे ने कहा बाबा साहेब ने हमें सामाजिक समानता का महत्व समझाया। आज का आयोजन उनकी शिक्षाओं को सजीव करता है। विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने अपने उद्बोधन में मेहरा समाज की प्रशंसा करते हुए कहा आपकी सामाजिक एकता और समर्पण प्रशंसनीय है। महिला जिला अध्यक्ष ललिता बिसोने और ब्लॉक अध्यक्ष वर्षा सूर्यवंशी ने महिलाओं की भूमिका को रेखांकित किया। युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष चंद्रभान बड़ोदे ने समाज के युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि युवा समाज की शक्ति हैं, और हमें अपनी ऊर्जा को समाज के विकास में लगाना चाहिए। जिला अध्यक्ष संतु सूर्यवंशी ने बताया अगले वर्ष भगवान बुद्ध की स्थापना भी जिला व प्रदेश पदाधिकारी की मौजूदगी में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ की जाएगी। कार्यक्रम के सफल संचालन में आयोजक समिति के सदस्यों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। ब्लॉक अध्यक्ष दौलत बिहारे, जिला कोषाध्यक्ष गोपाल बिहारे, संगठन मंत्री संदीप सूर्यवंशी, अजय सोने, महेश बेले और संतोष वाघमारे ने कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न करने में योगदान दिया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य सरस्वती नागले, कम्मो पिपरदे, ब्लॉक अध्यक्ष संगीता पिपरदे, मेहरा समाज समिति के ब्लॉक अध्यक्ष दौलत बिहारे, मेहरा समाज संगठन युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष चंद्रभान बड़ोदे, जिला उपाध्यक्ष महेश बेले, महिला जिला अध्यक्ष ललिता बिसोने, जिला कोषाध्यक्ष गोपाल बिहारे, संगठन मंत्री संदीप सूर्यवंशी, अजय सोने, महेश बेले, संतोष वाघमारे, भैंसदेही ब्लॉक अध्यक्ष वर्षा सूर्यवंशी, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष संगीता पिपरदे सहित अनेक गणमान्य व्यक्तित्व और सामाजिक बंधु मौजूद रहे।

भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर आयोजित हुआ आदिवासी फैशन शो

रैंप पर दिखी आदिवासी समाज की समृद्ध विरासत और संस्कृति की झलक

बैतूल, देशबन्धु। भगवान बिरसा मुंडा जयंती के उपलक्ष्य में जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) ने राज्य स्तरीय आदिवासी फैशन शो का आयोजन किया, जिसने इतिहास रच दिया। रानी दुर्गावती स्टेडियम और ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, पारंपरिक वेशभूषा, और लोकनृत्य ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण आदिवासी फैशन शो रहा, जिसमें राज्यभर के आदिवासी युवक-युवतियों ने भाग लिया। उन्होंने रैंप पर अपनी पारंपरिक वेशभूषा और कलाकारी का प्रदर्शन किया। इन वेशभूषाओं में आदिवासी समाज की समृद्ध विरासत और संस्कृति की झलक साफ नजर आई। साथ ही, मंच पर लोकनृत्य की प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को जीवंत कर दिया।

जयस जिला अध्यक्ष संदीप कुमार धुर्वे ने बताया कि जयस के कार्यकर्ताओं ने कई दिनों की मेहनत और बैठकों के बाद इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की थी। जयस ने इस ऐतिहासिक आयोजन के जरिए यह संदेश दिया कि आदिवासी समाज अपनी संस्कृति और परंपराओं को संजोए रखने में पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में जयस के पदाधिकारियों ने आदिवासी समाज के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस भव्य आयोजन ने युवाओं को अपनी संस्कृति के प्रति गर्व महसूस कराया। जयस जिला अध्यक्ष संदीप कुमार धुर्वे ने कहा यह कार्यक्रम आदिवासी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से आए आदिवासी कलाकारों ने अपनी परंपराओं और कलाओं का प्रदर्शन किया। यह आयोजन बैतूल जिले में ऐतिहासिक कार्यक्रम माना जा रहा है। कार्यक्रम के बाद युवाओं ने अपनी संस्कृति को संरक्षित रखने का संकल्प लिया। आदिवासी समाज इस आयोजन को लेकर बेहद गौरवान्वित है।

नए मतदाताओं को प्रेरित करने रैली निकाली, पौधा भेंट कर किया सम्मान

बैतूल, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार और उप जिला निर्वाचन अधिकारी मकसूद अहमद के मार्गदर्शन में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 के तहत ग्राम पंचायत सिमोरी में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्वीप प्लान के तहत स्वीप आइकॉन शैलेंद्र बिहारिया के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई।

रैली के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नए मतदाताओं का फॉर्म नंबर 6 भरवाकर नाम जोड़ने का कार्य किया गया। नए मतदाताओं का आरती उतारकर, पुष्पगुच्छ और पौधा भेंटकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम में युवाओं में मतदाता बनने के प्रति विशेष उत्साह देखा गया। युवाओं ने बताया कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के बाद वे स्वच्छ छवि वाले और पढ़े-लिखे प्रत्याशियों को अपना मत देंगे।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग पर शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन

बैतूल, देशबन्धु। पुरानी पेंशन बहाली और नियुक्ति तिथि में संशोधन की मांग को लेकर मध्यप्रदेश पुरानी पेंशन बहाली महासंघ भोपाल के नेतृत्व में शिक्षकों ने विभिन्न तहसीलों में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। जिला अध्यक्ष गंगा प्रसाद यादव ने बताया कि आमला, घोड़ाडोंगरी, चिचोली और भीमपुर तहसीलो में शिक्षकों ने तहसीलदारों को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि पूर्व में नियुक्त शिक्षाकर्मी, संविदा शिक्षक और गुरुजी को अध्यापक बनाकर जुलाई 2018 में शिक्षा विभाग में संविलियन किया गया था। इसके बाद आईएफएमएस पोर्टल पर उनकी प्रथम नियुक्ति तिथि हटाकर केवल जुलाई 2018 दर्ज कर दी गई। इसके कारण शिक्षकों को ग्रेच्युटी और अन्य आर्थिक लाभ नहीं मिल रहे हैं। सेवा निवृत्त और दिवंगत शिक्षकों के परिवार भी इन लाभों से वंचित हो गए हैं। महासंघ ने आरोप लगाया कि इस समस्या को लेकर सरकार और उच्च अधिकारियों से कई बार वार्ता हो चुकी है, लेकिन आज तक पोर्टल में सुधार नहीं हुआ। शिक्षकों ने मांग की कि उनकी वास्तविक नियुक्ति तिथि को आईएफएमएस पोर्टल पर दर्ज किया जाए ताकि सेवा अवधि की सही गणना हो सके। इससे प्रदेश के लगभग 3 लाख शिक्षकों को आर्थिक और सामाजिक लाभ मिल सकेगा। महासंघ के जिला अध्यक्ष गंगा प्रसाद यादव ने कहा कि सरकार को शिक्षकों की इस एक सूत्रीय मांग पर गंभीरता दिखानी चाहिए।

माचना घाट पर फव्वारे और सेल्फी पॉइंट का हुआ उद्घाटन

बैतूल, देशबन्धु। विवेकानंद वार्ड स्थित ग्रीन सिटी में मां माचना जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में विधायक हेमंत खंडेलवाल, मोहन नागर उपाध्यक्ष मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, रितु खंडेलवाल संचालक आर. डी. पब्लिक स्कूल, पार्वती बाई बारस्कर अध्यक्ष नगर पालिका बैतूल, महेश राठौर उपाध्यक्ष नगर पालिका, पार्षद, समाजसेवी, व्यापारी, स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि, मंदिर समितियों के सदस्य, और पत्रकार उपस्थित रहे। संयोजक आनंद प्रजापति ने स्वागत भाषण में कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। विधायक हेमंत खंडेलवाल ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में इस घाट का वृहद विकास किया जाएगा। मोहन नागर ने नदी संरक्षण और सामाजिक समरसता पर बल दिया। पार्वती बाई बारस्कर ने घाट पर मंच निर्माण और सीसीटीवी कैमरे लगाने की घोषणा की। इसके बाद वॉटर फाउंटेन और नवनिर्मित सेल्फी पॉइंट का उद्घाटन किया गया। आकर्षक आतिशबाजी ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन नरेश लहरपुरे ने किया और आभार प्रदर्शन महेश राठौर ने किया। फव्वारा प्रतिदिन शाम 6.30 से 8 बजे तक चालू रहेंगे और सेल्फी पॉइंट सुबह 6 से रात 9 बजे तक खुला रहेगा।

गेहूं की फसल सूखने से किसान परेशान

ट्रांसफार्मर लगाने की मांग, सहायक प्रबंधक को सौंपा ज्ञापन

बैतूल, देशबन्धु। बयावाड़ी ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम जगधर और ग्राम हथनोरा के किसानों ने ट्रांसफार्मर लगाने की मांग को लेकर किसान सुनील पवार के नेतृत्व में बैतूल बाजार विद्युत कंपनी के सहायक प्रबंधक को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने कहा कि लो वोल्टेज और बिजली की खराब स्थिति के कारण उनकी फसलें बर्बाद हो रही हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि सभी किसानों के पास स्थाई पंप कनेक्शन हैं, लेकिन लो वोल्टेज के चलते मोटर नहीं चल रहे हैं। बार-बार लाइन फॉल्ट होने से मोटरें जल जाती हैं, और एक फेज तो अक्सर बंद ही रहता है। किसानों ने बताया कि उन्होंने 4 से 20 दिन पहले गेहूं की बुवाई बिना पलेवा किए की थी। गीली मिट्टी में गेहूं का अंकुरण हो गया है, लेकिन सूखी मिट्टी में दाना अब तक नहीं उगा।

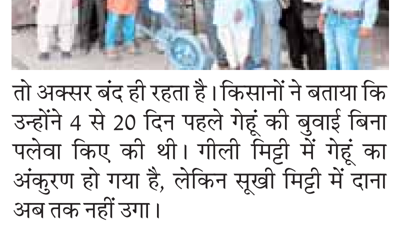

कक्षा-6 से 8 तक के स्कूलों में माह में कम से कम एक शनिवार को होगा बैगलेस-डे

बैतूल, देशबन्धु। प्रदेश में कक्षा-6 से 8 तक पढ़ने वाले बच्चों का समग्र विकास हो, इसके लिये बैगलेस-डे के दिन बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करने का निर्णय स्कूल शिक्षा विभाग ने लिया है। इस दिन बच्चों के बीच पढ़ाई के अलावा विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं व्यावहारिक गतिविधियाँ की जायेंगी। इस संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र ने जिला शिक्षाधिकारियों और जिला परियोजना समन्वयक को निर्देश जारी किये हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में यह प्रावधान रखा गया है कि स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे 21वीं सदी के कौशल से परिचित हो सकें, इसके लिये कक्षा-6 से 8 तक के स्कूल के बच्चों के लिये प्रत्येक माह में न्यूनतम एक शनिवार को बस्ते-विहीन दिवस का आयोजन हो। इन दिवसों में विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल की जानकारी दी जाये।

बैगलेस-डे के लिये शाला के प्राचार्य एवं शिक्षकों को चर्चा कर गतिविधियों का कैलेंडर तैयार करने के लिये भी कहा गया है। गतिविधियों की जानकारी 卐एचडी जिओ टैगी फोटोग्रॉफ'' राज्य शिक्षा केन्द्र के ई-मेल आईडी पर भेजने के लिये कहा गया है। बैगलेस-डे का उद्देश्य विद्यार्थियों को सफल, नवाचारी और जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करना है। इसी के साथ विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, साक्ष्य आधारित सोच और रचनात्मकता का विकास करना है। विद्यार्थियों में संवाद, विचार अभिव्यक्ति, स्वास्थ्य एवं पोषण, खेल सहयोग की भावना एवं नेतृत्व गुण के साथ भारतीय ज्ञान परम्परा और पर्यावरणीय चेतना का विकास करना प्रमुख है।

बैगलेस-डे में होने वाली गतिविधिया- राज्य शिक्षा केन्द्र ने बैगलेस-डे में होने वाली गतिविधियों के संबंध में भी दिशा-निर्देश जारी किये हैं। ऑर्ट और क्राफ्ट में बच्चों के बीच में ड्राइंग, पेंटिंग, मिट्टी के खिलौनों का निर्माण, मुखौटे, डॉल-मेकिंग और अनुपयोगी सामग्री से वस्तुओं का निर्माण प्रमुख है। साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में बच्चों के बीच लोकगीत-नृत्य, लघु नाटिका, कविता पाठ, कहानी लेखन गतिविधियाँ की जायें। बच्चों को खेती की आधुनिक पद्धतियों की जानकारी हो सके, इसके लिये पॉली फार्मिंग, ऑर्गेनिक फार्मिंग, औषधीय पौधों की जानकारियां और खेती में उपयोग होने वाले आधुनिक उपकरणों की जानकारी दी जाये। साथ ही स्थल भ्रमण भी कराया जाये। बच्चों को ऐतिहासिक स्थलों, लघु उद्योग व्यवसाय, जिनमें मधुमक्खी-पालन, मुर्गी एवं मछली-पालन इत्यादि की जानकारी दी जाये। बच्चों को स्थानीय बैंक, पुलिस थाना, अस्पताल और अनाज मंडी का भ्रमण कराया जाये। बच्चों को हथकरघा, खिलौने निर्माण जैसी इकाइयों का भ्रमण कराया जाये। इसी के साथ बच्चों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण की जानकारी देने के साथ खेल गतिविधियां भी करायी जायें।

झांसी मेडिकल कॉलेज हादसा : आग ने बुझा दिए कई घरों के चिराग

- एक तीली जली और पल भर में सब स्वाहा
- 4 साल पहले बेकार हो चुके थे अग्निशामक

झांसी, देशबन्धु। झांसी मेडिकल कॉलेज के बच्चा वार्ड में शुक्रवार देर रात लगी आग ने कई घरों के चिराग बुझा दिए। इस घटना में 10 बच्चों की जलकर मौत हो गई, जबकि 16 बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए।

पहले शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगना बताया जा रहा था, लेकिन चश्मदीद गवाह के सामने आने के बाद दूसरी ही बात सामने आई है। हमीरपुर के भगवानदास का पोता यहां भर्ती था। कल जब आग लगी तो तब भगवान दास वार्ड में ही मौजूद थे और वे इस घटना के अकेले चश्मदीद गवाह हैं। उनके मुताबिक, बच्चों के वार्ड में एक ऑक्सीजन सिलेंडर के पाइप को लगाने के लिए नर्स ने जैसे ही माचिस की तीली जलाई, पूरे वार्ड में आग लग गई। आग लगते ही भगवानदास ने अपने गमछे में 3-4 बच्चों को लपेटकर बचाया।

आश्चर्य है कि आग लगने के बाद न फायर अलार्म बजा न ही वार्ड में रखे सिलेंडर किसी काम के थे। क्योंकि ये अग्निशामक 4 साल पहले अनुपयोगी हो चुके थे। बताया जाता है कि जिस वार्ड में बच्चों को ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया था, उनकी वायरिंग ढीली-ढाली थी। इसके अलावा वार्ड के प्रवेश और निकास द्वार भी ठीक से नहीं खुल पा रहे थे। निकास द्वार पर ताला लगे होने कि बात भी कही जा रही है। इस मामले में 3 बच्चे इस कदर झुलसे हुए हैं कि उनकी अब तक शिनाख्त नहीं हो सकी है। नाराज परिजन डीएनए टेस्ट की मांग कर रहे हैं, वे अस्पताल के गेट पर जमा हो गए हैं। वहीं 7 बच्चों का अब तक पोस्टमार्टम हो चुका है, 4 डॉक्टरों की टीम काम कर रही है। इस घटना के बाद मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य को हटाया जा सकता है।

झांसी के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के मुताबिक एनआईसीयू वार्ड में 54 बच्चे भर्ती थे। अचानक ऑक्सीजन कंसंट्रेटर में आग लग गई और पूरे वार्ड में फैल गई। झांसी संभाग के उप पुलिस निरीक्षक ने बताया कि आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है।

बेहतर इलाज का किया था दावा

इसी साल की शुरुआत में एक न्यूज पोर्टल पर बताया गया था कि महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में नया नवजात शिशुओं की सघन देखभाल के लिए नया वार्ड बनाया जा रहा है, जिसमें गंभीर बीमारियों से जूझ रहे बच्चों को नया जीवन मिलेगा। इस वार्ड में आधुनिक उपकरणों को एक ही स्थान पर लगाया जा रहा है, जिससे बीमार बच्चों के इलाज के लिए उनके माता-पिता को बाहर न भटकना पड़े। 51 बिस्तरों वाले इस वार्ड में बच्चों और माताओं को साथ रखने की व्यवस्था भी की गई है। पोर्टल पर इस एनआईसीयू को 'स्टेट ऑफ द आर्ट' बताया गया था।

कृपाराम ने दूसरों के बच्चों की भी बचाई जान

झांसी मेडिकल कॉले में लगी आग में कई अभिभावकों ने अपने लाड़लों को इस अग्निकांड में खोया है उनमें से ही एक हैं गोरपुरा निवासी कृपाराम। उन्हें जब पता चला कि जिस मेडिकल कॉलेज में उनका लाड़ला है वहां उसी वार्ड में आग लग गई है तो एक सेकेंड के लिए भी नहीं रुके और बच्चे को बचाने के लिए उस वार्ड में कूद पड़े जहां आग लगी थी। चारों तरफ फैले धुएं और आग की लपटों के बीच उन्होंने अपने बच्चे की परवाह किए बगैर दूसरे बच्चों को वार्ड से सुरक्षित निकालना शुरू किया। कृपाराम इस अग्निकांड के बाद से ही अपने लाड़ले को तलाश रहे हैं। वो कई बार अस्पताल के चक्कर काट चुके हैं, लेकिन उन्हें अभी तक उसका कोई पता नहीं चला है।

केन्द्र और राज्य सरकार ने किया मदद का ऐलान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री ने झांसी की घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। श्री मोदी ने प्रत्येक मृत बच्चों के परिजनों को प्रधानमंत्री राहत कोष से 2 लाख और घायलों को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। वहीं उत्तरप्रदेश की योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिजनों के लिए 5- 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है।

अस्पताल में चूना डालने से नाराज उप मुख्यमंत्री ने दिए कार्रवाई के निर्देश

लखनऊ/झांसी। हादसे के बाद झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज पहुंचने से पहले स्वागत के लिए सड़क किनारे चूना डाले जाने उत्तरप्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक नाराज हो गए। उन्होंने शनिवार को इस संबंध में झांसी के जिला दण्डाधिकारी से उस व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं, जिसने यह काम करवाया था। कॉलेज पहुंचे श्री पाठक के साथ प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य) भी मौजूद थे।

साथ ही श्री पाठक ने शनिवार को एक वीडियो संदेश जारी कर कहा, ''मेरे झांसी मेडिकल कॉलेज पहुंचने से पहले एक व्यक्ति सड़क किनारे चूना डाल रहा था, जो बेहद दुखद है। मैं इसकी निंदा करता हूं और मैं जिलाधिकारी से उस व्यक्ति की पहचान करने के लिए कहूंगा जिसने यह काम करवाया है और उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। मैं इसे कभी स्वीकार नहीं करूंगा।'' श्री पाठक ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''घटना में 10 नवजात की मौत हो गई है। झांसी मेडिकल कॉलेज के अन्य वार्ड में 16 बच्चों का इलाज जारी है।'' उन्होंने बताया कि यह घटना शॉर्ट सर्किट के कारण हुई और उन्होंने आश्वासन दिया कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना

उप मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों को लेकर भाजपा सरकार कांग्रेस के निशाने पर आ गई। कांग्रेस ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- भाजपा सरकार की संवेदनहीनता देखिए, एक ओर बच्चे जलकर मर गए, उनके परिवार रो रहे थे, बिलख रहे थे। दूसरी तरफ, उप मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए सड़क पर चूने का छिड़काव हो रहा था। परिजनों का यहां तक कहना है कि पूरे कम्पाउंड में गंदगी फैली हुई थी, जो उप मुख्यमंत्री के आने से पहले ही साफ की गई। ये सरकार की संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। बच्चे जलकर मर रहे हैं और ये सरकार चेहरा चमकाने में लगी है, शर्मनाक! कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ कई वरिष्ठ नेताओं ने भी इस त्रासदी से निपटने के यूपी सरकार के रवैये पर सवाल उठाए हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर कड़ी कार्रवाई

स्व. माधवराज सिंधिया की प्रतिमा गलत तरीके से हटाने पर 4 अधिकारी निलंबित

कटनी/ भोपाल, देशबन्धु। पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. माधवराव सिंधिया की प्रतिमा को गलत तरीके से हटाने पर चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। इस मामले को लेकर कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों ने नाराजगी जताई थी। इस मामले में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के निर्देश के बाद जिसके बाद अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। एनएचएआई के परियोजना निदेशक द्वारा जिम्मेदार वरिष्ठ इंजीनियर मनोज वर्मा, इंजीनियर आशीष सिंह परिहार, टीम लीडर राजेश कुमार नेमा एवं सहायक ब्रिज इंजीनियर दीपक सोनी को दोषी पाए जाने के बाद तत्काल सेवा से निलंबित कर दिया गया है।

दरअसल, राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुल और हाईवे का निर्माण कार्य जारी है। इस दौरान चौराहा पर लगी स्व. माधव राव सिंधिया की प्रतिमा को दूसरी जगह स्थानांतरित किया जाना था, लेकिन इस दौरान प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया गया और मूर्ति के गले में रस्सी बांधकर जेसीबी मशीन के सहारे नीचे उतारा गया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस घटना की कांग्रेस के चुनाव आयोग कार्य प्रभारी जेपी धनोपिया ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। माधवराव सिंधिया महान और राष्ट्रीय नेता रहे हैं। बड़े सम्मान के साथ लोग उनका नाम लेते रहे हैं। उनके पुत्र केंद्रीय मंत्री हैं। भाजपा शासन काल में अगर इस तरह की घटना हुई है तो ज्योतिरादित्य सिंधिया को सड़क पर आ जाना चाहिए हम उनके साथ हैं।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के संज्ञान के बाद हुई कार्रवाई

राष्ट्रीय राजमार्ग 30 कटनी बायपास मार्ग पर स्थापित स्व. माधवराव सिंधिया की प्रतिमा को गलत तरीके से हटाए जाने पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और क्षेत्रीय सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने संज्ञान लिया था। उन्होंने इस मुद्दे पर नाराजगी जताते हुए कलेक्टर और एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मूर्ति का विस्थापन सौंदर्यीकरण के साथ अच्छे से अच्छी जगह किया जाए। श्री शर्मा ने अधिकारियों से यह भी कहा कि राष्ट्र और समाज के निर्माण में योगदान देने वाले महापुरुषों की प्रतिमा के साथ ऐसी असंवेदनशीलता अस्वीकार्य है। उन्होंने इस मामले में सख्त कार्रवाई को भी कहा था।

मुख्यमंत्री ने किया भोपाल मेले का शुभारंभ, कहा-

मेलों और उत्सवों को पूरा प्रोत्साहन देगी राज्य सरकार

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार मेलों और उत्सव संस्कृति को प्रोत्साहित करेगी। प्राचीन मेले हमारी संस्कृति का हिस्सा हैं। भोपाल का अपना गौरवशाली इतिहास है। भोपाल में राजा भोज द्वारा निर्मित विशाल सरोवर भी है। सम्राट विक्रमादित्य से भी इस क्षेत्र का संबंध रहा है। तीर्थ मेला प्राधिकरण के माध्यम से मेलों के आयोजन को बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को भोपाल के टीटी नगर स्थित दशहरा मैदान में भोपाल मेले का शुभारंभ कर संबोधिम कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेले के आयोजन से संबंधित सुझावों पर राज्य सरकार द्वारा आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की धरती पर भगवान श्रीकृष्ण ने उज्जैन में शिक्षा ग्रहण की। भगवान श्रीराम ने चित्रकूट में लम्बा समय व्यतीत किया। लोकमाता अहिल्या देवी ने उस दौर में जब मंदिरों को ध्वस्त किया जा रहा था, देव स्थान संस्कृति को स्थापित किया। वीरांगना रानी दुर्गावती का शौर्य, किसी से भी कम नहीं था। उन्होंने निरंतर 51 युद्ध जीते थे और आखिरी 52वें युद्ध में विपरीत परिस्थितियां बन जाने पर पराजय स्वीकार करने की जगह आत्म बलिदान करना उचित समझा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ऐसे राष्ट्रभक्तों और कुशल शासकों का इतिहास समेटे मध्यप्रदेश में अनेक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से आज की युवा पीढ़ी को समृद्ध और गौरवशाली इतिहास की जानकारी दी जाती है। मेले और उत्सव आमजन के लिए महत्वपूर्ण हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस वर्ष मध्यप्रदेश में मकर संक्रांति से लेकर गुड़ी पड़वा ,रक्षाबंधन, विजयदशमी पर शस्त्र पूजन और गोवर्धन पूजा जैसे कार्यक्रम सरकार और समाज ने मिलकर मनाए हैं। सरकार आगे भी ऐसे महत्वपूर्ण आयोजनों में सहभागिता करेगी। इस अवसर पर सांसद श्री आलोक शर्मा, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय, नगर निगम भोपाल के अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, श्री गोविंद गोयल आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, शंख वादन की ध्वनियों के बीच जनप्रतिनिधियों के साथ गणेश वंदना में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आकाश में गुब्बारे छोड़कर मेले का शुभारंभ किया। भोपाल उत्सव मेला समिति के अध्यक्ष श्री मनमोहन अग्रवाल ने स्वागत भाषण में कहा कि मेले में व्यापारी बंधु लाभ-हानि की चिंता किए बिना नागरिकों के हित में सहभागिता करते हैं। श्री अग्रवाल ने मेले से संबंधित कुछ सुझाव भी दिए। यह मेला टीटी नगर स्थित दशहरा मैदान में 31 दिसंबर 2024 तक चलेगा।

वैश्विक शिखर सम्मेलन को मुख्यमंत्री ने किया सम्बोधित, बोले-

भारत ने किसी को नहीं लूटा, न ही सताया

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जब भी किसी देश की ताकत बढ़ती है तो उसका सदुपयोग या दुरुपयोग किया जाता है, लेकिन दुनिया में भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसने कभी किसी पर आक्रमण नहीं किया, किसी को सताया नहीं, किसी को लूटा नहीं।

उन्होंने कहा कि हमारे ग्रंथों में लिखा है कि हमने तो विश्व के सुख की कामना की है। डॉ. यादव शनिवार शाम नीलबड़ स्थित ब्रह्मकुमारीज सुख शांति भवन में वैश्विक शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

डॉ. यादव ने कहा है कि भारत गुरुत्व शक्ति के आधार पर दुनिया में अपनी पहचान बनाना चाहता रहा है और ऐसा संभव भी हुआ है। भारत की विश्व गुरू बनने की कामना पूरी होकर रहेगी। उन्होंने कहा कि जो इस शरीर में है वही ब्रह्माण्ड में है। आज मानव शरीर की किसी विकृति को दूर करने के लिए चिकित्सा विज्ञान भी मानव शरीर से ही अवयव प्राप्त करता है। अस्पतालों में बैंक बनाकर गर्भ नाल और अन्य मानव अंग सुरक्षित रखे जा रहे हैं, जो शल्य चिकित्सा और प्रत्यारोपण के माध्यम से जीवन देने का कार्य करते हैं।

नई दिल्ली से आईं ज्यूरिस्ट विंग की चेयरपर्सन राजयोगिनी पुष्पा दीदी ने भी संबोधित किया। पुष्पा दीदी ने अपने सम्बोधन में कहा कि कुछ लोग सोचते हैं कि समस्याओं का कोई समाधान नहीं है, परमात्मा सुनता ही नहीं है, जबकि परमात्मा हर जगह विद्यमान है। वहीं संस्था के माउंट आबू स्थित मुख्यालय से जयंती दीदी ने वीडियो संदेश द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन करते हुए कार्यक्रम के लिए बधाई दी।

आयोजन की शुरुआत में डॉ. यादव का सुख सागर भवन, नीलबड़ की निर्देशिका नीता दीदी ने स्वागत किया। यहां डॉ. यादव का तिलक लगाकर, अंगवस्त्र भेंट किया गया और उन्हें भगवान श्री कृष्ण की तस्वीर भेंट की गई।

आध्यात्मिकता द्वारा स्वस्थ और स्वच्छ समाज विषय पर केंद्रित इस सम्मेलन में विधायक रामेश्वर शर्मा, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय और विधान सभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह और संस्था के अनुयायियों सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन बी. के. राम कुमार ने किया।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग से की शिकायत

विजयपुर में माइक्रो आब्जर्वर को बदलने की मांग

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस ने चुनाव अयोग से शिकायत कर विजयपुर में मतगणना के दिन माइक्रो आब्जर्वर को बदलने की मांग की है। शिकायतकर्ता प्रदेश कांग्रेस के चुनाव आयोग कार्य प्रभारी जेपी धनोपिया ने शिकायत में कहा है कि विजयपुर विधानसभा के उपचुनाव का मतदान गत 13 नवंबर को होने के बाद मतगणना 23 नवंबर को होना नियत है। भाजपा प्रत्याशी वनमंत्री रामनिवास रावत के इशारे पर कार्यरत जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर श्योपुर किशोर कन्याल द्वारा श्री रावत के स्वजातीय और रिश्तेदारों को मतगणना दिवस पर 32 माईक्रो आब्जर्वर नियुक्त कराया गया है। जिनमें से 25 माईक्रो आब्जर्वर मीणा ध्रावत समुदाय के होकर उनके रिश्तेदार है तथा अन्य 7 उनके निजी सम्पर्कों में रहने वाले कर्मचारी हैं। श्री धनोपिया ने आशंका जताई कि मतगणना दिवस को भी उसी प्रकार की अनुचित गतिविधियां संपन्न होगी। जैसी मतदान दिवस को हुई थी।

श्री धनोपिया ने कहा कि विजयपुर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश मल्होत्रा द्वारा 32 माईक्रो आब्जर्वर के प्रति अविश्वास किया गया है और हटाने की मांग की गई है। श्री धनोपिया ने बताया कि इन आब्जर्वरों में पुखराज मीणा, संजय कुमार मीणा, राकेश कुमार मीणा, विजेन्द्र कुमार मीणा, जलधारी मीणा, राजेश कुमार मीणा, राहुल चौधरी, अजय कुमार मीणा, अनिल प्रातप सिंह, अभिषेक मीणा, अवनीत कुमार, आकाश अग्रवाल, ओमशिव मीणा, कपूर सिंह, कृष्णकुमार मीणा, गोविन्द सिंह मीणा, टिन्कू मीणा, दीपक प्रजापति , देवनारायण मीणा, देवेश कुमार, धर्मेन्द्र सिंह मीणा, नरेन्द्र सिंह, पवन मीणा, मनीष कुमार मीणा, मनोज कुमार शर्मा, मयंक गुप्ता, राजेश दीक्षित, रामनरेश यादव, रामभरत मीणा, लोकेश मीणा, रविन्द्र कुमार मीणा, मोहित श्रीवास्तव शामिल हैं।

आयुष्मान भारत से बदली अमरनाथ बैगा की जिंदगी

भोपाल, देशबन्धु। सिंगरौली जिले के एक छोटे से गांव में रहने वाले अमरनाथ विशेष रूप से पिछड़ी एवं कमजोर जनजाति समूह बैगा में आते हैं। इनकी जिंदगी बचपन से ही कठिन संघर्षों से भरी रही। आर्थिक तंगी के कारण कई बार उन्हें और उनके परिवार को बुनियादी जरूरतें पूरी करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। बीमारी या स्वास्थ्य समस्याओं की स्थिति में अस्पताल जाना एक बड़ी चुनौती बन जाता था। इलाज का खर्च उठाने की सामर्थ्य अमरनाथ में नहीं थी।

पीएम जन-मन योजना में अक्टूबर 2024 में अमरनाथ बैगा का आयुष्मान कार्ड बनने के बाद उनके जीवन में नई उम्मीद की किरण आई। आयुष्मान भारत योजना के तहत सरकार ने उन्हें हर साल 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी है, जिससे उन्हें अब स्वास्थ्य संबंधी चिंता से मुक्ति मिली है। सरकारी और अधिकृत निजी अस्पतालों में इलाज की सुविधा के साथ, अब वह और उनका परिवार स्वास्थ्य समस्याओं का सही समय पर उपचार करवा सकता है।

आयुष्मान योजना से लाभान्वित होने के बाद अमरनाथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि आयुष्मान योजना हम जैसे गरीबों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। उनके अनुसार इस योजना ने उनके जैसे कई गरीब परिवारों को आशा और सुरक्षा प्रदान की है। अब अमरनाथ बैगा को अपने परिवार के स्वास्थ्य की चिंता नहीं है और वह इस योजना के लाभ से अपनी और अपने परिवार की जिंदगी में सुधार कर पा रहे हैं। आयुष्मान भारत योजना न केवल उन्हें स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही है, बल्कि यह उनके आत्मविश्वास और खुशहाली में भी एक महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

झारखंड का जल, जंगल, जमीन लूटने के लिए सरकार बनाना चाहती है भाजपा

रांची/ जामताड़ा, एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को झारखंड के जामताड़ा और रांची जिले की खिजरी सीटों पर चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी झारखंड का जल, जंगल, जमीन लूटने के लिए यहां सरकार बनाना चाहती है। वह न तो इस राज्य का विकास चाहती है और न गरीबों, दलितों, पिछड़ों को उनके अधिकार देना चाहती है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने गरीबों के लिए मनरेगा योजना लागू की। शिक्षा के अधिकार का कानून बनाया। आईआईटी और आईआईएम बनाया। भाजपा की सरकार ने क्या किया? वह लोगों के अधिकार छीनने की कोशिश कर रही है। इस देश का संविधान बाबा साहेब अंबेडकर और जवाहर लाल नेहरू जैसे नेताओं ने बनाया। इसी संविधान की बदौलत मोदी जी चाय बेचते हुए देश के प्रधानमंत्री बन गए और मैं एक मील मजदूर का बेटा इस मुकाम पर पहुंचा। संविधान बचा तो आपका अधिकार बचेगा, लेकिन भाजपा इसे खत्म करना चाहती है। अगर संविधान नहीं बचा तो वोटिंग का अधिकार भी खत्म हो जायेगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि चंद लोग भूल जाते हैं कि एससी, एसटी, ओबीसी को आरक्षण का जो हक मिला, उसका श्रेय देश को आजादी दिलाने वाले गांधी जी, नेहरू जी, पटेल जी और आंबेडकर जी जैसे नेताओं को जाता है, जिन्होंने संविधान बनाया। आदिवासियों, पिछड़ों, दलितों को इस देश में कुछ मिला है तो कांग्रेस ने जद्दोजहद के साथ लड़कर उन्हें उनका हक दिलाया है। खड़गे ने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जब राज्य का कोयला का बकाया मांगते हैं, तो उनके पीछे ईडी और इनकम टैक्स लगवा देते हैं, उनको जेल भिजवा देते हैं। केंद्र सरकार झारखंड के हिस्से का एक लाख 36 हजार करोड़ रुपये नहीं दे रही है। ये पैसे झारखंड के गरीबों, पिछड़ों, नौजवानों के हक के हैं। ये झारखंड के लोगों के हक का पैसा खा रहे हैं।

अमित शाह और मल्लिकार्जुन खड़गे ने बांग्लादेशी घुसपैठ पर एक-दूसरे से पूछे सवाल

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को झारखंड के संथाल परगना इलाके में एक ही वक्त पर चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा किया। अमित शाह ने दुमका में जिस वक्त भाजपा की चुनावी सभा को संबोधित करते हुए घुसपैठ के लिए झारखंड की कांग्रेस, झामुमो और राजद गठबंधन सरकार को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया, ठीक उसी समय वहां से 75 किलोमीटर दूर जामताड़ा में कांग्रेस की सभा में मल्लिकार्जुन खड़गे ने सवाल उठाया कि अगर घुसपैठ हुई है, तो केंद्र की मोदी और शाह सरकार बताए कि उन्होंने इसे रोकने के लिए क्या किया।

शाह ने कहा कि हाईकोर्ट ने झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करने और मतदाता सूची से उनका नाम काटने का निर्देश दिया है, लेकिन हेमंत सोरेन इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट चले गए हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि वे झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देते हैं। घुसपैठियों में उन्हें अपना वोट बैंक दिखता है। गृह मंत्री ने कहा कि हेमंत सोरेन इस मामले में हमसे सवाल पूछते हैं, पर क्या उन्होंने कभी बांग्लादेश की बॉर्डर देखी है? इस बॉर्डर के लंबे इलाके में जंगल और नदियां हैं, जहां बाड़ नहीं लग पाए। घुसपैठिए इन्ही रास्तों के जरिए गांव में आते हैं। सवाल यह है कि जब घुसपैठिए आते हैं तो आपके पटवारी और थानेदार को कैसे पता नहीं चलता है? दूसरी तरफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी जी यह कहकर डराते हैं कि घुसपैठिए आएंगे। अगर घुसपैठ हो रही है और इसे लेकर मोदी और शाह रो क्यों रहे हैं? घुसपैठिए आ रहे हैं तो क्या वे सो रहे हैं? केंद्र में उनकी सरकार है, तो वे जवाब दें कि उन्होंने घुसपैठ को रोकने के लिए क्या किया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र की भाजपा सरकार पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को खत्म करने की साजिश का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जो कोई भी इस सरकार के खिलाफ आवाज उठाता है, उसके पीछे ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियां लगा दी जाती हैं। भाजपा पर विभाजनकारी राजनीति का आरोप मढ़ते हुए खड़गे ने कहा कि ये हमें हिन्दू-मुसलमान में बांटने का काम कर रहे हैं। बंटोगे तो कटोगे बोलने वाले खुद ही लोगों को बांट और काट रहे हैं। भाजपा के लोगों ने कुछ किया नहीं, पर देश को डराते फिरते हैं।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।